



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 51] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 19, 1981 (अग्रहायण 28, 1903)

No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 19, 1981 (AGRAHAYANA 28, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

दिनांक 24 नवम्बर 1981

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 नवम्बर 1981

सं. ए. 32013/1/81-प्रशा. 1—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

सं. ए. 12024/2/80-प्रशा. 1—इस कार्यालय की सम-संख्यक अधिसूचना दिनांक 9-4-81 के अनुक्रम में राष्ट्रपति द्वारा श्री रामाभद्रम, सी. ई. एस. (कार्यापालक इंजीनियर, के. लो. नि. वि. 1971) को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 19-11-1981 से आगामी आदेशों तक उप सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

य. रा. गांधी  
अवर सचिव (प्रशा.)  
संघ लोक सेवा आयोग

क्रम सं०	नाम	अवधि
सर्वश्री		
1. एच० एम० विश्वाम		20-8-81 से 19-11-81 तक
2. य० रा० गांधी		27-8-81 से 26-11-81 तक
3. पी० सी० गुप्ता		19-8-81 से 18-11-81 तक
4. प्रो० सहाय		1-9-81 से 30-11-81 तक
5. एस० एस० नागर		--वही--
6. प्रो० जी० पुरंग		--वही--
7. एम० पी० जन		--वही--

एच. सी. जाटव  
संयुक्त सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

का. एवं प्र. सु. विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1981

सं. आर./95/65-प्रशा.-5—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त के कार्यालय से प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री आर. एन. कालि, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 17-11-1981 के पूर्वानुमति से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में उसी पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं. बी./2/70-प्रशा.-5--नागालैंड सरकार से प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री बी. एन. सिंहा, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 1-11-1981 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में अपने उसी पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया।

की. ला. ग्रावर  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था.)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, के. रि. पु. बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 25 नवम्बर 1981

सं. ओ-दो-325/69-स्थापना--श्री के. डी. यस., दलित कमांडेंट 52 बाहिनी के. रि. पु. बल ने के. जी. सुरभा दल में प्रतिनियुक्ति के कारण वे 16-11-81 (ए. एन.) को अपने कार्यभार से विमुक्त हो गये हैं।

सं. ओ-दो-1455/79-स्थापना--महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर अनिल कौशल को 18 नवम्बर 1981 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 26 नवम्बर 1981

सं. एफ-8/4/81-स्थापना (के. रि. पु. बल)--राष्ट्रपति जी ने रंजीत सिंह भाटी उपअधीक्षक 66वीं बाहिनी का त्यागपत्र दिनांक 31-10-81 से मंजूर कर दिया है।

2. आफिसर उसी तारीख से यूनिट की संख्या से निकल जायेंगे।

दिनांक 28 नवम्बर 1981

सं. ओ-दो-15/9/81-स्थापना--राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी. डी. ओ. ग्रेड-11) डा. (श्रीमती) एस. ए. वेंकटर, बेस हॉस्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई दिल्ली, को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा नियमावली), 1965 के नियम 5(1) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 23 नवम्बर 1981 के अपराह्न से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

दिनांक 1 दिसम्बर 1981

सं. ओ-दो-1613/81-स्थापना--राष्ट्रपति, डा. शिव प्रसाद काकमान को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-11 (डी. एस. पी./कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 20 नवम्बर 1981 के पूर्वाह्न से डाक्टर की परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

ए. के. सूरि  
सहायक निदेशक, (स्थापना)

समन्वय निदेशालय (पुलिस ब्रेतार)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 18 नवम्बर 1981

सं. ए.-12012/1/80-प्रशासन--समन्वय निदेशालय (पुलिस ब्रेतार) के तकनीकी अधीक्षक (बीजलेख) श्री आर. के.

कोटनिस को समन्वय निदेशालय (पुलिस ब्रेतार) में 28-2-82 तक या रिक्ति को नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी कम हो, तदर्थ आधार पर अतिरिक्त सहायक निदेशक (बीजलेख) के पद पर बतनमान रु. 650-30-740-35-810-द. रो.-880-40-1000-द. रो.-40-1200/- पर तारीख 3 नवम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से पदोन्नति दी गई है।

छत्रपति जोशी  
निदेशक  
पुलिस दूर-संचार

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 नवम्बर 1981

सं. पी./आई. (1)-प्रशा.-1--राष्ट्रपति, नागालैंड सिविल सेवा के अधिकारी और नागालैंड, कोहिमा में जनगणना कार्य निदेशालय में प्रतिनियुक्ति पर उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री ए. सी. बल को तारीख 26 अक्टूबर, 1981 के पूर्वाह्न से नागालैंड सरकार को सहर्ष प्रत्यावर्तित करते हैं। इसके परिणामस्वरूप श्री बल की सेवाएं तारीख 26-10-1981 से नागालैंड सरकार के सुपुर्ब की जाती हैं।

सं. 11/119/79-प्रशा.-1--राष्ट्रपति, अरुणाचल प्रदेश सरकार के अधिकारी और अरुणाचल प्रदेश, शिलांग में जनगणना कार्य निदेशालय में प्रतिनियुक्ति पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री एच. सी. शर्मा को तारीख 31 अक्टूबर, 1981 के अपराह्न से अरुणाचल प्रदेश सरकार को सहर्ष प्रत्यावर्तित करते हैं। इसके परिणामस्वरूप उनकी सेवाएं उक्त तारीख से अरुणाचल प्रदेश सरकार के सुपुर्ब की जाती हैं।

सं. 10/4/80-प्रशा.-1--राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय के कन्सोल अपरेटर और पहले जाम्बिया सरकार में सिस्टम एनालिस्ट के रूप में विदेश सेवा पर श्री एन. सी. शर्मा को उसी कार्यालय में तारीख 15 अक्टूबर, 1980 से अर्थात् वह तारीख जिससे उनसे कनिष्ठ श्री आर. एन. तलवार को सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर पदोन्नत किया गया था; मौलिक नियम 30(1) (उससे नीचे का नियम) के परन्तक 2 के अधीन सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर सहर्ष प्रोफार्सी पदोन्नति देते हैं।

2. जाम्बिया सरकार में सिस्टम एनालिस्ट के रूप में विदेश सेवा और इस कार्यालय द्वारा मंजूर की गई छुट्टी की अवधि की समाप्ति पर श्री एन. सी. शर्मा ने तारीख 19 अगस्त, 1981 के पूर्वाह्न से इस कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद का कार्यभार सम्भाला।

3. श्री शर्मा का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं. 11/8/80-प्रशा.-1--राष्ट्रपति, महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्रीमती यू. बसक को उसी कार्यालय में तारीख 19 अक्टूबर, 1981 के पूर्वाह्न से 1 वर्ष से अधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि कम हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर 700-40-900-द. रो.-40-1100-50-1300 रु. के बतनमान में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर पदोन्नति द्वारा सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्रीमती बसक का मुख्यालय बम्बई में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तबर्ध नियुक्ति सम्बन्धित अधिकारी को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेंगे। तबर्ध तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तबर्ध नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

सं. 11/9/81-प्रशा.-1—राष्ट्रपति, केरल सरकार के सेवा नियुक्त अधिकारी और केरल त्रिवेन्द्रम में जनगणना कार्य निदेशालय में पुनर्नियोजन के आधार पर उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री एम. कृष्णमूर्ति की सेवाएं तारीख 31 अक्टूबर, 1981 के अपराह्न से समाप्त करते हैं।

दिनांक 26 नवम्बर 1981

सं. 11/10/78-प्रशा.-1—इस कार्यालय की तारीख 3 दिसम्बर, 1980 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, मणिपुर सिविल सेवा के अधिकारी श्री मोहम्मद अब्दुस सत्तार को मणिपुर, इम्फाल में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 30 जून, 1982 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर, स्थानान्तरण द्वारा, तदर्थ आधार पर, उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री सत्तार का मुख्यालय इम्फाल में होगा।

पी. पद्मनाभ  
भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

बैंक नोट मुद्रणालय, देवास: म. प्र.

देवास, दिनांक 20 नवम्बर 1981

फा. क्र. बी. एन. पी./सी./43/80—इस कार्यालय के समसंख्यांक अधिसूचना दिनांक 12-10-80 के तारतम्य में श्री के. एम. सक्सेना, प्रशासन अधिकारी की प्रतिनियुक्ति की नियुक्ति अवधि दिनांक 22-9-82 तक उन्हीं शर्तों पर बढ़ाई जाती है।

वी. चार  
महाप्रबंधक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

कार्यालय : निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-2, दिनांक 30 नवम्बर 1981

सं. प्रशा. 1/का. आ. सं. 336—इस कार्यालय के लेखा परीक्षा अधिकारी श्री जगदीश प्रसाद कांशिक वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप भारत सरकार की सेवा से 30 नवम्बर, 1981 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त होंगे।

उनकी जन्मतिथि 5-11-1923 है।

सं. प्रशा. 1/का. आ. सं. 331—इस कार्यालय के एक स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी श्री जीत सिंह वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप भारत सरकार की सेवा से 30 नवम्बर, 1981 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त होंगे।

उनकी जन्मतिथि 10-11-1923 है।

(ह.) अपठनीय  
संयुक्त निदेशक ले. प. (प्र.)

महालेखाकार का कार्यालय-1 आन्ध्र प्रदेश

हैदराबाद-500476, दिनांक 23 नवम्बर 1981

सं. प्रशा. 1/8-312/81-82/382—श्री एम. एन. प्रभाकरन, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश-1, का वृहत्त दिनांक 17-11-1981 को हो गया है।

रा. हरिहरन  
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय महाराष्ट्र

बम्बई, दिनांक 23 नवम्बर 1981

सं. प्रशा. 1/सामान्य/31 - खण्ड 111/सी. 1(1)6—महालेखाकार, महाराष्ट्र-1, बम्बई अधीनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को उनके नामों के सम्मुख निर्दिष्ट क्रिये गये दिनांक से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्रमांक, नाम और दिनांक

1. श्री सी. एन. पिटकर—17-11-81 (पूर्वाह्न से)
2. श्री एस्. एस. कुडाककर—17-11-81 (पूर्वाह्न से)

(ह.) अपठनीय  
वरिष्ठ उप महालेखाकार

कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा

दक्षिण पूर्व रेलवे, गार्डनरच

कलकत्ता-700043, दिनांक 27 नवम्बर 1981

सं. प्रशा./33-2 ए/75/3814—निदेशक लेखा परीक्षा, दक्षिण पूर्व रेलवे, कलकत्ता के कार्यालय में अधीनस्थ रेलवे लेखा परीक्षा सेवा के सदस्य, श्री पलीन बिहारी राय को दिनांक 31-10-1981 के पूर्वाह्न से एक स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में अगले आदेश तक पदोन्नत किया गया।

अ. ना. चक्क  
निदेशक लेखा परीक्षा

कार्यालय, संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा  
रक्षा सेवाएं

बम्बई-400039, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवाएं) नियमावली, 1965 के  
नियम 5(1) के अधीन जारी सेवा समाप्ति का नोटिस

सं. 1875/ई. 3/आर. जे. एम.—केन्द्रीय सिविल सेवा  
(अस्थायी सेवाएं) नियमावली, 1965 के नियम 5 के  
उपनियम (1) के अनुसरण में, मैं, आर. ए. बोरकर,  
संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, बम्बई इसके  
द्वारा श्री आर. जे. मोरे को नोटिस देता हूँ कि इस नोटिस  
को तामील होने की तिथि से एक महीने की अवधि समाप्त  
होने की तिथि से अथवा जैसे मामला उनको प्राप्त हो, उनकी  
सेवाएं समाप्त हो जायेंगी।

श्री आर. जे. मोरे  
बरेक नं. 1397, सेक्शन 32,  
उल्हासनगर, जिल्हा: ठाणे

र. अ. बोरकर  
संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा  
रक्षा सेवाएं, बम्बई

केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवाएं) नियमावली, 1965 के  
नियम 5(1) अधीन जारी सेवा समाप्ति का नोटिस

बम्बई-400039, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

सं. 1898/ई. 3/एस. सी. श.—केन्द्रीय सिविल सेवा  
(अस्थायी सेवाएं) नियमावली, 1965 के नियम 5 के  
उपनियम (1) के अनुसरण में, मैं, आर. ए. बोरकर,  
संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, बम्बई इसके  
द्वारा श्री एस. सी. शर्मा को नोटिस देता हूँ कि इस  
नोटिस को तामील होने की तिथि से एक महीने की अवधि समाप्त  
होने की तिथि से अथवा जैसे मामला उनको प्राप्त हो, उनकी  
सेवाएं समाप्त हो जायेंगी।

श्री एस. सी. शर्मा,  
मार्फत एच. पी. शर्मा, ग्राम खेली हफाभापुर,  
पोस्ट आफिस गुरुकुल सिकन्दराबाद,  
बुलंदशहर जिला, उत्तर प्रदेश  
पिन : 203202

र. अ. बोरकर,  
संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा  
रक्षा सेवाएं, बम्बई

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 12 नवम्बर 1981

अधिसूचना में संशोधन

सं. प्रशा.-11/2603/81-1—इस कार्यालय की दिनांक 26  
अक्टूबर 1981 की अधिसूचना संख्या प्रशा.-11/2603/81 में  
आंशिक आशोधन करते हुए क्रम संख्या 74 के समक्ष दर्शाये गये

अधिकारी के यथा अधिसूचित नाम सोहन लाल नन्दा के स्थान पर  
सोहन सिंह नन्दा पढ़ें।

ए. के. घोष,  
रक्षा लेखा उप महानियंत्रक (परिमोचना)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1981

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण  
(स्थापना)

सं. 6/723/64-प्रशासन 'राज'/6449-ए—सेवा-निवृत्ति  
की आयु होने पर, श्री डी. डी. सूजा, संयुक्त मुख्य नियंत्रक  
आयात-निर्यात, बम्बई को 31 अक्टूबर 1981 के अपराह्न से  
सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी जाती है।

ए. एन. कौल  
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात  
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 नवम्बर 1981

सं. ए-19018/448/79-प्रशा. (राज.)—विकास  
आयुक्त, लघु उद्योग सेवा संस्थान, त्रिचूर के लघु उद्योग संवर्धन  
अधिकारी (आर्थिक अन्वेषण) श्री के. सी. वगीज को दिनांक 12  
अक्टूबर, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग  
सेवा संस्थान, बंगलूर में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक  
(ग्रेड-2) (आर्थिक अन्वेषण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सी. सी. राय  
उप निदेशक (प्रशा.)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1981

सं. प्र-1/1(1066)—राष्ट्रपति, निम्नलिखित सहायक पूर्ति  
निदेशक (ग्रेड-11) को दिनांक 7-11-1981 के पूर्वाह्न से छः  
मास के लिए अथवा संघ लोक सेवा आयोग से नामित अधिकारियों  
के उपलब्ध हो जाने तक जो भी पहले हो, सहायक निदेशक  
(ग्रेड-1) (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-111) के रूप में  
तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं :

1. श्री जी. एम. राजू
2. श्री एस. गणपति

उपरोक्त अधिकारियों ने सहायक निदेशक, पूर्ति (ग्रेड-11)  
का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 7-11-80 के पूर्वाह्न से  
पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक  
(ग्रेड-1) का पदभार सम्भाल लिया।

सं. प्र-1/1 (1185)/81—महानिदेशक, पूर्ति तथा निप-  
टान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्या-  
लय में कनिष्ठ क्षेत्र अधिकारी श्री एस. बी. पण्डे को दिनांक  
9-11-81 के अपराह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक  
उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-11) के रूप में स्थानीय  
और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।



श्री पण्डे की सहायक निदेशक (ग्रेड-11) के रूप में तदर्थ पदोन्नति से उन्हें नियमित नियुक्ति का कोई दावा नहीं होगा और तदर्थ आधार पर की गई सेवा ग्रेड में वरीयता और पदोन्नति और स्थायीकरण की पात्रता के लिए नहीं गिनी जायेगी।

दिनांक 30 नवम्बर 1981

सं. प्र-1/1/(1058)—राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक निदेश (पूर्ति) (ग्रेड-11) को उनके नाम के सामने लिखी तारीख से छः माह की अवधि अथवा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित अधिकारियों के उपलब्ध होने तक जो भी पहले हो (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप 'ए' के ग्रेड-111) में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-1) के रूप में नियुक्त करते हैं:—

1. एम. एल. आर. रामकृष्णन 6-11-81 (पूर्वाह्न)
2. सी. अरुमुगम 6-11-81 (पूर्वाह्न)
3. एल. लक्ष्मीनारायण 10-11-81 (पूर्वाह्न)

उपरोक्त अधिकारियों ने सहायक निदेशक (पूर्ति) (ग्रेड-11) का पद भार छोड़ दिया और उनके नाम के सामने लिखी तारीख से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, मद्रास में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) के पद का पदभार ग्रहण कर लिया।

एस. एल. कपूर  
उप निदेशक (प्रशासन)

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1981

सं. ए-32013/9/80-प्र-6—राष्ट्रपति, सर्वश्री डी. रामानुजम् तथा एस. सेनगुप्ता को दिनांक 22-9-1981 के पूर्वाह्न से भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'ए' के ग्रेड-111 की भातुकर्म शाखा में नियमित आधार पर सहायक निदेशक निरीक्षण (भातु) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सर्वश्री रामानुजम् तथा सेनगुप्ता दिनांक 22-9-1981 से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन रहेंगे।

पी. डी. सेठ  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 21 नवम्बर 1981

सं. 3/4/62-ई (1)—मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग ने फिल्म प्रभाग बम्बई के स्थायी कैमरामैन श्री एन. नरसिंघ राव को 2 नवम्बर 1981 के पूर्वाह्न से लेकर अगला आदेश होने तक उसी कार्यालय में, श्री एम. एम. वैद्य स्थायी मुख्य कैमरामैन की भारतीय फिल्म और दूरदर्शन संस्थान, पूना में प्रतिनियुक्ति हो जाने से उनके स्थान पर, स्थानापन्न मुख्य कैमरामैन के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 23 नवम्बर 1981

सं. 5/30/60 ई. (1)—मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग ने फिल्म प्रभाग, दिल्ली के श्री वी. बी. कृष्णन् स्थानापन्न अनुरक्षण अभियंता को श्री वाय. जे. के. प्रयोगशाला अभियंता के सेवानिवृत्त

होने से उनके स्थान पर 1 अक्टूबर 1981 के पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में प्रयोगशाला अभियंता के पद पर नियुक्त किया है।

एस. के. राय  
सहा. प्रशा. अधिकारी  
कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्टूबर 1981

सं. ए. 32013/1/80(एच. क्यू.) प्रशासन-1—राष्ट्रपति श्री ने कुमारी एल. एम. रेबेलो को केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में 5 जून, 1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक अस्थायी रूप से उप महा-निदेशक (डी. एच. ई.) के पद पर नियुक्त किया है।

2. केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो में उप सहायक महानिदेशक (डी. एच. ई.) के पद पर नियुक्ति हो जाने के परिणामस्वरूप कुमारी एल. एम. रेबेलो ने 5-6-81 (पूर्वाह्न) से सी. एच. ई. बी. से उप सहायक महानिदेशक (आर) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

ओ. पी. बाली,  
उप निदेशक प्रशासन (ओ. एच. एम.)

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1981

सं. ए. 12025/25/80-(एन.एम.ई.पी./प्रशासन-1—राष्ट्रपति ने श्री के. के. माथुर को 14 अक्टूबर, 1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में सहायक निदेशक (एण्टोमालोजी) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम निदेशालय के अधीन सहायक निदेशक (एण्टोमालोजी) के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप श्री के. के. माथुर ने 13-10-1981 (अपराह्न) से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली से उप सहायक निदेशक (एण्टोमालोजी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ए. 31014/6/80 (एन.आई.सी.डी)/प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एम. एल. वधवा को 1 सितम्बर 1979 से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में प्रशासनिक अधिकारी के स्थायी पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं. ए. 31013/4/81-प्रशासन-1—राष्ट्रपति ने श्री एम. बी. सिंह को 14 फरवरी, 1980 से राजकुमारी अमृत कौर उपचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली में निदेशक, बाल मार्गदर्शन क्लीनिक के पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 30 नवम्बर 1981

सं. ए. 32014/4/80(जिप) प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एल. नवनीत कृष्णन को 19 अक्टूबर, 1981 के अपराह्न से आगामी आदेशों तक जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पाण्डिचेरी में पूर्णतया तदर्थ आधार पर सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त कर दिया है।

सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री एल. नवनीत कृष्णन ने 19 अक्टूबर, 1981 के अपराह्न से जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पाण्डिचेरी से सहायक लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं. ए. 32014/4/80 (जिए)/प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री टी. वनगदासामी को 21 अक्टूबर 1981 को पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पाण्डिचेरी में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर नियुक्त कर दिया है।

सं. ए. 32014/4/80 (जिए)/प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री के. गणन् स्वामी को जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पाण्डिचेरी में 19 अक्टूबर, 1981 (अपराह्न) से आगामी आदेशों तक पूर्णतया तदर्थ आधार पर प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

त्रिलोक चन्द जैन  
उप निदेशक प्रशासन (पी. एच.)

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1981

सं. 2-10/81-स्था. (1)—श्री हरिशंकर गौतम, अधीक्षक (ग्रेड-1) को विस्तार निदेशालय, कृषि मंत्रालय, कृषि और सहकारिता विभाग में हिन्दी अधिकारी समूह "बी" (जी.सी.-एस.) (राजपत्रित) (पिलिपक वर्गीय) के रूप में कार्य करने हेतु रुपये 650-30-740-35-द. रॉ.-35-880-40-1000-द. रॉ.-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ रूप में 12 नवम्बर 1981 को पूर्वाह्न से अगले आदेश तक नियुक्त किया गया।

के. जी. कृष्णामूर्ति  
निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 1 नवम्बर 1981

सं. ए. 19023/9/81-प्र.तू.—इस निदेशालय के अधीन बम्बई में श्री एन. जे. पिल्ले की विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के पद पर तदर्थ नियुक्ति को 31-12-1981 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले हो, बढ़ाया गया है।

बी. एल. मनिहार  
निदेशक प्रशासन  
कृते कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 21 नवम्बर 1981

सं. पीए/79(4)/80 आर-111—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को, तदर्थ रूप से उनके नाम के सामने अंकित समयावधि के लिए स्थानापन्न सहायक

कार्मिक अधिकारी (रुपये 650-960) के पद पर इस अनुसंधान केन्द्र में नियुक्त करते हैं।

क्रमांक	नाम तथा पदनाम	स्थानापन्न रूप में नियुक्ति	समयावधि से	तक
1.	श्री जे. ए. लासने	सहायक	5-10-81	13-11-81
2.	श्री एस. आर. पिंगे	एस०जी०सी०	12-10-81	13-11-81

दिनांक 23 नवम्बर 1981

सं. पीए/76(3)/80 आर-111—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, पश्चिम रेलवे, बम्बई के अनुसार अधिकारी, श्री नवनीतलाल मनसुखलाल शाह को सहायक लेखा अधिकारी पद पर भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में रुपये 650-30-740-880-द. रॉ.-40-960 के वेतन क्रम में 13 नवम्बर 1981 (पूर्वाह्न) से 12 नवम्बर 1983 (अपराह्न) अथवा अथवा अग्रिम आदेश जो भी पहले हो तक प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 नवम्बर 1981

सं. पीए/73 (13)/81 आर-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र डा. प्रमोद जगदीशचन्द्र शर्मा को निवासी चिकित्सा अधिकारी पद पर इस अनुसंधान केन्द्र के आयुर्विज्ञान प्रभाग में 21 अक्टूबर 1981 (पूर्वाह्न) से 22 नवम्बर 1981 (अपराह्न) तक अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

ए. शान्ताकुमारा मनोन  
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 26 नवम्बर 1981

सं. जे/425/स्थापना 11/4615—इस अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक एवं स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी श्री चेरुमूडे पुतनवीड जेम्स, एफ आर 56(के) के अधीन स्वीच्छिक रूप से 4 अगस्त 1981 (अपराह्न) को सरकारी नौकरी से सेवा निवृत्त हुए।

कृ. एच. बी. विजयकर  
उप स्थापना अधिकारी

(परमाणु ऊर्जा विभाग)

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 18 नवम्बर 1981

सं. क्र. भ. नि./21/1(2)/78-स्थापना/22558—क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक ने श्री रामादेर देवप्पा नायक स्थायी क्रय सहायक को दिनांक 16-11-1981 (पूर्वा.) से अस्थायी सहायक क्रय अधिकारी के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द. रॉ.-35-880-40-1000-द. रॉ.-40-1200/- के वेतन क्रम में अग्रिम आदेशों तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त किया है।

के. पी. जोसफ  
प्रशासन अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 24 नवम्बर 1981

सं. प. ख. प्र. 1/37/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री जुगल कुमार

वाश को परमाणु खनिज प्रभाग में 23 नवम्बर, 1981 के पूर्वार्द्धन से अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 नवम्बर 1981

सं. प. ख. प्र.-1/1/81-भती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री सत्य देव राय को परमाणु खनिज प्रभाग में 18 नवम्बर, 1981 के अपराह्नन से अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 नवम्बर 1981

सं. प. ख. प्र.-1/1/81-भती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री राजेन्द्र प्रसाद बलवान को परमाणु खनिज प्रभाग में 13 नवम्बर, 1981 के पूर्वार्द्धन से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 नवम्बर 1981

सं. प. ख. प्र.-1/7/79-प्रशासन—इस कार्यालय के दिनांक 21 अगस्त, 1980 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न लेखा-पाल श्री जे. के. शर्मा को उसी प्रभाग में 10-2-1981 से 23-3-1981 तक स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं. प. ख. प्र.-4/2/81-भती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री डी. के. शर्मा, स्थायी प्रारूपकार को उसी प्रभाग में 1 अगस्त, 1981 के पूर्वार्द्धन से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 नवम्बर 1981

सं. प. ख. प्र.-1/1/81-भती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री अभिराम सिंह सक्सेना को परमाणु खनिज प्रभाग में 19 नवम्बर, 1981 के पूर्वार्द्धन से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

म. सु. राव

वरिष्ठ प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपाक्कम-603102, दिनांक 2 नवम्बर 1981

सं. ए. 32013/13/81/11988—निदेशक, रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र ने इस केन्द्र के उन अधिकारियों को जिनके नाम नीचे दिए जा रहे हैं, 1 अगस्त, 1981 से अगला आदेश होने तक के लिए 650-30-740-35-810-ईबी-35-880-40-100-ईबी-40-1200 रुपये के वेतनमान में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

क्रम सं०	नाम	वर्तमान स्थिति
1.	श्री ए० बी० वर्धन	स्थायीवत् सहायक फोरमैन तथा स्थानापन्न फोरमैन

1	2	3
2.	श्री ए० एम० पालानीअप्पन	स्थायीवत् सहायक फोरमैन तथा स्थानापन्न फोरमैन
3.	श्री आर० बेलुस्वामी	स्थायी वैज्ञानिक सहायक (बी०) तथा स्थानापन्न फोरमैन
4.	श्री एन० ईश्वरन	स्थायीवत् सहायक फोरमैन तथा स्थानापन्न फोरमैन।

एस. पद्मनाभन  
प्रशासनिक अधिकारी

अंतरिक्ष विभाग

(सिविल इंजीनियरी प्रभाग)

बंगलौर-560009, दिनांक 24 नवम्बर 1981

सं. 9/58/81-सि. इं. प्र. (मुख्या.)—अंतरिक्ष विभाग में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता तमिलनाडु सरकार के राज्य लोक निर्माण विभाग के सहायक इंजीनियर श्री पी. मुहम्मद मलुक मोहम्मद को प्रतिनियुक्ति पर इंजीनियर एस. बी. के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 9 नवम्बर, 1981 के पूर्वार्द्धन से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

एम. पी. आर. पाणिकर  
प्रशासन अधिकारी-1।  
कुसे मुख्य अभियन्ता

बंगलौर-560009, दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं. 6/2/81-सि. इं. प्र. (मुख्या.)/9428—अंतरिक्ष विभाग, सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता अंतरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में तकनीकी सहायक 'सी' श्री एस. के. अब्दुल जलील को इसी प्रभाग में इंजीनियर 'एस. बी.' के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक अक्टूबर 1, 1981 के पूर्वार्द्धन से आगामी आदेश तक पदोन्नति करते हैं।

एम. पी. आर. पाणिकर  
प्रशासन अधिकारी-1।

इसरो उपग्रह केन्द्र

ए 1-6, पीन्ना औद्योगिक क्षेत्र

बंगलौर-560058, दिनांक 13 नवम्बर 1981

सं. 020/3(061)/क/81—इसरो मुख्यालय के कार्यालय आदेश सं. मुख्या. प्रशा. 4-20(5)-3 दिनांक अप्रैल 15, 1981 के अनुसार तथा विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र, त्रिवेन्द्रम से स्थानान्तरित होने पर श्री के. श्रीनिवासन ने इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में सहायक लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार दिनांक 8 मई, 1981 के पूर्वार्द्धन से ग्रहण किया है।

एस. सुब्रह्मण्यम  
प्रशासन अधिकारी-1।

पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 30 नवम्बर 1981

सं. ए. 32014/4/81-स्था.-1—मौसम विज्ञान के महा-निदेशक भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित व्यावसायिक

सहायकों को उनके नामों के सामने उल्लिखित तिथि से आगामी आदेशों तक इसी विभाग में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

1. श्री टी० के० बसु 27-4-81
2. श्री एल० चक्रवर्ती 15-4-81 दिनांक 4-3-81 से अल्पावधि के लिये स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी पद पर कार्य करने के लिये अनुमत
3. श्री विष्णु सहाय 1-10-81
4. श्री रमिन्द्र मोहन 8-6-81
5. श्री सी० गन्हा 1-10-81
6. पी० सी० वत्स 15-4-81 दिनांक 3-3-81 से अल्पावधि के लिये स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर कार्य करने के लिये अनुमत।
7. जी पी० बी० मञ्जुवार 1-10-81
8. श्री रंगी लाल 11-6-81
9. श्री एस० चार० हलदर 1-10-81
10. श्री मोतीलाल सरकार 1-7-81
11. श्री एस० चार० राय 29-6-81
12. श्री भजन लाल 13-8-81

के. मुखर्जी  
मौसम विज्ञानी (स्थापना)  
कुले मौसम विज्ञान के महानिदेशक

नई दिल्ली-3, दिनांक 26 नवम्बर 1981

सं. ए-12040/1/81-स्था.-1--राष्ट्रपति, श्री एल. आर. मीना को 30 सितम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक भारत मौसम विज्ञान विभाग में मौसम विज्ञानी श्रेणी-2 के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. ए-12040/1/81-स्था.-1--राष्ट्रपति निम्नलिखित को भारत मौसम विज्ञान विभाग में 30 सितम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक मौसम विज्ञानी श्रेणी-2 के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

1. श्री एल. एस. राठौर
2. श्री आर. पी. समुद्ध
3. श्री एस. कृष्णदयाल
4. श्री बृज भूषण
5. श्री बी. मुखोपाध्याय
6. डा. एस. आर. एच. रिजवी
7. श्री बी. एस. जादौन
8. डा. ओ. पी. सिंह
9. श्री वार्ड. ई. ए. राज

एस. के. दास  
मौसम विज्ञान के अपर महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1981

सं. ए-32014/5/80-ई. सी.--महानिदेशक नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, वाशिम के श्री बी. एस.

कट्टरमल, तकनीकी सहायक को दिनांक 5-11-81 (अपराह्न) से सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है और इसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं. ए-38013/1/81-ई. सी.--निदेशक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई के कार्यालय के श्री एम. के. गोर, सहायक तकनीकी अधिकारी ने निवृत्तिन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30-10-81 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

प्रेम चन्द  
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन तथा सीमाशुल्क समाहर्तारिय, उड़ीसा

भुवनेश्वर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

सं. 12-81--सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमाशुल्क के समाहर्तारिय, भुवनेश्वर में स्थापित हुए श्री पुरुषोत्तम साहु, अधीक्षक, दिनांक 31 अक्टूबर, 1981, कोपहर को इस विभाग से अवसर लिये।

सं. 13/81--सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमाशुल्क के समाहर्तारिय, कटक प्रमंडल में स्थापित हुए श्री रामाकांत नाइक, अधीक्षक, दिनांक 31 अक्टूबर, 1981, कोपहर को इस विभाग से अवसर लिये।

पि. एन. खड्गी  
सहायक समाहर्ता (मुख्या.)  
केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमाशुल्क, भुवनेश्वर

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 28 नवम्बर 1981

सं. 2-एस. एच. (1)/80--सर्व लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, राष्ट्रपति श्री महेंद्र सिंह को तारीख 8 जुलाई, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, अस्थायी तौर पर, जल परिवहन विभाग, बम्बई में इंजीनियर और पोत सर्वेक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

एस. एम. ओषाणी  
नौवहन वरिष्ठ उपमहानिदेशक

विधि, न्याय एवं कंपनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

कंपनी विधि बोर्ड, कंपनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय  
कंपनी अधिनियम 1956 और पायनियर सेविंग्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

शिलांग, दिनांक 14 अक्टूबर 1981

सं. जी. पी./1504(560) (3)/2197-98--कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्धित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और फोनो पेंनीस्यर प्राइवेट, लिमिटेड के विषय में।

शिलांग, दिनांक 14 अक्टूबर 1981

सं. जी. पी./1600/560(3)/2201-02--कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के आवसान पर पायनियर सेर्विग्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्णित न किया गया। तां रजिस्टर से काट दिया जाएगा।

एस. आर. कौस  
कम्पनियों का रजिस्टार  
आसाम, शिलांग

कम्पनी अधिनियम, 1956 और "राम मोहन फिल्म प्राइवेट लिमिटेड" के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 26 नवम्बर 1981

सं. 95/560(5)--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना

दी जाती है कि "राम मोहन फिल्म प्राइवेट लिमिटेड" का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बी. कोटेश्वर राव  
कम्पनियों का रजिस्टार  
पांडिचेरी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 रामकृष्ण एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1981

सं. 422/टी. ए. आई./560--कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि रामकृष्ण एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

वि. एस. राजू  
कम्पनियों का रजिस्टार  
आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट  
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 1 दिसम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ.आ/एक्सीजीशन-2/एस-आर-1/3-  
81/7510—चूँकि मैं, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 7976 है एवं जो मोहला शेखन, बारा हिन्दू  
राव, में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनु-  
सूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16वाँ) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में  
दिनांक मार्च 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्ट कन्सीडर-  
शन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार,  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हाफिज उल्लाह गफिक उल्लाह, जमिन उत रहमान  
सुपुत्र सरीयत उल्लाह, श्रीमती अशिया बेगम विधवा  
पत्नी सरीयत उल्लाह 6544, 7974, बारा हिन्दू  
राव दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद नफिज सुपुत्र हाफिज उल्लाह, 7976,  
मोहला शेखन, बारा हिन्दू राव, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 7976, मोहला शेखन, बारा हिन्दू राव, दिल्ली।

विमल विशिष्ट  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 1-12-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्टरप्रस्थ स्टेट  
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/4283—चूंकि मैं विमत विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 62, है एवं जो राजांरी गाडन में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुच्छेद में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्गीकृत:—

1. श्री राम किशन हुन्डा सुपुत्र एल. श्री बिटा मल, निवासी-जे-5/62, राजांरी गाडन, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री हरकिशन लाल सभरवाल, सुपुत्र लक्ष्मण दास निवासी - 16/1022, मेन आर्या समाज रोड, करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

अतः यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 62, ब्लॉक जे-5, राजांरी गाडन, नई दिल्ली।

विमत विशिष्ट

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 19-11-1981

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, "एच" ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थे स्टेट  
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संवर्ध 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2-3-81/4296—बूकिंग में विमल विशिष्ट,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. कृषि भूमि है एवं जो ग्राम-होलम्बी कला,  
में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी की दिल्ली स्थित  
कार्यालय में दिनांक मार्च 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा-  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री ओम प्रकाश, हरी प्रकाश और जय भगवान,  
सुपुत्र मलखान, निवासी-ग्राम और पो. होलम्बी कला  
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. चौ. केंहर सिंह सुपुत्र सालीग राम निवासी-  
ग्राम - शाहपुर, गढ़ी, पोस्ट-नरैला, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30-दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के 20-क में पारिभाषिक है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि-ग्राम-होलम्बी कला, दिल्ली।

विमल विशिष्ट  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 19-11-1981

सोहर :



प्रमुख आई. टी. एम्. एच.-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट  
 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्सीजीशन-2/एस-आर-2/3-  
 81/4301—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ब्लॉक अलीपुर में स्थित  
 है जिनका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया  
 गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के  
 अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च,  
 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्ट कन्सीडरेशन) पर  
 हस्ताक्षरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
 (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
 विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत उक्त अधि-  
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
 कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :-

1. श्री सच्चा नन्द, सुपुत्र माया राम, निवासी 4/12,  
 इन्द पटेल नगर, नई दिल्ली।  
 (अन्तरक)

2. श्री शाम लाल गायल सुपुत्र बंशी राम, निवासी  
 17/16, शक्ति नगर, दिल्ली  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
 को तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ब्लॉक अलीपुर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981  
 मोहर :-

प्रारूप आर्. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्जीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/4312--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में. सी-13-ए, है एवं जो न्यू मुल्तान नगर, मेन रोहतक रोड में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

(फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री देवी दास सरवाना पत्नी श्री नंधू राम सरवाना, निवासी-नं. 963, फरास खाना, दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री जय कुमार गोयल, सुपुत्र मौजी राम, निवासी 7055, गली टंकी वाली, पहारी धीरज, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना का तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. सी-13/ए, न्यू मुल्तान नगर, मेन रोहतक रोड, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, "एच" ब्लोक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट,  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्सीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7633—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है  
और जिसकी संख्या 662 (पुरानी) 1863 (नई) है, एवं जो  
चीरा खाना, मालीवारा, वाड नं. 5 में स्थित है (जिसकी अधिक  
विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया) को पंजीकरण अधि-  
नियम, (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के  
दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल  
(अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तांतरित कर दी गई है।  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित अनुबन्ध से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:

(1) श्रीमंदर कुमार एलीयस श्रीमंदर सिंह, एलीयस  
मूना बाबू एलीयस कान्ती कुमार संपन्न एल. सरदार  
सिंह निवासी-इन्दीरा स्पाइनींग एण्ड लीविंग प्रिन्स  
जीवन मंडी, आगरा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शालीनी रमिया पत्नी शान्ती कुमार रमिया,  
निवासी 1863, चांग खाना, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 662 (पुरानी) 1863 (नई), चीरा खाना, दिल्ली,  
वाड-5, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981  
मोहर :

प्रमाण आहूति: टी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट,  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-  
81/7690--चूँकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 3618 है, एवं जो चावरी बाजार, वाड नं.  
6, में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन पंजीकरण अधिकरण के दिल्ली कार्यालय में दिनांक  
मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर  
हस्तांतरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था रिपार्ते में  
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री पवन कुमार सुपुत्र सुमन चन्द एण्ड अदर्स,  
निवासी-राशन महल, मोहला मेप अतूवालन-पानीपत,  
करनाल।

(अन्तरक)

(2) श्री लाल चन्व सुपुत्र कांशी राम खुराना एण्ड अदर्स,  
निवासी-मकान नं. 2, सीलवर पार्क, शिवपुरी,  
कृष्ण नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योक्ताक्षरी के  
द्वारा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, प्रही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 3618, चावरी बाजार, वाड नं. 6, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, "एच" ब्लोक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट,  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संवर्ध-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7626--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/ रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 981-982 है, एवं जो राजावाली गली, फरास खाना, में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इसने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तांतरित कर दी गई है को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

3-376GI/81

(1) श्री एल. श्री कृशन गुप्ता सुपुत्र पीयारं लाल गुप्ता एण्ड अदर्स, निवासी 982, राजा वाली गली, फरास खाना, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मखन लाल पीयारं लाल, एच-यू-एफ, कर्ता राम अवतार गुप्ता एण्ड अदर्स, निवासी-981, राजा वाली गली, फरास खाना, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 981-982, राजा वाली गली, फरास खाना, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक 19-11-1981  
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लोक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट,  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्जीजीशन-2/एस-आर-1/3-  
81/7615—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 13-ए है, एवं जो कूतब रोड फ्लेट, दिल्ली  
में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में  
दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्टेड कन्सी-  
डरेशन) पर हस्तांतरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:-

(1) श्री सुरीन्द्र कुमार पाल सुपुत्र राम वास पाल,  
निवासी-2-सी/29, नई रोहतक रोड, नई  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जैन कुमार जैन, सुपुत्र छोटे लाल, निवासी-  
4799, डीपूटी गंज, सदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

फ्लेट नं. 13-ए, प्रथम मंजील, कूतब रोड, फ्लेट, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक 19-11-1981  
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, 'एच' ब्लोक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट,  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7809—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी संख्या 2453, वाड-5, है एवं जो मोहला नई  
वारा, चावरी बाजार, में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत  
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया) को पंजीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी को  
दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रति-  
फल (अपारट कन्सीडरेशन) पर हस्तांतरित कर दी गई है  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्री विर सिंह सुपुत्र जीता सिंह, निवासी-2565,  
मोहला नई वारा, चावरी बाजार, दिल्ली।  
(अन्तरक)
- (2) श्री तारा चन्द भां, एण्ड अदर्स सुपुत्र श्री राम प्रसाद  
भां, मकान नं. 2453, मोहला नई वारा, चावरी  
बाजार, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 2453, वाड नं. 5, मोहला नई वारा, चावरी  
बाजार, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981  
मोहर :

## प्रकरण 269-ग डी.एन.ए.ए.ए.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, "एच" ब्लोक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट,  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/  
3-81/7555—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.  
से अधिक है

जिसकी संख्या 843-44 है एवं जो कटरा घी, नाहर सदत  
खान, दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया) को पंजीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण  
अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को  
इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तांतरित  
कर दी गई है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्री विजय कुमार जयपुरीया सुपुत्र एल. श्री  
चिरंजी लाल जयपुरीया, निवासी 340, नया  
कटरा, चान्दनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती माया देवी पत्नी सूरज भान और अदर्स  
निवासी 1938, कटरा सुबेदार खान, लाल  
कूआ, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संकेत नं. 843-44, कटरा घी, नया खेतखान दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981

मोहर



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेटे  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/  
3-81/7490--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
जिसकी संख्या 841-842, वाड नं. 3 है एवं जो कटराधी,  
नहर सवत खान, दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत  
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया) को पंजीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण  
अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को  
इतने प्रकट प्रतिफल (अपारट कन्सीडरेशन) पर हस्तांतरित  
कर दी गई है।

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री विजय कुमार जयपुरीया सूपुत्र सेठ श्री  
चौरंजी लाल जयपुरीया, निवासी 340, नया  
कटरा, चान्दनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सूरज भान सूपुत्र राधे किशन, निवासी  
1038, लाल कुआ कटरा सुबेदार खान, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 841-842, वाड नं. 3, कटरा घी, नहर  
सदत खान, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981

मोहर :-

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/  
3-81/7617---चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
जिसकी संख्या 309, 309-ए है एवं जो कर्ता गौरी  
शंकर, चान्दनी चौक में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत  
संलग्न अनुसूची में दिया गया) को पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी  
के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने  
प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर  
दी गई है  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बनारसी दास, सुपुत्र कन्हैया लाल, निवासी  
421, हवेली हँवर कुली, चान्दनी चौक,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरन माला, पत्नी तनू लाल, निवासी  
2/3, वरीया गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 309 और 309-ए, कर्ता मन्सी गौरी शंकर,  
चान्दनी चौक, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, "एन" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एकवीजीशन-2/एस-आर-1/  
3-81/7507—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है।  
जिसकी संख्या 11568 है एवं जो शक्ति नगर में स्थित  
है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया  
गया) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में  
दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट  
कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है।  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्री आर. पी. शर्मा, सुपुत्र पं. राम चन्द,  
निवासी 36, श्रीनगर कालोनी, दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री जय राम शर्मा, सुपुत्र पं. उदय सिंह एण्ड  
अदर्स, निवासी ग्राम खर्का, जिला रोहतक,  
हरियाणा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

सं. 11568, शक्ति नगर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981  
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एकवीजीशन-2/एस-आर-1/  
3-81/7575—चूँकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

जिसकी संख्या 1892 है एवं जो चान्दनी चौक में स्थित  
है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया  
गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)  
के अधीन पंजीकरण अधिकारी की दिल्ली कार्यालय में  
दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट  
कन्सीडरेशन) पर हस्तांतरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री किर्ती प्रसार, निवासी 51, फ्रेन्ड्स कालोनी,  
नई दिल्ली।

(हस्तांतरणकर्ता)

(2) श्री सुखवीर सरण अग्रवाल, एच. यू. एफ. 2003  
निवासी, कर्ता लछू सिंह डा. मैन रोड, फाउन्टेन  
रोड, दिल्ली।

(हस्तांतरणकर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्यूनिसीपल नं. 1892, चान्दनी चौक, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 12-11-1981  
मोहर

प्रकृष आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संवर्ध 3 नि. स. आ. आ./एकवीजीशन-2/एस-आर-1/  
3-81/7498—घौक में, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

जिसकी संख्या 5005 से 5008 है एवं जो वाड नं. 41,  
कच्चा रहमान, चान्दनी चौक में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत  
संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी  
को दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को हतने  
प्रकट प्रतिफल (अपारट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर  
दी गई है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की भावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भूमिक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:-  
4-376GI/81

(1) अबदुल मजीद, 5412, कच्चा रहमान, चान्दनी  
चौक, दिल्ली।

(2) मास्टर लोगी ओली बी, मेहफुबुद्दीन सुलाउद्दीन,  
2351, श्रावज मस्जिद, दिल्ली।

हस्तांतरणकर्ता

(हस्तांतरणकर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

म्युनिसीपल नं. 5005 से 5008, वाड नं. 41, कच्चा  
रहमान, चान्दनी चौक, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/  
3-81/7577--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

जिसकी संख्या 1892 है एवं जो चान्दनी चौक में स्थित  
है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया  
गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)  
के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली कार्यालय में  
दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट  
कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती अन्नपूर्णा बेदी पत्नी राम परसाद, निवासी  
81, फ्रेंड्स कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुखवीर सरण अग्रवाल, निवासी 2003,  
कती लछू सिंह डा. सेन रोड, फाउन्टेन रोड,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रचलन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
वृत्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्घस्ताशरी  
के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्युनिसीपल नं. 1892, चान्दनी चौक, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 12-11-1981  
मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्टरस्टेड स्टेट  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/  
3-81/7608—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी संख्या 437/487, वाड नं. 3 है एवं जो कटरा  
इस्वर भवन, खारी बावली दिल्ली में स्थित है जिसका अधिक  
विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण  
अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981  
को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारट कंसीडरेशन) पर हस्तान्तरित  
कर दी गई है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के दायित्व के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

(1) श्री काशी राम एडवोकेट सुपुत्र श्री नन्दू मल और  
अवर्स, निवासी 185, वाड नं. 10, मोहला  
दमदमा, झाजर, रोहतक, हरियाणा।  
(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुमार गुप्ता सुपुत्र श्री बंगराज गुप्ता,  
निवासी 27/26, शक्ति नगर, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथोद्देश्यकारी के पास  
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

म्युनिसीपल नं. 437/487, कटरा इस्वर भवन, खारी  
बावली, वाड नं. 3, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक 16-11-1981  
मोहर :

प्रभु भार्गव, टी. एन. एस.-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-  
81/7578--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 1892, है एवं जो चान्दनी चौक, में स्थित  
है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया  
गया का पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के  
अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च,  
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
की अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती रजनी प्रसाद, निवासी-51, क्रैन्ड  
कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक

(2) श्री सुखवीर सरण अग्रवाल एच. जे. यू. - एफ.  
निवासी-2003, कर्ता लछु सिंह डा. सेन रोड  
फैन्टेन, दिल्ली।

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धात्री:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया  
गया है।

अनुसूची

म्युनिसीपल नं. 1892, चान्दनी चौक, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-11, नई दिल्ली

तारीख 12-11-1981  
मोहर :



प्रकरण आई. टी. एच. एच.—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-11, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट  
नई दिल्ली  
दिनांक 19 दिसम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-  
81/7616—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सहायक आयकर अधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं. 11/2805, है एवं जो कूचा बेलन, दरिया  
गंज, में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न  
अनुसूची में दिया गया का पंजीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली  
कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
कमजोर का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उक्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात्  
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री राम मारण दास श्रुमन् श्री दत्ता राम  
निवासी 2804, कूचा बेलन, दरिया गंज, दिल्ली  
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रेम लता त्रिपाठी पत्नी राज किशोर त्रिपाठी,  
निवासी-2805, कूचा बेलन, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादोप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि लम्बी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदितकारी के  
पक्ष लिखित में किष्ट जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, बड़ी धरणी होगा जो इस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 11/2805, कूचा बेलन, दरिया गंज, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-11, नई दिल्ली

तारीख : 19-11-1981  
सिद्धर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेटे  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

सं.-3 नि. सं. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-  
81/4310—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. एच-93/1, है एवं जो शिवाजी पार्क, ग्राम-  
मादीपुर, दिल्ली में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली  
कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सरदारी लाल मेहरा सुपुत्र शाम दास मेहरा,  
सी/ओ-सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया, पठानकोट,  
पंजाब।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला यती सधदेवा, पत्नी कृशन चन्द  
सधदेवा निवासी, एच-93/1, शिवाजी पार्क,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं. एच-93/1, शिवाजी पार्क, ग्राम-मादीपुर  
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-11, नई दिल्ली

तारीख : 19-11-1981  
साहू :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रज-11, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/4311—धुंकि में, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 6187 से 6189, वाड-12, प्लॉट नं.-3, एवं जो ब्लॉक-एफ, कमला नगर, एस/मंडी, में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च 81 को दत्तने प्रकट प्रतिफल (अपार्टमेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बाधित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :-

(1) श्रीमती महारानी देवी पत्नी हुन्मान गीरी, नं., डी-43, कमला नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्दर सिंह सुपुत्र सरूप सिंह निवासी-8/5, सिंह सभा रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयुक्त होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिसीप नं. 6187 से 6189, वाड नं. 12, प्लॉट नं. 3, ब्लॉक 'एफ' कमला नगर, एस/मंडी, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रज-11, नई दिल्ली

तारीख : 19-11-1981  
माहुर :

अर्थ-डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संवर्ध-3 नि. स. आ. आ./एकीजीशन-2/एस-आर-1/3-  
81/7538—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इतने  
इन्ते पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, प्रिवका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 3/7, है एवं जो वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली  
में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में  
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)  
के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली कार्यालय में दिनांक  
मार्च 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्टमेंट कम्प्लेटोरेशन) पर  
हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्तमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वृत्तमान प्रतिफल से, ऐसे वृत्तमान प्रतिफल का  
पञ्चद्व प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यतिरिक्त में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्रीमती राम धारी बेहगल, विधवा पत्नी श्री  
बुन्नीलाल बेहगल, लेडी प्रो. नं. 3/7, वेस्ट पटेल  
नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री किशन चन्द सुपुत्र छांगों मल, निवासी-सी-37,  
वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखे—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास  
लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त अर्थों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 28-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 3/7, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-11, नई दिल्ली

तारीख : 19-11-1981  
सोहर 3

प्रकृप् आई० टी० एन्० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-  
81/7567--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 3499, है एवं जो फौज बाजार, दरिया  
गंज, दिल्ली में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली  
कार्यालय में दिनांक मार्च 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट  
कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

इतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:--  
5-376GI/81

(1) श्री के. के. शर्मा, एलीयास किशन कुमार सपूत्र  
ओम प्रकाश, निवासी-3491, कूँचा लालमन,  
दरिया गंज, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राधा देवी पत्नी किरपा शंकर शास्त्री,  
निवासी-255, दिल्ली गेट, दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 3499, कूँचा मेन, फौज बाजार, दरिया गंज,  
नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, नई दिल्ली

तारीख : 19-11-1981

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेड  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7554--चूँकि मैं, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. 2115, 2116, 2117 है एवं जो चाह इन्दरा, जुबली सिनेमा नई दिल्ली में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च-1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री सीरी राम शर्मा, निवासी-डी. सी. एम. क्वार्टर नं. 5, बारा हिन्दू राव, दिल्ली (अन्तरक)

(2) मिस आशा कुमारी अग्रवाल, निवासी-2003, कटरा लछू सिंह, फाँन्टेन दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्यूनिसीपल नं. 2115, 2116 और 2117 चाह इन्दरा, जुबली सिनेमा, दिल्ली।

विमल विशिष्ट  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-11, नई दिल्ली

तारीख : 12-11-1981  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-  
81/7644-ए—शूँकि में, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है :

और जिसकी संख्या बी-82, 90/100 है एवं जो वजीरपुर  
इन्डस्ट्रीयल एरिया दिल्ली में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत  
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है की पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के  
दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च-81 को इतने प्रकट प्रतिफल  
(अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री इकबाल नाथ, सुपुत्र श्री दीना नाथ, बी-82,  
वजीर पुर इन्डस्ट्रीयल एरिया, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला देवी, पत्नी सुरज भान, निवासी-  
कोठी नं. 15, रोड नं. 6, पंजाबी बाग, दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

90/100, प्लॉट नं. 82, वजीपुर, इन्डस्ट्रीयल एरिया,  
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-11, नई दिल्ली

तारीख : 12-11-1981  
मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, 'एस' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-  
81/4323--बुकिंग में, जिसमें वसिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम-होलम्बी खुर्द,  
में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया है की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी दिल्ली कार्यालय में  
दिनांक मार्च-81 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारट कन्सीडरेशन)  
पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) श्री राम पत और मृगशी सपुत्र जीत राम, ग्राम-होलम्बी  
खुर्द, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जीत कौर परनी महिपाल सिंह, निवासी-  
ग्राम-अलीपुर, दिल्ली

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम-होलम्बी खुर्द, दिल्ली।

विमल वसिष्ठ  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-11, नई दिल्ली

तारीख : 19-11-1981  
मोहर :



## प्रारूप भाई : टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-  
81/7597—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 6514, सोप नं. 2, वाड-12, एवं जो  
कमला नगर, में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली  
कार्यालय में दिनांक मार्च-81, को इतने प्रकट प्रतिफल (अपा-  
रेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती पद्मा पंजाबी पत्नी श्री ओम प्रकाश पंजाबी,  
निवासी-1870-बी, श्रीनगर, दिल्ली  
(अन्तरक)
- (2) श्री राजेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री हरी शंकर, निवासी-  
88-ए, कमला नगर, दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
ग्रह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

सोप नं. 2, पी. नं. 6514, वाड-12, कमला नगर,  
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-11, नई दिल्ली

तारीख : 19-11-1981  
सोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रंज-11, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेटे  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-  
81/7576—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1892, है एवं जो चान्दनी चौक, में स्थित  
है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया  
गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के  
अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च-  
81, को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्टमेंट कन्सीडरेशन) पर  
हस्तान्तरित कर दी गई है

को प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:

(1) श्री महावीर प्रसाद, निवासी-51, फेन्डस कालोनी,  
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

(2) श्री सुखवीर सरण अग्रवाल एच-यू-एफ, निवासी-  
2003, कर्ता लछु सिंह फाउन्टेन, दिल्ली

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

म्युनिसीपल नं. 1892, चान्दनी चौक, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रंज-11, नई दिल्ली

तारीख : 19-11-1981  
माह :

प्रकृष्ट आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-  
81/4336—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम-पालम, किला  
नं. 3 और 4, में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को नई दिल्ली  
कार्यालय में दिनांक मार्च-81, को इतने प्रकट प्रतिफल अपा-  
रेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

का पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री जग लाल और जय लाल सुपुत्र गोवर्धन, निवासी-  
ग्राम पालम, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री रणजीत कुमार डेय, सुपुत्र एल. सी. एच. डे,  
निवासी-11/6, मालविया नगर एक्स., नई  
दिल्ली

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि किला नं. 3 और 4, ग्राम-पालम, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-11, नई दिल्ली

तारीख : 19-11-1981  
गोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री राम धारी सुपुत्र जेत राम, ग्राम और पोस्ट टिकरी कलान, दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सीता देवी परती इश्वर सिंह, निवासी डब्ल्यू. जेड.-1817, मुल्तानी मोहल्ला, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

संवर्ध 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/4376--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, कि धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम टिकरी कला में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम टिकरी कला, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन इन्ज-11, "एच" ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एकवीजीशन-2/एस-आर-2/  
2-81/4324--चूँकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अन्तर्गत अधिनियम के अन्तर्गत सूचना देने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम होलम्बी खुर्द में  
स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16वाँ) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय  
में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्टमेंट  
कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
धन से कौन्थत नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-  
:-376GI/51

(1) श्री राम पाल और मंशी सुपूत्र जीत राम, ग्राम  
होलम्बी खुर्द, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री महिपाल सिंह सुपूत्र धरम सिंह, निवासी  
ग्राम जूलीपुर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम होलम्बी खुर्द, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन इन्ज-2, नई दिल्ली

दिनांक 19-11-1981  
सोहर 2

रूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/  
3-81/4325—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है और

जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम होलम्बी खुर्द में  
स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली कार्यालय  
में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्टमेंट  
कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री राम पाल जीर मुंशी सुपुत्र जीत राम, ग्राम  
होलम्बी खुर्द, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस. जोगीन्दर सिंह सुपुत्र राम पत और  
रोहताश सिंह सुपुत्र मुंशी राम, निवासी होलम्बी  
खुर्द, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम होलम्बी खुर्द, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981  
माहुर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) को अधीन सूचना

### प्रारूप सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रजि., "एच." ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/  
3-81/4367--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.  
से अधिक है और

जिसकी संख्या डब्ल्यू. जेड. 125-ए है एवं जो नारायणा,  
दिल्ली राज्य में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी  
को दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट  
प्रतिफल (अपार्टमेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई  
है को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
क्रम से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री मोहर चन्ध सुपुत्र बिन्दा मल, निवासी—शेरे  
पंजाब मार्केट, पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्री जी. एस. भाटीया सुपुत्र एच. एस. भाटीया,  
डी-26, नारायणा विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

संकेत नं. डब्ल्यू. जेड. 125-ए, नारायणा, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रजि-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981  
मोहर :

प्रकट भाई. टी. ए. ए. ए. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्टरस्टेड स्टेट  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संवर्ध 3 नि. स. आ. आ./एक्जीक्यूशन-2/एस-आर-2/  
3-81/4358—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है और

जिसकी संख्या प्लॉट नं. 25/6 है एवं जो तिलक नगर,  
नई दिल्ली में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी  
को दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट  
प्रतिफल (अपार्टमेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई  
है

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल में, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक द्वारा हस्ताक्षरों के  
आवृत्ति को नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय को भारत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक को बायिल्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्तियों—

(1) श्री धर्मन लाल और श्री. ए. श्रीमती सीता रानी  
सेठी, निवासी 23/76-बी, तिलक नगर, नई  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा रानी पत्नी सुभाष चन्वर,  
निवासी 17/41-ए, तिलक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के  
पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये  
गये हैं।

अनुसूची

प्लॉट नं. 25/6, तिलक नगर, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रॉज-2, नई दिल्ली

दिनांक 19-11-1981  
गोहर 3



राज्य आई. टी. एच. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन एंज. "एच." ब्लॉक, विकास भवन, इन्टरस्टेड्ड ब्लॉक  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एकीजीशन-2/एस-आइ-2/  
3-81/4364—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है और

जिसकी संस्था कृषि भूमि है एवं जो ग्राम होलेम्बी खुर्द में  
स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली कार्यालय  
में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट  
कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूरस्थान जोड़ने में, एवं दूरस्थान प्रविष्टि का  
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए  
नव पाया गया प्रविष्टि, निम्नलिखित उद्देश्य है उक्त अन्तरक  
प्रविष्टि में वास्तविकता से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी धाय की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
सापेक्ष में कम करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 29)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाता चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति/व्यक्तियों, अर्जुन एंज.—

(1) श्री शेर सिंह एलीयस शेर सुपुत्र जगन, निवासी  
ग्राम होलेम्बी खुर्द, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मृषी राम और रामपत सुपुत्र श्री जीत राम,  
निवासी ग्राम होलेम्बी खुर्द, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्रवाई कराई जा रही है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जिसका  
किसी धर्म व्यक्ति द्वारा यथापूर्वोक्त तरीके के पास  
लिखित में किए जा सकें।

संज्ञाकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 26-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम होलेम्बी खुर्द, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन एंज.-2, नई दिल्ली

दिनांक 19-11-1981

अर्जुन एंज.

प्रारूप आदेश टी. एन. एस. 544/81-82

1. श्री अबुबेकर

(अंतर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री जिकू एस.क.

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, एरणाकूलम, कोच्चिन-16

एरणाकूलम, दिनांक 16 नवम्बर 1981

निवेश सं. एल. सी. 544/81-82—यतः मुझे,  
टी. जेड. माणि,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है और  
जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, निक्काकरा सेक्कू  
में स्थित है (और इससे उपाध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एडम्पल्लि में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
26-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना जाति है, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुमोदित

19.229 cents of land in Sy. No. 637/5 of Puttampallipuram  
Kare Thukkakare Thekku Pakutty of Kanayannor Taluk.

टी. जेड. माणि  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, एरणाकूलम

तारीख : 16-11-1981  
मोहर

प्रत्यक्ष भाषा: टी. एन. एस.—

1. श्री ए. एम. करीम।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री जिवकू. एसक।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

अर्जन रोज, एरणाकुलम, कोरिप्पन-16

हरणाकुलम, दिनांक 16 नवम्बर 1981

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं. एल. सी. 545/81-82—यतः मुझे, टी. जेड. माणि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो निष्काकरा तस्करी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एडम्पल्लि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-3-81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कथित से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भव या जन्म श्राद्धियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

20 cents of land in Survey No. 637/5 of Puthupallipuram Kara, Thrikkakara Thekkumpakutty of Kanayannoor Taluk.

टी. जेड. माणि  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, एरणाकुलम

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधोहस्ताक्षर:—

तारीख : 16-11-1981  
मोहर :

प्रकरण आई.टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निरदेश सं. 111/अर्जन/81-82—वतः, मुझे, हृदय नारायण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जो जिसकी सं. राजी सं. 5854, थाना सं. 17, छाता सं. 174 खेसरा सं. 414 है तथा, जो सिकन्दरपुर महाल रुस्तमपुर शाहपुर थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची और में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय दानापुर में रजिस्ट्रीकरण

का 16) के अधीन तारीख 19-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच देने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के लिखित में कमी करने या उनसे वजन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी जन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विमला जायसवाल जीजू श्री लालजी जायसवाल निवासी साकिन गामतल, दानापुर, थाना दानापुर जिला पटना।

(अन्तरक)

2. गुप्ता ट्रेडर्स थुं बन आफ दी डायरेक्टर श्री कृष्ण भगवान गुप्ता बल्द श्री सोहन लाल जी गुप्ता निवासी साकिन 210 पाटलीपुत्रा कालोनी, पञ्चालय-पाटलीपुत्रा कालोनी, जिला-पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदनुबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो वे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पत्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 22 डीसमल जो मोजा सिकन्दरपुर महाल रुस्तमपुर थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है तथा पूर्णरूप से बसिका संख्या 1144 दिनांक 14-3-1981 में वर्णित है एवं जिसका निबंधन अब निबंधक पदाधिकारी दानापुर द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रोज, बिहार, पटना

तारीख: 20-11-1981

सिद्धांत

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निर्देश सं. 111/523/अर्जुन/81-82—अतः, मुझे, हृदय  
नारायण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. ताजी सं. 5854, थाना सं. 17, खाता सं.  
174 खेसरा सं. 414 है तथा, जो सिकन्दरपुर महाल रुस्तमपुर  
शाहपुर थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता-अधिकारी के  
कार्यालय दानापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 3-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-376GI/81

1. श्री शंकर-दास मोहता-बल्द-स्व. श्री नारायण मोहता  
निवासी साकिन गांव तल तरकरिया बाजार दानापुर  
पन्नालय-दीधा, जिला पटना।

(अन्तरक)

2. गुप्ता ट्रेडर्स थुं वन आफ दी डायरेक्टर श्री कृष्ण  
भगवान गुप्ता बल्द श्री सोहन लाल जी गुप्ता निवासी  
साकिन 210 पाटलीपुत्रा कालोनी, पन्नालय-पाटलीपुत्रा  
कालोनी, जिला-पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर संपत्ति में हस्तान्तरण  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अमीन का रकबा 22 डीसमल जो गाँवा सिकन्दरपुर महाल  
रुस्तमपुर शाहपुर थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है तथा  
पूर्णरूप से बसिका सं. 924 दिनांक 3-3-1981 में वर्णित है  
एवं जिसका निबंधन अब निबंधक पदाधिकारी दानापुर द्वारा  
सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रॉज, बिहार, पटना

तारीख : 20-11-1981

मोहर :

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

प्रायः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 16 नवम्बर 1981

निर्देश सं. ए. पी. नं. 2829—यतः, मुझे, जे. एस. आहलूवालिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव अंगी, ताहि. नकोदर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपावर्तित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उचित प्रतिफल में प्रविष्ट है और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रयुक्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जगदीश्वर सहाय पुत्र जवाला सहाय वासी गांव अंगी, ताहि. नकोदर। (अन्तरक)
2. श्री बचन सिंह पुत्र सुदागर सिंह वासी गांव अंगी, ताहि. नकोदर। (अन्तरिनी)
3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में है। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रजि. रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—यसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3143 दिनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

जे. एस. आहलूवालिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रॉज, जालंधर

तारीख : 16-11-1981  
मोहर :

प्ररूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निर्देश सं. ए. वी. 2830—यतः, मुझे, जे. एस. अहलु-  
वालिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव  
किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नीलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कांथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हरबीर सिंह राजबीर सिंह पुत्र जोगिन्दर सिंह  
जोगिन्दर सिंह पुत्र विष्णु सिंह व बेअंत कौर पत्नी  
जोगिन्दर सिंह, वासी गार्डन कालोनी, जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हरमिंदर गिल पत्नी गुरविन्द सिंह व गुरविन्द  
सिंह गिल पुत्र सिंगारा सिंह, वासी, 429-मोता  
सिंह नगर जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 8054 दिनांक मार्च  
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. अहलुवालिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, जालंधर

तारीख : 13-11-1981  
मोहर :

प्रकरण-आई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन-सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

मिशन नं. ए. पी. 2831—यतः मुझे, जे. एस.  
आहलवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
गांव किंगरु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

प्रतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. हरबीर सिंह राजबीर सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह व  
जोगिन्द्र सिंह पुत्र विशन सिंह व अंतकौर पत्नी  
जोगिन्द्र सिंह वासी गार्डन कालोनी-जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार धीर पुत्र दीवान गुरचरण दास,  
आज्ञा सिंह पुत्र हुक्म सिंह, 429-मोता सिंह नगर  
जालंधर व उधमचंद पुत्र मंगत राम वासी 104/5,  
प्रीत नगर, लाडोवाली रोड जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 8241, दिनांक मार्च  
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज जालंधर

तारीख : 13-11-1981  
मोहर :



प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2832—यतः मुझे, जे. एस.  
आहलवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार-मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
गांव किंगरु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम्में, दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चगु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री हरबीर सिंह राजबीर सिंह पुत्र जोगिन्द्र व जोगिन्द्र  
सिंह पुत्र बिबान सिंह व बेंअत कौर पत्नी जोगिन्द्र  
सिंह वासी गाडन कालोनी जालंधर।  
(अन्तरक)
2. श्री राजकिशन पुरी पुत्र हरीकिशन वासी शालीमार  
रोड कपूरथला व श्रीमति गुरबचन कौर पत्नी गुर-  
दयाल सिंह वासी नवी हावेनी, हकीमांगोट, अमृतसर।  
(अन्तरिनी)
3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 8119 दिनांक मार्च  
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज जालंधर

तारीख : 13-11-1981  
मोहर :

प्रकृष भार्. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निबन्ध नं. ए. पी. 2833—यतः मुझे, जे. एस. आहलवालीया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी में, जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो प्रताप कालानी जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को, पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्रीतम सिंह पुत्र वतनसिंह वासी गांव जणिङ्गाला, तहिल : व जिला-जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री सतीश कुमार दत्ता पुत्र प्यारा लाल वासी गांव हदिआबाद, तह. फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7583 दिनांक मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज जालंधर

तारीख : 13-14-1981

माहूर :

प्रारूप आर्क्ष.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2834—यतः मूके, जे. एस. आहलुवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अर्जन बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि एतसूची में लिखा है तथा जो प्रताप कालानी जालंधर में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितियों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिसे जालंधर जिला या जिला में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

1. श्री प्रीतम सिंह पुत्र बलदेव सिंह बामी गांव जगजिआला, तह : जालंधर-जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री अतीश कुमार दत्ता पुत्र प्यारा लाल बामी गांव हदियाबाद, तह: पञ्चवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेज नं. 149, दिनांक अप्रैल 1981 का रजिस्ट्री जालंधर में लिखा है।

जे. एस. आहलुवालीया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज जालंधर

तारीख : 13-11-1981

साहू :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2835—यतः मुझे, जे. एस. आहलुवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव सिंच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाप्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री षसीटा सिंह उर्फ बलविन्द सिंह व बूटा सिंह उर्फ जोगिन्द्र सिंह पुत्र भगत सिंह वासी गांव सिंच तहिल जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र सिंह, सुखविन्द सिंह पुत्र मन्तार सिंह, वासी, गांव सिंच तहिल जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची-

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7910, दिनांक मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलुवालीया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज जालंधर

तारीख : 13-11-1981  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2836—यतः मुझे, जे. एस.  
आहलवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
गांव सिंध में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरक में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तित्वों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

8-376GI81

1. श्री घसीटा सिंह उर्फ बदविन्द सिंह व बूटा सिंह उर्फ  
जोगिन्द सिंह पत्र भगत सिंह वासी गांव सिंध तहिल-  
जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरिन्दर कौर पत्नी कूलतार सिंह,  
वासी गांव सिंध तहिल : जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 8095 दिनांक मार्च  
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख : 13-11-1981

मोहर :

प्ररूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए. पी. 2837---यतः मुझे, जे. एस.  
आहलुवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी में, जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
न्यू विजय नगर जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. श्री कौलाश चंद्र पुत्र हरी किशन वासी 230-आवर्ष  
नगर, जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री अवतार सिंह पुत्र अमीर सिंह गार्फत बी. आर.  
इन्डस्ट्रीज, दादा कालोनी, इन्डस्ट्रीयल एरिया जालंधर  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7652 दिनांक मार्च  
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलुवालीया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, जालंधर

तारीख : 13-11-1981  
मोहर :

प्ररूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2838—यतः मुझे, जे. एस. आहलूवालीया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो परागपुर में स्थित है (और इससे इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री चरन सिंह पुत्र जावन्द सिंह वासी गांव परागपुर, तहिल् व जिला जालंधर।  
(अन्तरक)

2. श्री नाजर सिंह पुत्र सोहन सिंह वासी गांव परागपुर, तहिल् व जिला जालंधर।  
(अन्तरित)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।]

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7419 दिनांक मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलूवालीया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, जालंधर

तारीख : 13-11-1981  
मोहर :

प्रमुख आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2839---यतः मुझे, जे. एस. आहलुवालीया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो परागपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री धरन सिंह पुत्र जावंद सिंह गांव परागपुर तहसील व जिला जालंधर।  
(अन्तरक)
2. श्री जरनैल सिंह, भजन सिंह तथा अवतार सिंह पुत्र भाबर सिंह, वासी गांव परागपुर, तहसील व जिला जालंधर।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7588 दिनांक मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलुवालीया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रॉय, जालंधर

तारीख : 13-11-1981  
मुहूरत



प्रूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2840—यतः मुझे, जे. एस. आहलुवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती परदाद खान जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

1. श्री चमन लाल, सोहन लाल पुत्र बेली राम वासी, बस्ती, पीर दाद खान, जालंधर।

(अन्तरक)

2. एम. एस. विजय रबर इन्डस्ट्रीज, बस्ती नं. जालंधर, मार्फत श्री ओम प्रकाश पार्टनर आफ दी फर्म।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 8319 दिनांक मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलुवालीया  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, जालंधर

तारीख : 13-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2841—यतः मुझे, जे. एस. आहलवालीया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती शेख, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :-

1. श्रीमती सुरिन्दर कौर पत्नी उमराओ सिंह, वासी गांव बडाला, तहिल, जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रनजीत कौर पत्नी मनमोहन सिंह व मनमोहन सिंह पुत्र सोभा सिंह, वासी डब्ल्यू.क्यू 143, बस्ती शेख, जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 8020 दिनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, जालंधर

तारीख : 13-11-1981  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2842—यतः मुझे, जे. एस. आहलुवालीया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती शेख, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का सचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :—

1. श्रीमती सुरिन्दर कौर पत्नी उमराजो सिंह, वासी गांव वडाना, तहिल. जालंधर। (अन्तरक)
2. श्रीमती हरबीर कौर पत्नी मोहिन्दर सिंह, वासी बस्ती शेख, जालंधर। (अन्तरिनी)
3. जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

-अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7422, दिनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलुवालीया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रॉज, जालंधर

तारीख : 13-11-1981  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निवेश नं. ए. पी. 2843—यतः मुझे, जे. एस.

आहलुवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
बस्ती श्रेष्ठ, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राह्य या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
नं. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:--

1. श्री बस्तावर सिंह पुत्र सतनाम सिंह व सुरिन्द्र  
कौर पत्नी उमराओ सिंह व अमरजीत सिंह पुत्र  
उमराओ सिंह, वासी. गांव बडाला, तहिल्.  
जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री बिक्रमजीत सिंह पुत्र जीत सिंह व ससवंत  
कौर पुत्री जीत सिंह, वासी 413, माडल हाउस,  
जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां कइता हूँ।]

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा]

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7423,  
दिनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने  
लिखा है।

जे. एस. आहलुवालीया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, जालंधर

तारीख : 13-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2844—यतः मुझे, जे. एस. आहलुवालीया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 437) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती शेख, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संप्रिण के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9—376GI/81

1. श्री बस्तावर सिंह पुत्र सतनाम सिंह व सूरिन्द्र कौर पत्नी उमराओ सिंह व अमरजीत सिंह पुत्र उमराओ सिंह, वासी गांव बडाला, तह. : जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सतनाम कौर पत्नी हरभजन सिंह, वासी डब्ल्यू. पी. 156, बस्ती शेख, जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7424, दिनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

जे. एस. आहलुवालीया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख : 13-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2845—यतः मुझे, जे. एस. आहलवालीया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी में, जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती शेख, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिलित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री उमराओ सिंह पुत्र बस्तावर सिंह व श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी उमराओ सिंह, गांव बडाला, तह. जालंधर।  
(अन्तरक)
2. श्री बलबीर सिंह, इन्द्रमोहन सिंह पुत्र सजन सिंह, वासी डल्लू. एस. 65, बस्ती शेख, जालंधर।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7421, दिनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख : 13-11-1981  
मोहर :

प्रारूप धारा ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2846—यतः मुझे, जे. एस. आहलूवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती शेख, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा की 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री उमराओ सिंह पुत्र बस्तावर सिंह, वासी गांव बडाला, तहिल्. जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री चरनजीत सिंह, राविन्द्र जीत सिंह पुत्र हरभजन सिंह, वासी डब्ल्यू. पी. 156, बस्ती शेख, जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा दूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7463, दिनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलूवालीया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, जालंधर

तारीख : 13-11-1981  
मोहर :

अनुसूची. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2847—यतः मुझे, आर.

गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के  
कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्---

1. श्री रूप लाल पुत्र बंज माध, वासी गीता मन्दिर,  
नई आबादी, होशियारपुर।

(अन्तरक)

2. श्री बलदेव कुमार पुत्र खरैती राम मार्फत मैसरेण  
नधुराम, खरैती राम, बाल बाजार, होशियार-  
पुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 4908, दिनांक  
मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकरी अधिकारी होशियारपुर में  
लिखा है।

आर. गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, जालंधर

तारीख : 23-11-1981  
मोहर :



## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2852—एतः मुझे, आर.  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
मण्डी अबोहर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच रहे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शेरजंग-पुत्र राम नरैण, गांवें बोगेरां वाली,  
तहि. : फाजिलका।

(अन्तरक)

2. श्री जै किशन पुत्र चाननलाल, वासी मण्डी,  
अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

पठटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं. 3878,  
दिनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में  
लिखा है।

आर. गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रॉज, जालंधर

तारीख : 23-11-1981  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा की

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए० पी. 2863—यतः मुझे, आर. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मण्डी अंबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फाजिलका में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गत है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितीयों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित देश में उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) घन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राजा राम, पिथी राज, कोबल कृष्ण, मोहन लाल पुत्र मोहकम चंद, वासी फाजिलका।

(अन्तरक)

2. श्री हंस राज पुत्र नरैण दास, वासी सुखेरा बस्ती, अंबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 4304, दिनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फाजिलका ने लिखा है।

आर. गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, जालंधर

तारीख : 23-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2879—यतः मुझे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शांसी मरूप पुत्र फकीर चन्द, सुदर्शन कुमारी पत्नी सुरिन्द्र कुमार, वासी मानवीय नगर, नई दिल्ली, श्री नरिन्द्र नाथ, पुत्र फकीर चंद, श्रीमती उषा रावल पुत्री फकीर चंद, रमेश कुमार पुत्र फकीर चंद, वासी गोविन्द गढ़ द्वारा सतिमा मीना पत्नी रमेश कुमार, वासी गोविन्द गढ़, तिहू. अमलोह।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक मुगा, अनिल मुगा पुत्र मनोहर लाल मुगा माफत अम/एस, सलामत राज मनोहर लाल, फिरोजपुर शहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 6975, दिनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर ने लिखा है।

आर. गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालंधर

तारीख : 23-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2880—यतः मुझे, आर.  
गिरधर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
मण्डी अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सोपत राय पुत्र कालू राम, वासी गली नं. 7,  
स्कान नं. 1311, मण्डी अबोहर। (अन्तरक)
2. श्री भीम सैन सचदेवा पुत्र मिलखी राम, वासी  
गली नं. 2, ठाकर आबादी, अबोहर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 4037,  
दिनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर ने  
लिखा है।

आर. गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, जालंधर

तारीख : 23-11-1981

मोहर :

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 नवम्बर 1981

निर्देश सं. 16263—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. 20, पूरम प्रकाश राव रोड, बालाजी नगर  
एक्सटेंशन है तथा जो मद्रास-14 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय मैलापूर (डाकूमंट सं. 451/81)  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
10—376GI/81

(1) पारवती आनंठ राम

(अन्तरक)

(2) राम जी रहिमा वी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के कार्य-  
वाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-20, पूरम प्रकाश राव रोड, बालाजी  
नगर एक्सटेंशन मद्रास-14 (डाकूमंट सं. 451/81)।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-11, मद्रास

तारीख : 17-11-1981  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) मै. जीवनलाल (1929) लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) अन्तर्पलम अस्माल चरिट्टीम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 नवम्बर 1981

निर्देश सं. 103/मार्च/81—यतः मूझे, आर. रवि-  
चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. डोर सं. 18, 19 और 20 है तथा जो  
गोल्लवार अगरहारम रोड, मद्रास-21 (डाकूमेंट सं. 477/  
81) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुरम  
मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, 31-3-1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के भिये अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम्पद् प्रतिफल से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उक्त रकम में मृद्विधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घा या प्रत्येक आस्तियों को  
जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तःकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना गया था ठिपाने में मृद्विधा के लिए;

अनः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में; मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोक्ताधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण, डोर सं. 18, 19 और 20,  
गोल्लवार अगरहारम रोड, मद्रास-21 (डाकूमेंट सं. 477/  
81)।

आर. रविचन्द्रन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रज-1, मद्रास

तारीख : 17-11-1981  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निर्देश सं. 88/मार्च/81—यतः मुझे, आर. रवि-  
चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके अधिनियम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है और

और जिसकी सं. एस. सं. 203/1 (वारड सं. 13) है  
तथा जो मन्नारकोर्ट रोड, साट्टूर (डकूमेंट सं. 792/  
81) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय साट्टूर में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, 30-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ब) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायल में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री. तिममा नरसिममा जागलकशमि वरमा ट्रस्ट  
(अन्तरक)  
(2) श्री एम. एस. रामचन्द्रन  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति \* प्रहंन क  
लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि-वार्ड सं. 13, एस. सं. 203/2, मन्नारकोर्ट  
रोड, साट्टूर-डकूमेंट सं. 792/81)।

आर. रविचन्द्रन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, मद्रास

तारीख : 13-11-1981  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैं तिममा नरसिममा नागलकशमी दम्म ट्रस्ट।

(अन्तरक)

(2) श्री ए. एस. संकरसेवरन।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निर्देश सं. 89/मार्च/81—यतः मुझे, आर. रवि-  
चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. सं. 203/1 (वाड सं. 17) जो  
मन्नारकोट्ट रोड है, जो साट्टूर में स्थित है (और इसमें  
उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय साट्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-3-81  
(डाकूमेट सं. 760/81)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

भूमि, वाड सं. 17, एस. सं. 203/1, मन्नारकोट्ट  
रोड, साट्टूर (डाकूमेट सं. 760/81)।

आर. रविचन्द्रन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, मद्रास

तारीख : 13-11-1981  
मोहर :



मुकुन्द बाबू. टी. एन. एस. -----

1. श्री. तिममा नरसिम्मा नागलक्ष्मी बरम ट्रस्ट।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री. श्री. वेंकटेश्वरा इन्डस्ट्रीस।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निदेश सं. 91/मार्च/1981---यतः मुकुं, आर.  
रविचन्द्रन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
[सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है], की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. सं. 2-डी-3/1, (वाड सं. 13)  
मन्नारकोट्ट रोड में जो साट्टूर में स्थित है (और इससे उपा-  
रुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, साट्टूर (डाकूमंट सं. 729/81) में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 27-3-1981

से पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
न्यून प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, श्री. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(गोड्डैन और भूमि एस. सं. 203/1, वाड सं. 13),  
मन्नारकोट्ट रोड, साट्टूर-डाकूमंट सं. 729/81)।

आर. रविचन्द्रन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, मद्रास

तारीख : 13-11-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, कलाभाई बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, 621 माउन्ट रोड, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 13 नवम्बर 1981

अर्जन रेंज-1, कलाभाई बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, 621 माउन्ट रोड, मद्रास

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं. एस. सं. 203/1, (वार्ड सं. 13), मन्नारकोट्ट रोड है जो साट्टूर (डाकूमेट सं. 753/817 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में रुचि नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी वस्तु या अन्य प्राप्ति, को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै. तिम्मा नरसिम्मा नागसक्कामी वरम ट्रस्ट।  
(अन्तरक)
2. मै. श्री वेंकटेश्वरा इन्डस्ट्रीस।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि - एस. सं. 203/1, (वार्ड सं. 13), मन्नारकोट्ट रोड, साट्टूर-डाकूमेट सं. 753/81)।

आर. रविचन्द्रन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 13-11-1981  
मोहर :

प्ररूप आर्. टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 नवम्बर 1981

निर्देश सं. सी. आर. 62/30407/81-82/ए.सी.व्यू/  
बी.—यतः भूमे, डा. वी. एन. ललितकुमार राव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. 150 है तथा जो इनफन्ट्री रोड, बंगलूर में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर,  
बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 20-3-1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अली अस्कर मिर्झा, इंग्लैंड के रहवासी हैं।  
रप्रेजेंट करते हैं, इनके पी. ए. ब्लॉक-श्री के.  
रहमान खान, चाटर्ड अकाउंटेंट, सं. 200/सी,  
मातवां मैन, तीसरा ब्लॉक, जयनगर, बंगलूर।  
(अन्तरक)
2. मै. सैमा एक्सपोर्ट्स प्रायिवेट लिमिटेड, सं. 135-  
डा. अन्नीबसेंट रोड, बोली बंबई रप्रेजेंट करते हैं  
इसके डायरेक्टर, श्रीमुरेश वी. बोरा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

(वस्तावेज सं. 4477/80-81 ता. 20-3-1981)

संपत्ति जिसका सं. 150 है जिसमें खुला जगह रहने का घर  
कौन्टेजिस, सर्वटैंस क्वाटर्स, औउट बिल्डिंग और अदर  
कन्स्ट्रक्शन्स हैं, तथा जो इनफन्ट्री रोड, डिडिजन सं. 59,  
बंगलूर में स्थित है। चकबन्दी है :—

उ-में इनफन्ट्री रोड।

द-में राज भवन रोड।

पू-में प्रिमीसिस सं.-149।

प-में कार्पोरेशन रोड।

डा. वी. एन. ललितकुमार राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज, बंगलूर

तारीख : 12-11-1981

मांहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 57-राम तीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निर्देश सं. ओ-15/अर्जन-यतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 12/13 है तथा जो सिविल लाइन्स, बरेली में स्थित है (और इससे उपानबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री कृ. वर ओम प्रकाश ।  
श्रीमती प्रभारानी ।

(अन्तरक)

2. मै. धर्मपुर सुगर मिल्स लि. । 13, सिविल लाइन्स, बरेली द्वारा श्री अशोक कुमार गोयल (आयरेक्टर) ।

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरिती ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।।

अनुसूची

भूखण्ड संख्या 12/13 पैगमाइशी 2300 वर्गफिट स्थित सिविल लाइन्स बरेली, तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड एवं फार्म 37-जो संख्या 1986 में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 25-3-1981 को पंजीकृत किये जा चुके हैं ।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, लखनऊ

तारीख : 18-11-1981  
मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 57-राम तीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निर्देश सं. एस-223/अर्जन—अतः, मुझे, अमर सिंह  
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
₹ से अधिक है,

और जिसकी संख्या भूखण्ड है तथा जो रामगो स्टेट के दक्षिण में  
जिला नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैनी-  
ताल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक 11-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीनतः—  
11—376GI/81

1. रमेशचन्द्र मदन एल. मार्गमेट रंगमंगल, आर्ज. बी.  
एम. बी.।
2. श्री शशील मालासन।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
3. उपरोक्त अन्तरिती।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूखंड क्षेत्रफल 550 वर्गमीटर स्थित रामगो स्टेट के दक्षिण  
नैनीताल तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म-37 जो  
संख्या 107 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार नैनी-  
ताल के कार्यालय में दिनांक 11-3-1981 को किया जा चुका  
है।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, लखनऊ

तारीख : 20-11-1981  
मोहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निवेदन सं. चण्डी/361/80-81---यतः, मुझे, सख देव चन्द,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 205 है तथा जो सैक्टर 36-ए,  
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री. कर्नल मोहिन्द्र सिंह मार्फत 170 एम. सी./एम.  
एफ. डिटेचमेंट मार्फत 56 ए.पी.ओ.।

(अन्तरक)

2. डाक्टर (श्रीमती) शान्ता किशोर, एस-28, ग्रेटर  
कैलाश-11, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 205 सैक्टर 36-ए, चण्डीगढ़।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय  
के विलेज सं. 2063 मार्च, 1981 के अधीन दर्ज है)।

सख देव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 19-11-1981  
माहुर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. चण्डी/351/80-81—यतः, मुझे, सुख देव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 2370 है तथा जो सैक्टर 23-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री रोशन लाल जैन सुपुत्र जंगी लाल, निवासी मकान नं. 1167, सैक्टर 21-बी, चण्डीगढ़ माध्यम श्री शिवदेवसिंह निवासी 274, सैक्टर 10-ए चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री मनोहर लाल गखड़ सुपुत्र श्री रोशन लाल माफत में एम. एल. डिपार्टमेंटल स्टोर, एस. सी. ओ. नं. 7, सैक्टर 17ई, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 2370, सैक्टर 23-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1987 मार्च, 1981 के अधीन दर्ज है)।

सुख देव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, लुधियानातारीख : 19-11-1981  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. चण्डी/357/80-81--यतः, मुझे, सूख देव चन्द,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 253 है तथा जो सैक्टर 37-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिभा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री जे. एस. भूलर सुपुत्र श्री बचितर सिंह माध्यम श्री धनश्याम दास सुपुत्र श्री जमुना प्रसाद, निवासी एस. सी. एफ. नं. 25, सैक्टर 7-सी, चण्डीगढ़।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती कविता मेरिया पत्नी सुभाष मेरिया निवासी 519, सैक्टर 15-ए, चण्डीगढ़।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 253 सैक्टर 37-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 2024 मार्च, 1981 के अधीन वर्णित है)।

सूख देव चन्द

मक्षम प्राधिकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 19-11-1981

मोहर :



प्रश्न आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**आयकर अधिनियम**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. लुध/576/80-81—यतः मुझे, मुख वेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. बी-11, 1745 का प्लॉट (1745)  
है तथा जो चौड़ा बाजार, लुधियाना-1 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च,  
1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसके बचाने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य भाँस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती प्रेम प्रकाश कौर पत्नी एस. जसवंत सिंह, 7  
गुरुदेव नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री दीपक कपूर सुपुत्र श्री शमी कपूर मार्फत मै. राज  
फुटवीयर चौड़ा बाजार, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करावा होंगी।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

**अनुसूची**

मकान नं. बी-11, 1745 चौड़ा बाजार, लुधियाना का।  
पार्क।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्या-  
लय के विनंश संख्या 7296 मार्च, 1981 के अधीन दर्ज है)।

मुख वेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, लुधियाना

तारीख : 19-11-1981  
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. लुधि/583/80-81--यतः, मुझे, सूख देव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकी परंपरा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और

और जिसकी सं. मकान नं. बी-11-1745 का प्लॉट है तथा जो चौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती प्रेम प्रकाश कौर पत्नी श्री जसवन्त सिंह, 7, गुरुदेव नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री दीपक कपूर सुपुत्र श्री शमी कपूर मारफत मै. राज फुटवीयर चौड़ा बाजार, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट मकान नं. बी-11-1745 चौड़ा बाजार, लुधियाना।  
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 7346 मार्च, 1981 के अधीन दर्ज है)।

सूख देव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, लुधियाना

तारीख : 19-11-1981  
मोहर :

प्ररूप भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. चण्डी/358/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 269 है तथा जो सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री केवल सिंह सुपुत्र जय राम माध्यम श्री गुरबचन सिंह सुपुत्र देवा सिंह, निवासी गांव व डाकखाना पूरनपुर, जिला जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री सतबीर सिंह कोहली सुपुत्र श्री त्रिलोचन सिंह कोहली और श्रीमती जोगिन्द्र कोहली पत्नी श्री सतबीर सिंह कोहली, निवासी मकान नं. 1025, सैक्टर 21-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 269, सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 2025, मार्च, 1981 के अधीन दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 19-11-1981  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. चण्डी./366/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 556 में आधा हिस्सा है तथा जो सैक्टर 16-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के इन्द्र प्रतिगत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्यवृत्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती दिवशा शर्मा पत्नी श्री एच. एल. शर्मा, निवासी 556, सैक्टर 16-डी, चण्डीगढ़।  
(अन्तरक)
2. श्री धर्मवीर सभरवाल और श्रीमती उर्मिला सभरवाल निवासी 556, सैक्टर 16-डी, चण्डीगढ़।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदोंका, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 556 में आधा हिस्सा, सैक्टर 16-डी चण्डीगढ़।  
(जायवाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 2093 के अधीन मार्च 1981 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रॉज, लुधियाना

तारीख : 19-11-1981  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. चण्डी/350/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मकान प्राधिकारी जो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका अधिनियम मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. आधा बना हुआ मकान नं. 1603 है तथा जो सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

12—376GI/81

1. सकल. ली. ए. एस. गुगलानी मपूत्र श्री जे. डी. गुगलानी, निवासी मकान नं. 1604, सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री अमरजीत मकन अडवोकेट और श्रीमती बरीज मोहिनी, निवासी 1603 सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन व लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा बना हुआ मकान नं. 1603 सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1963 मार्च 1981 के अधीन दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 19-11-1981

मोहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. चण्डी/362/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 1533/34-डी. है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

1. लै. कर्नल एस. के. विज सुपुत्र श्री इन्द्र दत्त, निवासी 4201, सिरहिन्दवी गेट, पटियाला माध्यम श्री विनोद विज सुपुत्र श्री आई. डी. विज।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमला रानी पत्नी श्री रत्न चन्द, निवासी मकान नं. 121, सेक्टर 23-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 1533 सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 2084 मार्च, 1981 के अधीन दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 19-11-1981  
मोहर :

प्रमुख आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. चण्डी/356/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 3363 है तथा जो सैक्टर 32-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन सूचना देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती उर्मिला रानी सूद पत्नी श्री रोशन लाल सूद माध्यम श्री कुलवीर कुथाला, निवासी 105, सैक्टर, 27-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री तरलोक चन्द सुपुत्र श्री किरपा राम सूद माध्यम श्री हरिश्च कुमार सूद, निवासी 3363, सैक्टर 32-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना प्राप्ति करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्णन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 3363 सैक्टर 32-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 2022 मार्च, 1981 के अधीन दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रॉज, लुधियाना

तारीख : 19-11-1981

मोहर

प्रकृत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निवेदन सं. चण्डी./354/80-81—अतः मुझे सूख देव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 1060 है तथा जो सेक्टर 36-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दृष्टापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. वि. कमा. सी. एस. सन्धू सुपुत्र वि. प्रीतम सिंह माध्यम अटोरीनी श्री जगपाल सिंह, निवासी 1061, सेक्टर 36-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जसविन्द कौर पत्नी श्री जगपाल सिंह चहल, निवासी 1061, सेक्टर 36-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 1060, सेक्टर 36-सी, चण्डीगढ़।

(जायवादा जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विनैल संख्या 1993 मार्च, 1981 के अधीन दर्ज है)।

सूखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, लुधियाना

तारीख : 19-11-1981

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. चण्डी. 368/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आधा हिस्सा एस. एफ. नं. 9 सैक्टर 27 सी. है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. 1. श्री राम सरन दाम सुपुत्र श्री धूल चन्द  
2. श्रीमती प्रेमिन्दा भट्टाजी पत्नी श्री राम सरन दाम, निवासी मकान नं. 212, सैक्टर 18-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्रीमती हरभजन कौर पत्नी श्री जोगा सिंह सन्धू माफन माध्यम श्री शाम लाल अग्रवाल, निवासी मकान नं. 3454, सैक्टर 27-डी., चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

3. (1) मै. न्यू इन्डिया एसुरैन्स कं. लिमिटेड  
(2) श्री मभाष चन्द  
(3) श्री दवीन्द्र कुमार  
(4) श्री शिव पाल  
(5) श्री मोहिन्द्र सिंह  
सभी निवासी एस. सी. एफ. नं. 9, सैक्टर 27-सी, चण्डीगढ़।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा हिस्सा एस. सी. एफ. नं. 9, सैक्टर 27-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 2094, मार्च, 1981 के अधीन वर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, लूधियाना

तारीख : 19-11-1981  
मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. चण्डी./353/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 185 है तथा जो सैक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

1. लै. कर्नल किरपाल सिंह बिन्दरा सुपुत्र डा. सी. एस. बिन्दरा, निवासी ए-3/153, जनकपुरी नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री नरिन्द्रपाल भण्डारी और श्रीमती वीना भण्डारी निवासी 1170/सैक्टर 15-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 185, सैक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1992, मार्च, 1981 के अधीन दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, लुधियाना

तारीख : 19-11-1981  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. चण्डी./349/80-81—अतः मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 317 है तथा जो सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, 60 धारा 269-ब के अनुसार गे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बि. बाबा ईश्वर सिंह भल्ला सुपुत्र श्री बाबा कहान सिंह, निवासी मकान नं. बी-91-ए, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह सुपुत्र श्री नाजिर सिंह और श्रीमती दलबीर कौर पत्नी श्री गुरदेव सिंह माध्यम श्री नारिन्द्र सिंह मकान नं. 214, नई दिल्ली जवाहर नगर, जानन्धर सिटी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करावा हों।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 317, सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1961, मार्च, 1981 के अधीन दर्ज है)।

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, लुधियाना

तारीख : 19-11-1981

मोहर :

प्रारूप धार्डि० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. चण्डी./348/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं. मकान नं. 1176 है तथा जो सेक्टर 8-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री कमलेश कुमार मल्होत्रा सुपुत्र श्री बालमुकुन्द, 1176, सेक्टर 8-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री भगवान दास और कृष्ण लाल सुपुत्र श्री लक्ष्मण दास आफ 35-इंडस्ट्रियल एरिया, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 1176, सेक्टर 8-सी, चण्डीगढ़। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1959, मार्च 1981 के अधीन दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, लूधियाना

तारीख : 19-11-1981  
मोहर :

प्रमाण नम्बर टी.एन.एस.-----

बाबूकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. चण्डी./352/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

बाबूकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 3023 है तथा जो सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपरोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रवृद्ध प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

13—376GI/81

1. श्री मनोहर सिंह जीलख सुपुत्र श्री हरनाम सिंह माध्यम उसके माटीरनी श्री सोहन सिंह सुपुत्र श्री गुरधियाल सिंह, वाच मेकर बूथ नं. 3, सैक्टर 19-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री इन्द्र सिंह सुपुत्र श्री हरी चन्द मार्फत मै. खालसा बूट हाउस, गंज बाजार, शिमला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि को भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 3023, सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1988, मार्च, 1981 के अधीन दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, लुधियाना

तारीख 19-11-1981

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. चण्डी/370/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 35,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 1608 है तथा जो सैक्टर-18,  
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डी-  
गढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16 के  
अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में लाने करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 22  
का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम  
1957 (1957 का 27) के पदावतारण अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय में,  
यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री निरंजन सिंह गोल्कर संपन्न श्री जगत सिंह निवासी  
1608 सैक्टर 18-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री हरपाल सिंह संपन्न श्री निरंजन सिंह निवासी  
मकान नं. 1246 सैक्टर 20-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, यथाहस्ताक्षरों के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 30-क में परिभाषित  
हैं, वही एवं होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 1608 (क्षेत्र 1000 वर्ग गज) सैक्टर 18-डी  
चण्डीगढ़। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के  
कार्यालय के दिनांक संख्या 1943 मार्च, 1981 के अधीन वर्णित है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज, नई दिल्ली

तारीख : 19 नवम्बर 1981  
मोहर :

प्ररूप धार्मिक टी० ए० ए० ए०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जुन/1070—यतः मुझे,  
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन पत्रम प्राधिकारी को, प्रह विश्वास करने का कारण  
है कि म्वाहर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट है तथा जो उदयपुर में स्थित  
है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
25-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरांत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वस्तु का धन प्राप्तिवर्षों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री गुमान सिंह राठी उपमंत्री विद्या प्रचारिणी सभा,  
उदयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री गोपाल सिंह जी, राणावत पोल्ट्री फार्म, उदयपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति में अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में प्रकाश होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अनुयाय 20क में परिभाषित  
है, का अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

प्लॉट 70×105 वर्गफिट जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा  
कम संख्या 724 दिनांक 25-3-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में  
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रॉज, जयपुर

तारीख : 12-11-1981  
मोहर :

प्रकट नम्बर टी. एन. ए. —

1. श्री गुमानसिंह राठौड़ उपमन्त्री विद्या प्रचारिणी सभा,  
उदयपुर।

(अन्तरिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना2. श्री रामभवर सिंह राणावत, राणावत पोल्ट्री फार्म,  
उदयपुर।

(अन्तरिती)

## आदेश सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् रज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1981

कॉ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्तः—

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1071—यतः मुझे,  
एम. एल. चौहान,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. प्लॉट नं. 475 है तथा जो उदयपुर में स्थित  
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
27-3-1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अपूरा

प्लॉट नं. 475 हिरन मगराई सेक्टर नं. 4 उदयपुर जो उप  
पंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 723 दिनांक 27-3-81  
पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।एम. एल. चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन् रज, जयपुरतारीख : 12-11-1981  
मोहर :



प्रत्यक्ष आर्थिक टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1981

आदेश सं. राज. / सहा. आ. अर्जन/1072—यतः मुझे, एम. एल. चौहान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 477 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-3-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चगुण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुरमनसिंह राठौड़ उपमंत्री विद्या प्रचारिणी सभा, उदयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री अनिल कुमार सिंह राणावत, राणावत पोल्ट्री फार्म, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 477 हिरणमय सैक्टर नं. 4, उदयपुर जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 722 दिनांक 27-3-81 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 12-11-1981  
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन राज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1073--यत्: मुझे,  
एम. एल. चौहान,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. प्लॉट नं. 476 है तथा जो उदयपुर में स्थित  
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
28-3-1981 को  
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रदत्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यापार में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

1. श्री गुरमानसिंह राठौड़ उपमंत्री विद्या प्रचारिणी सभा,  
उदयपुर।

(अन्तरक)

2. कुमारी प्रभाकुमारी, राणावत पोल्ड्री फार्म,  
उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथवा हस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 476 हिरणमगरी सैक्टर नं. 4, उदयपुर जो उप  
पंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 725 दिनांक 28-3-81 पर  
पंजीबद्ध विक्रीय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन राज, जयपुर

तारीख : 12-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1066—यतः मुझे, एम. एल. चौहान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 15 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देवी लाल पुत्र पुनमचन्द जी कोठारी, मालवास स्टोर, उदयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री सुरेश चन्द जैन एण्ड सन्स, हिरन मगरों सैक्टर नं. 11, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 15 बाके हिरनमगरी सैक्टर नं. 11, उदयपुर में है जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 534 दिनांक 4-3-81 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 12-11-1981

मोहर :

प्रकाश जाई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1067—यतः मुझे,  
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 3 है तथा जो उदयपुर में स्थित  
है, (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
4-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री कल्याण मल पिता नानक रामजी नि. जयपुर।  
(अन्तरक)
2. श्री प्रकाश चन्द सुरेश चन्द कौलाश चन्द पिता  
कन्हैयालाल जी जैन निवासी कांकरांली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिर-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 3 वाले सुन्दरवास गैलड़ा कालोनी, उदयपुर में है जो  
उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 521 दिनांक 4-3-81  
पर पंजिबन्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 12-11-1981  
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

उदयपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1981

आदेश में. राज./सहा. आ. अर्जन/1068---यतः मुझे, एम. एल. चौहान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 36-बी है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-3-1981 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती पूर्णा शर्मा पत्नी भगवती प्रयासजी शर्मा निवासी उदयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री गौरी शंकर पिता रामस्वरूप बन्सन नि. उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 36 बी बाके उदयपुर अस्वागत योजना में है प्लॉट का एरिया 9079 वर्गफीट है जो क्रम संख्या 553 दिनांक 6-3-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

14-376GI/81

तारीख : 12-11-1981  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1060--अतः मुझे, एम. एल. चौहान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 36 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-4-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती राजमाता विष्णु कुंवर जी पत्नी स्व. श्री भूपाल सिंह जी उदयपुर।  
(अन्तरक)

2. श्री जगन्नाथ सिंह पुत्र मालम सिंह गलून्डीया नि. मोगरा बाड़ी।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लॉट नं. 36, सर्वश्रुतविलास, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 813 दिनांक 7-4-81 पर पंजि-बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 12-11-1981  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1097—यतः मुझे,  
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन प्राप्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं. एस-19 है तथा जो उदयपुर में स्थित  
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
28-4-1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए.

1. श्री गिरिश पुत्र श्री प्रो. सुलतान सिंह जी जैन निवासी  
कुन्दीगर भौरों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती वंदना पत्नी डा. चन्द्रकुमार सचेतीर हाल  
निवासी अमेरीका निवासी बी-121 मंगल मार्ग, बापू-  
नगर, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं. एस-19, भवानी सिंह मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर जो  
उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1010 दिनांक 28-4-81  
पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

एम. एल. चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, जयपुर

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 12-11-1981  
कोहर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निर्देश.स. ए. सी./रज-4 कल/टी. आर.-592/80  
81/सं. न. 597---यतः मुझे, आर्. टी. एस. जूनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी संख्या 2 एन्ड 1/1 सेरीफ लैन कलकत्ता स्थित है  
और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-3-81  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. हरिनारायण टन्डन एन्ड आदर्श  
(अन्तरक)
2. वि. कलकत्ता मुस्लिम अरफयनेज  
(अन्तरिती)
2. वि. कलकत्ता मुस्लिम, अरफयनेज  
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

नं. 2 सेरीफ लैन कलकत्ता में अवस्थित एक बिधा 4 कट्टा 15  
छटाक जमीन और 1/1, नं. सेरीफ लैन में 2 कट्टा 2 छटाक  
जमीन और स्ट्राकचार जो 14-3-81 तारीख में डीड नं. 3215  
अनुसार रजिस्ट्रार आफ एशुरेंस का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आर्. टी. एस. जूनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, कलकत्ता-16

तारीख : 6-11-1981

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री धीरेन्द्र नाथ बांस एण्ड आदर्स।

(अन्तरक)

2. श्री जगन्नाथ अगरवाल एण्ड आदर्स।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 नवम्बर 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं. रेफ नं. टी. आर.-614/80-81/एसएल. नं.  
598 आई. ए. सी. एसीक्यू. आर-1/कल.-यतः मूके,  
आई. वी. एस. जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिनका उक्त बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 26 ए. है तथा जो पार्क लेन कलकत्ता में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
28-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उक्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उक्त बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

26 ए. पार्क लेन कलकत्ता में अब स्थित लगभग 6 कट्ठा  
जमीन पर तीन तल्ला मकान जो डीड नं. आई-2692 अनुसार  
28-3-1981 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

आई. वी. एस. जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-111, कलकत्ता-16

तारीख : 13-11-1981  
माहुर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर 1981

निर्देश सं. ग्रेफ नं. 970/एसीक्यू. आर.-111/81-82—यतः मुझे, आई० वी. एस. जूनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 149 है तथा जो श्री अरविंद सरणी स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-3-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) का अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लब्ध पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती बाणी बस्त

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जल साहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवती करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्यमन्दी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

149 श्री अरविंद सरणी कलकत्ता में अब स्थित 4 कट्टा 7 छटाक, 22 वर्ग फिट जमीन पर मकान का अविभक्त आधा हिस्सा जो 2618 डीड नं. अनुसार 27-3-81 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एन्सुरेंस का दफतर में रजिस्ट्री हुआ।

आई० वी. एस. जूनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज-111, कलकत्ता-16

तारीख : 10-11-81  
मोहर :

प्राप्त आर्.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती वाणी दत्त

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बनेंलाल दास एवं रणजीत कुमार दास

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर 1981

निर्देश सं. रेफ नं. 969/एसीक्यू. आर.-111/81-82—यतः मुझे, आर्.टी.एन.एस. जूनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. 149 है तथा जो श्री अरविन्द सरणी स्थित है। और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-3-81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तब किसी आय की गणना, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

149 अरविंद सरणी कलकत्ता में अब स्थित 4 कट्टा 7 छटाक, 22 वर्ग फिट, मकान का आधा हिस्सा जो 27-3-81 तारीख में डीड नं. 2617 अनुसार रजिस्ट्रार आफ एमुरेन्स का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आर्.टी.एन.एस. जूनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-111, कलकत्ता-16

तारीख : 10-11-81  
माहुर :

प्ररूप आई०टी०एन०एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश सं. रेफ नं. 968/एसीक्यू. आर.-111/81-82—यतः मुझे, आई. वी. एस. जुनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं. 171/ए, है तथा जो सरत बोस रोड, कलकत्ता स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है।, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-3-1981

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किया धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती पुरनिमा सरकार

(अन्तरक)

(2) श्री अमल कुमार राय

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

171/ए, सरत बोस रोड, कलकत्ता। 2 कट्टा 3 छटाक 37 स्व. फीट जमीन पर मकान। (1/3 शेयर)

आई. वी. एस. जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-111, कलकत्ता-16

तारीख : 9-11-1981  
मोहर :-

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती पुरनिमा सरकार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) कमल कुमार राय

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश सं. रेफ नं. 967/एसीक्यू. आर.-111/81-  
82--यतः मुझे, आइ. टी. एस. जूनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं. 171/ए, है तथा जो सरत बोस रोड, कलकत्ता  
स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से  
वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 28-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
घोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  
15-376G1/81

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

171/ए, सरत बोस रोड, कलकत्ता। 2 कट्टा 3 छाटाक  
37 स्क्. फिट जमीन पर मकान। (1/3 शेयर)

आइ. टी. एस. जूनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-111, कलकत्ता-16

तारीख : 9-11-81  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) कार्तिक चन्द्र पाईन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) रनजीत राई पान एण्ड चन्द्र शेखर पान

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निर्देश सं. टी. आर.-607/80-81/एस. एल. 594/  
आई. ए. सी./अर्जन आर.-1/कलकत्ता—यतः मुझे, आई.टी.  
एस. जूनेजा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.  
से अधिक है

और जिसकी सं. 2 है तथा जो मेन लेन, कलकत्ता-16 स्थित  
है। (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
6-3-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की भावना, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें कटौत में सूविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा  
के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है तथा उनका वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
किया गया है।

अनुसूची

2 नं. मेन लेन, कलकत्ता अवस्थित, 12 कट्टा 8 छटांक,  
जमीन पर तीन तल्ला मकान का अधिभक्त 1/5 हिस्सा जो  
6-3-1981 तारीख में डीड नं. 1-1772 अनुसार रजिस्ट्रार  
एग्जोरसेस का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आई.टी.एस. जूनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, 54, रफी अहमद क़िदवाही रोड,

कलकत्ता-16

दिनांक 16-11-1981

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री अजित कुमार भुवालका

(अन्तरक)

(2) मैसर्स कोठारि एण्ड कों. (प्रा.) लि.।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

निर्देश सं. ए. सी./रंज- IV कल./966/एसीक्यू.  
आर.-111/81-82--यतः मुझे, आई. वी. एस. जूनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट-16 है तथा जो 50बी, गरियाहाट,  
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कल-  
कत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 25-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्च प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जित :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं.-16, 8 प्लोर, 50बी, गरियाहाट रोड,  
कलकत्ता।

आई. वी. एस. जूनेजा  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-111, 54 रफी अहमद किववर्ह रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 7-11-1981  
मोहर :

प्रथम आई. टी. एम. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निर्देश सं. ए. सी./रंज-4 कल./965/ए. सी. व्यू.  
आर.-111/81-82—यतः मूफे, आई. वी. एस. जूनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन प्रथम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट-सी है तथा जो 2 मान्डीविले गाडगेन,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 18-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या जमसे बचने में सुविधा के लिए;  
धोर/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) साल्ति आनरशिप फ्लैट्स स्किम्स प्रा. लि.  
(अन्तरक)

- (2) रुमा घोष  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 5  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45-  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं. सी 11 th फ्लोर, 2, मान्डीविले गाडगेन,  
कलकत्ता।

आई. वी. एस. जूनेजा  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रंज-411, 54 रफी अहमद किरवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 6-11-1981  
मोहर



प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निर्देश सं. ए. सी./रंज- IV /कल./964/एक्यू.  
आर.-111/81-82—यतः मूझे, आई. बी. एस. जूनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं. प्लेट-एफ है तथा जो 2, मांडीविले गार्डन,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 18-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धार्यात्:—

- (1) सालोनि. आनरशिप प्लेट स्कीम्स प्रा: लि:  
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती अनिता बिश्वास  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट सं.-एफ, 5th फ्लोर, 2, मांडीविले गार्डन,  
कलकत्ता।

आई. बी. एस. जूनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज-111, 54 रफी अहमद क़िदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 4-11-81  
मोहर :

प्रकट आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निर्देश नं. 963/एक्वी. आर-111/81-82/कल.—

यतः, मुझे, आई० वी. एस. जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट-डी है तथा जो 2, मांडीविले गार्डन,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 18-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सालिनी आनररिप फ्लैट्स स्कीम्स, प्रा. लि.  
(अन्तरक)

2. श्री मृनाल कान्ति विश्वास।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथाव्यवहारी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्टडी करग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं. 'डी', पांचवी प्लोर, 2, मांडीविले गार्डन,  
कलकत्ता।

आई० वी. एस. जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज-11, 54, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 6-11-1981  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निवेश नं. टी. आर. 608/80-81/एसएन. 595  
आई. ए. सी./एक्वी. आर-1/कल.—यतः मुझे, आई.  
वी. एस. जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 2 है तथा जो मेज लेन कलकत्ता-16 में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती संध्या रानी बोराट।

(अन्तरक)

2. रत्नजीत, राय पुन एंड चंद्र शेखर पान

(अन्तरिती)

(3) एम. ए. शाह एण्ड आदर्स।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

2 मेज लेन कल-16 में अवस्थित, 12 कट्टा 8 छटाक,  
जमीन पर तिन तला मकान का अधिभक्त 1/5 हिस्सा जो 6-3-  
81 तारीख में डीड नं. 1-1774 अनुसार रजिस्ट्रार आफ  
एश्युरेन्स का दफ्तर में रजिस्ट्रार हुआ।

आई. वी. एस. जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-111, रफीअहमद क़िदवाह रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 6-11-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निवेश नं. टी. आर. 615/80-81/एसएल. 596  
आई. ए. सी./एकवी. आर.-1/कल.-यतः, मुझे, आई.  
वी. एस. जूनैजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 2 तथा जो मोज लेन कलकत्ता-16 में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण के द्वारा किसी एक की कमत उक्त अधि-  
नियम को बर्तन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसके बचने में सूचना के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आब-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. राधा राणी पाइने एण्ड आबर्स।

(अन्तरक)

2. रनजित राय पुन एण्ड चन्द्र शेलर पुन।

(अन्तरिती)

3. एम. ए. सा. एण्ड आदर्स।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

2 नं. मोज लेन, कलकत्ता में अवस्थित, 12 कट्टा 8  
छटाक, जमीन पर तिनतल्ला मकान का अधिभक्त 1/5 हिस्सा जो  
डीड नं. 1-1956 अनुसार 11-3-81 तारीख में रजिस्ट्रार  
आफ एग्सुरेन्स को दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आई. वी. एस. जूनैजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-111, रफी अहमद किरवाह रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 6-11-1981

मोहर :

प्रकृत आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निर्देश नं. टी. आर. 605/80-81/एस.एल. 592/  
आई. ए. सी./एक्वी. आर.-1/कल.—यतः, मुझे, आई.  
वी. एस. जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में  
अधिक है

और जिसकी सं. 2 है तथा जो मेन लेन कलकत्ता-16 में स्थित  
है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-3-81  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह  
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से स्थित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उन्ने बचने में पुत्रिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धात् हूँ—

16—376GI/81

1. श्री लाल चंद पाईन।

(अन्तरक)

2. रजिस्त राई पान एण्ड चन्द्र शेखर पान एम. ए. सा.  
एण्ड आदर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 नं. मेन लेन, कलकत्ता-16 में अवस्थित, 12 कट्टा 8  
छटाक, जमीन पर तिनतल्ला मकान जो 6-3-81 तारीख में डीड  
नं. 1-1772 अनुसार रजिस्ट्रार आफ एयसूरेंस के दफ्तर में  
रजिस्ट्री हुआ।

आई. वी. एस. जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रॉज-1, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 6-11-1981  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निर्देश नं. टी. आर. 606/80-81/एस.एल. 593  
आई. ए. सी./एक्वी. आर.-1/कल.---यतः, मुझे, आई.  
वी. एस. जूनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 2 है तथा जो मेने लेन कलकत्ता-16 में स्थित  
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
6-11-1981

को जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
वृद्धमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
छद्म से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लक्ष्मी रानी मल्लिक।

(अन्तरक)

2. रजित राई. पान एण्ड चंद्र शेखर पान एम. ए. साहा  
एण्ड आदर्श।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 नं. मेने लेन, कलकत्ता में अवस्थित, 12 कट्टा 8  
छटाक, जमीन पर तिनतल्ला मकान का अविभक्त 1/5 हिस्सा जो  
जो 6-3-81 तारीख में डीडी नं. 1-1772 अनुसार रजिस्ट्रार  
आफ एयसुरेन्स के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आई. वी. एस. जूनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 6-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निर्देश सं. ए. आर.-3/1971-4/81-82---अतः मुझे,  
सुधाकर वर्मा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 274 हिस्सा नं. 1 (पाट) कूरेशी  
नगर सी टी एस नं. 18 (पाट) उड़वे चाल एल 749 (3) 100 है  
तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 26-3-1981 डाक्यूमेंट नम्बर एस-918/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्र  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री मोहम्मद मसूल बादल कूरेशी

(अन्तरक)

2. (1) हाजी मुस्तीयार अहमद
- (2) जा मिल अहमद।
- (3) मुस्ताक अहमद।
- (4) मुमताज अहमद
- (5) इफ्तीकार अहमद
- (6) शकील अहमद
- (7) अकिल अहमद
- (8) वफिक अहमद।

(अन्तरिती)

3. (1) अब्दूल बाबू
- (2) एम बी फेरों
- (3) हाबी बुल्ला खान
- (4) पीरजादा रमूल मीया
- (5) समी उल्ला खान
- (6) पन्डी मुन्नी सा
- (7) मोहम्मदखान मजिद खान
- (8) अहमद अब्दूल शेख
- (9) मुसा खान
- (10) अब्दूल कयूम

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नंबर बंबई/एस-918/80 उप रजिस्ट्रार  
द्वारा दिनांक 18-8-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सुधाकर वर्मा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-3, बम्बई

तारीख : 13-11-1981  
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०---

1. श्री कीवराज मोटारस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. बेनक आफ तनजावूर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 नवम्बर 1981

निर्देश सं. 16250--यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 477-482 है जो मौड रोड मद्रास में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में (डाकूमेंट सं. 734/  
81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन मार्च 81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित छद्म से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविकता का से उचित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिब में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा(1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5339/36550 अनन्य भाग इन 477-482 मौड रोड,  
मद्रास-6 (डाकूमेंट सं. 734/81)।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, मद्रास

तारीख : 10-11-1981  
मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 20 अक्टूबर 1981

आर. ये. सी. नं. 170/81-82—यतः मुझे, एस. गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी में. 14/55ए है, जो उत्पल, हैदराबाद-39 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मेसर्स लक्ष्मी आइल मील्ल्स, सोलवेंट एक्सट्रैक्शन प्लाट इन्डस्ट्रीयल एरिया प्लाट नं. 9, ब्लॉक नं. 3, उत्पल, हैदराबाद-29। बाइ श्री एम. वेंकट सूर्य लक्ष्मी नरसीम्हाराव और अन्य नं. 92 वेंस्ट मारोड-पल्ली, थर्ड लेन स्कन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. मेसर्स यल. व्ही. आर. आइल अन्ड फुड्स प्रा. लि. रजिस्टर्ड आफिस-2, तातामधीपापान स्ट्रीट, मद्रास-600001, फैक्ट्री : प्लाट नं. 9, ब्लॉक नं. 3, इन्डस्ट्रीयल एरिया, उत्पल, हैदराबाद-39।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इमारत और गोदाम नं. 14/55ए जिस प्लाट पे बांधा गया उसका नं. बी. 9 ब्लॉक नं. 3, औद्योगिक विकास क्षेत्र, उत्पल, हैदराबाद-39 (22050 चौ. फुट बनाया हुआ क्षेत्र) कुल क्षेत्र 4.789 एकड़। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 963/81 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रज, हैदराबाद

तारीख : 20-10-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

निर्देश नं. आर. ये. सी. नं. 171/81-82—यतः मूके, एस. गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. आफिस नं. 117 है, जो सागरवीव, दोमलगुडा, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 मार्च, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

- (1) मैसर्स स्वस्तीक बील्डर्स 1-2-524/3, दोमलगुडा, हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) मैसर्स सुमन चौटफंड, 5-4-32/2, सैंकंड फ्लोर, जवाहर लाल नेहरू रोड, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस नं. 117, पहली मंजील, सागरवीव, दोमलगुडा, हैदराबाद। विस्तीर्ण 1112 चौ. फुट रजिस्ट्रीकृत विलेय नं. 1056/81। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 23-10-1981  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. आर. ये. सी. नं. 172/81-82—यतः मुझे, एम्. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है जो बंडालगुडा गांव, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अने वरघेसे पति श्री के. एम्. वरघेसे 5-9-347, हैदरगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री नंदलाल शारदा पिता जह्नारायण शारदा (2) श्री सीताराम शारदा पिता जह्नारायण शारदा (3) श्री कचरुलाल शारदा पिता लेट रामक्रीष्ण शारदा (4) श्री नारायणदास आसवा पिता चूनीलाल आसवा (5) श्री श्रीनीवास आसवा पिता नारायणदास, कैर आफ मैसर्स विष्णू आठन इंडस्ट्रीज, 5-2-936, अस्मान गृहन, हैदराबाद (घर नं. 18-4-538/1, शमशीर गंज, हैदराबाद।)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रज्ञा के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि सर्वे नं. 240, 241, 242 और 244 विस्तीर्ण 8 एकड़, 7 गूठे, बंडाला गांव, हैदराबाद, चंद्रायन गंटा, मह-बूबनगर रोड। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1110/81 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम्. गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 23-10-1981

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. आर. ये. सी. नं. 173/81-82—यतः मुझे,  
एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25000/रु. में अधिक है

और जिसकी मं. 1-2-412/12 है, जो गगन महल, हैदराबाद  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
19 मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) (1) श्री नरसी विश्राम पिता लट विश्राम नातु (2) श्री  
मनोहर विश्राम पिता वही 67थी कींगस वे.  
सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2) श्री राजाराम पिता श्री इश्वरदास, 5-9-42/6,  
ब्यू एम. एन. क्वार्टर्स लेन, बसीरबाग, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन का भाग एम. नं. 1-2-412/12 (नं. ए-9) विस्तीर्ण  
800 चौ. गज. गगनमहल, हैदराबाद। रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं.  
1301/81, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रॉय, हैदराबाद

तारीख : 28-10-1981  
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 अक्टूबर 1981

निर्देश नं. आर. ये. सी. नं. 174/81-82—यतः मुझे, एस. गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमि है, जो चीना, थोकट्टा, सिकंदराबाद स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारुडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

17-376GI/81

(1) श्री के. बाल रेड्डी पिता के. मृत्युम रेड्डी (2)  
श्री के. मल्ला रेड्डी पिता लेट वेंकट रेड्डी (3)  
श्री के. मल्ला रेड्डी पिता के. मृत्युम रेड्डी,  
बोबेनपल्ली, सिकंदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स दी अमर ज्योती विकर सेक्शन को-ऑपरेटिव्ह  
हाउसींग सोसाइटी लि. (टी. ए. बी.) आफिस नं.  
11-4-322/20/43, चीलकलगुडा, सिकंदरा-  
बाद। अध्यक्ष श्री पी. पांडुराव पिता लेट आर.  
पेटय्या।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि। एकर सर्वे नं. 36,87 और 92, चीना थोकट्टा, बोबेनपल्ली, सिकंदराबाद। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 453/81। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मारुडपल्ली।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 28-10-1981  
मोहर

प्रकृष बाई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हवैराबाद

हवैराबाद, दिनांक 31 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. आर. ये. सी नं. 175/81-82--यतः मुझे,  
एस. गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. 2-2-135/1, 136, 137 है जो महात्मा-  
गांधी रोड, सिकंदराबाद स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, सिकंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री राबिंद्र कुमार राठी पिता लक्ष्मीनारायण राठी  
घर नं. 61, महात्मागांधी रोड, सिकंदराबाद (158  
सी रेलवे लाइनस्, शोलापुर-413001)  
(अन्तरक)

(2) मेसर्स काबा आन्ड कं. 61 एम. जी. रोड,  
सिकंदराबाद। बाई मनेजींगपार्टनर श्री शंकरलाल  
काबा पिता न्लेटमाहेनलाल काबा, घर नं. 3-2-853,  
चीनकूट वील्डिंग, काजीगुडा, हवैराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

पुराना घर एम. नं. 2-2-135/1, 136, 137, महात्मा-  
गांधी रोड, सिकंदराबाद। विस्तीर्ण 778 चौ. गज। रजिस्ट्री-  
कृत विलेख नं. 147/81 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकंदरा-  
बाद।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, हवैराबाद

तारीख : 31-10-1981  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०, एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 31 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. आर. ये. सी. नं. 176/81-82—यतः मुझे, एस. गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपये से अधिक है और

जिसकी सं. 2-2-136/1, 137/1, 138, 139 है जो एम. जी. रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तःसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती माहीनीबाई राठी पित रवीन्द्रकुमार राठी, 61, महात्मागांधी रोड, सिकन्दराबाद (158 सी रेलवे लाइन-413001)

(अन्तरक)

(2) मैसर्स काबा एण्ड कं. 61 एम. जी. रोड, सिकन्दराबाद। बाई मनेजींग पार्टनर श्री शंकरलाल काबा पिता लेट मोहन लाल काबा, घर नं. 3-2-853, चीनकूट बील्डींग, काचीगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुराना घर एम. नं. 2-2-136/1, 136/1, 138 और 139, महात्मागांधी रोड, सिकन्दराबाद। विस्तीर्ण 870 चौ. गज। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 148/81 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकन्दराबाद।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 31-10-1981  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन्.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 नवम्बर 1981

निर्देश स. आर. ये. सी. नं. 177/81-82—यतः मुझे, एस. गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 6-3-1186 है, जो बंगमपेट हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेसर्स धनलक्ष्मी को. आपरटोविल् लि. टी. ए. बी. 109, शाप नं. 16, इन्दौर स्टडीयम, फतेमह्वान, हैदराबाद बाह्र सेक्टर 7 डी. रामक्रीष्णा रेड्डी पिता डी. पूल्ला रेड्डी (अन्तरक)

(2) मेसर्स इंडो स्वींग लि. नरसापूर रोड, बालानगर, हैदराबाद-37 बाह्र श्री बाह्र. रामा शर्मा पिता लोट बाह्र. डी. शास्त्री घर नं. 36-ए. एम. आई. जी. एम्. साजीवार रेड्डी नगर, हैदराबाद-38। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्र में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि एम. नं. 6-3-1186, बंगमपेट, हैदराबाद। विस्तीर्ण 1,000 चौ. गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1266/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, हैदराबाद

तारीख : 2-11-1981  
मोहुर



प्रकृष धार्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रंज, हृदराबाद

हृदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1981

निर्देश सं. आर. ये. सी. नं. 178/81-82—यतः मुझे,  
एस. गोविन्द राजन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं. 3-4-1005/5/1 है, जो बरकतपुरा,  
हृदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीकडपल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 19 मार्च, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चम प्रतिशत से अधिक है  
और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे  
प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—(क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के प्रन्तरक के बाधित में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य भास्तिनों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए।अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीनः—(1) श्री पी. रघूचम रेड्डी पिता श्री पी. रामचंद्र रेड्डी,  
घर नं. 3-3-76, कुतवीगुडा, हृदराबाद।  
(अन्तरक)(2) श्रीमती देवी सूतालीया पिता पुनमचंद, घर नं. 3-4-  
16, डा. भूमना मार्ग, लिंगमपल्ली, हृदराबाद-27  
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन एम. नं. 3-4-1005/5/1, बरकतपुरा  
लोकपालीटी हृदराबाद में स्थित है। विस्तीर्ण 265 चौ. गज।  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 207/81 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
चीकडपल्ली, हृदराबाद।एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रंज, हृदराबाद

तारीख : 3-11-1981

मोहर।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट  
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-4/3-81/787—चूंकि मैं, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. 3480 (3/10 हिस्सा) है एवं जो निकोलसन रोड, मोरी गेट, दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण मंलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरक है कि किसी नाम की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्त में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:

1. श्री राधे शाम पुत्र श्री श्रीनारायण शर्मा निवासी एन. डी. सी. ई. पार्क-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री महेश कुमार (2) श्री तरविन्द कुमार सुपुत्र श्री बोध राज, निवासी 3489, निकोलसन रोड, मोरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां कइवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमस्तुते

एक मकान जोकि 1043 वर्ग गज भूमि पर बना हुआ है और जिसका नं. 3480, निकोलसन रोड, मोरी गेट, दिल्ली पर स्थित है का 3/10 वा अविभाजित हिस्सा।

विमल विशिष्ट  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

तारीख : 26-11-1981  
मोहर :

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 17th November 1981

No. A.32013/1/81-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of CSS to officiate as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission on an *ad-hoc* basis for the period shown against each :—

S. No., Name and Period

S/Shri

1. H. I. Biswas—20-8-81 to 19-11-81.
2. Y. R. Gandhi—27-8-81 to 26-11-81.
3. P. C. Gupta—19-8-81 to 18-11-81.
4. R. Sahai—1-9-81 to 30-11-81.
5. S. S. Nagar—1-9-81 to 30-11-81.
6. R. G. Purang—1-9-81 to 30-11-81.
7. M. P. Jain—1-9-81 to 30-11-81.

H. C. JATAV  
Jt. Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 24th November 1981

No. A.12024/2/80-Admn.I.—In continuation of this office notification of even number dated 9-9-81, the President is pleased to appoint Shri V. Ramabhadram, an officer of C.E.S. (Exe. Engg. C.P.W.D.-1971) as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission with effect from 19-11-1981, until further orders.

Y. R. GANDHI  
Under Secy. (Admn.)  
Union Public Service Commission

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR)  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 28th November 1981

No. R/95/66/Ad.V.—Consequent on his repatriation from the Office of the Central Provident Fund Commissioner, Shri R. N. Kaul, Dy. Supdt. of Police, CBI joined CBI in the same capacity on the forenoon of 17-11-1981.

No. B/2/70/Ad.V.—Consequent on his repatriation from Government of Nagaland, Shri B. N. Sinha, Dy. Supdt. of Police, CBI, joined CBI in the same capacity on the forenoon of 1-11-1981.

Q. L. GROVER  
Administrative Officer (E)  
C.B.I.

## DIRECTORATE GENERAL CRPF

New Delhi-110022, the 23rd November 1981

No. F.8/4/81-Estt.(CRPF).—The President is please to accept resignation tendered by Shri Ranjit Singh Bhatti, Dy. S.P. 66 Bn CRPF from 31-10-81.

2. The Officer will be deemed to have been struck off strength of the Unit from the same date.

The 25th November 1981

No. O.II-325/69-Estt.—Consequent on his deputation to C.I.S.F., Shri K. D. S. Dullat, Commandant, 52 Bn, CRPF relinquished charge of the post of Commandant, 52 Bn CRPF on the afternoon of 16-11-1981.

No. O.II-1455/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Anil Kaushal as Junior Medical Officer in the C.R.P. Force on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 18th November 1981 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 28th November 1981

No. O.II-1519/80-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. (Mrs.) S. A. Devikar, General Duty Officer Grade-II of

Base Hospital-I CRPF New Delhi with effect from the afternoon of 23rd November 1981 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (T.S.) Rules, 1965.

The 1st December 1981

No. O.II-1613/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Shiva Prasad Kakumanu as General Duty Officer Grade II (Deputy Supdt. of Police/Coy Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 20th November 1981, subject to his being medically fit.

A. K. SURI  
Assistant Director (Estt.)

## DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 18th November 1981

No. A.12012/1/80-Admn.—Shri R. K. Kotnis, Technical Supdt. (Cipher) of Directorate of Coordination (Police Wireless) has been promoted as Extra Assistant Director (Cipher) in Directorate of Coordination (Police Wireless) on *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of 3rd November 1981, upto 28th February 1982 or till the vacancy is filled up on regular basis which ever is less.

C. P. JOSHI  
Director  
Police Telecommunications

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 25th November 1981

No. P/I(1)-Ad.I.—The President is pleased to repatriate Shri A. C. Bal, an officer belonging to the Nagaland Civil Service, and at present working as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Nagaland, Kohima, on deputation basis, to the Government of Nagaland, with effect from the forenoon of the 26th October, 1981. Consequently, the services of Shri Bal, are replaced at the disposal of the Government of Nagaland with effect from 26-10-1981.

No. 11/119/79-Ad.I.—The President is pleased to repatriate Shri H. C. Sharma, an officer belonging to the Government of Arunachal Pradesh, and at present working as Assistant Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Arunachal Pradesh, Shillong, on deputation basis, to the Government of Arunachal Pradesh with effect from the afternoon of the 31st October, 1981. Consequently his services are replaced at the disposal of the Government of Arunachal Pradesh with effect from that date.

No. 10/4/80-Ad.I.—The President is pleased to grant proforma promotion, under second proviso to F.R. 30(1) (Next Below Rule), to Shri N. C. Sharma, Console Operator in the office of the Registrar General, India, New Delhi who was earlier on foreign service to Government of Zambia as System Analyst, to the post of Assistant Director (Programme) in the same office with effect from the 15th October, 1980, the date on which Shri R. N. Talwar his next junior in the grade of Assistant Director (Programme) was promoted to the grade of Assistant Director (Programme).

2. On expiry of his foreign assignment as System Analyst in the Government of Zambia and leave sanctioned to him by this office, Shri N. C. Sharma took over charge of the post of Assistant Director (Programme) in this office with effect from the forenoon of the 19th August, 1981.

3. The headquarters of Shri Sharma will be at New Delhi.

No. 11/8/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion Smt. U. Basak, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of 19th October, 1981 for a period not exceeding one year or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Smt. Basak will be at Bombay.

3. The above-mentioned *ad-hoc* appointment will not bestow upon the officer concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by her on *ad-hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical) nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above mentioned *ad-hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

No. 11/9/81-Ad.I.—The President is pleased to terminate the Services of Shri M. Krishnamoorthy a retired officer of the Government of Kerala, and at present working as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Kerala, Trivandrum, on re-employment basis, with effect from the afternoon of the 31st October, 1981.

The 26th November 1981

No. 11/10/78-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 3rd December, 1980, the President is pleased to appoint Shri Mohd. Abdus Sattar, an officer belonging to the Manipur Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Manipur, Imphal, by transfer on deputation and *ad-hoc* basis, for a further period upto the 30th June, 1982 or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Sattar will be at Imphal.

P. PADMANABHA  
Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE  
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)  
BANK NOTE PRESS

Dewas (M.P.), the 20th November 1981

F. No. BNP/C/43/80.—In continuation of this Office notification of even number dated 12-10-80 the term of appointment of Shri K. M. Saksena as Administrative Officer on deputation is extended upto 22-9-82 on the same terms and conditions.

M. V. CHAR  
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT  
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 30th November 1981

No. Admn.I/O.O.No. 330.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri J. P. Kaushik a officiating Audit Officer of this office will retire from service of the Government of India w.e.f. the afternoon of 30th November, 1981. His date of birth is 5-11-1923.

No. Admn.I/O.O. No. 331.—Consequent on his attaining the age of Superannuation Shri Jit Singh a permanent Audit officer of this office will retire from Service of the Government of India w.e.f. the afternoon of 30th November 1981. His date of birth is 10-11-1923.

Sd/- ILLEGIBLE  
Joint Director of Audit (Admn. I)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,  
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 24th November 1981

No. Admn.I/8-312/81-82/382.—Sri M. N. Prabhakaran, Accounts Officer, Office of the Accountant General-I, Andhra Pradesh expired on 17-11-1981.

R. HARIHARAN  
Senior Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,  
MAHARASHTRA

Bombay the 23rd November 1981

No. Admn-I/Genl./31-Vol.III/C-1(1)/6.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint the following Section Officers (Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officers from the dates mentioned against their

names; until further orders:—

Shri C. N. Pitkar—17-11-81 F.N.

Shri S. S. Kudalkar—17-11-81.

R. S. SHARMA  
Sr. Dy. Accountant General/A

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT  
(SOUTH EASTERN RAILWAY)

Calcutta-700043, the 27th November 1981

No. Admn./33-2A/75/3814.—Shri Purn Behari Ray, a member of the subordinate Railway Audit Service in the Office of the Director of Audit, South Eastern Railway, Calcutta has been promoted to officiate as Audit Officer from the forenoon of the 31st October, 1981 until further orders.

A. N. CHAKU  
Director of Audit

OFFICE OF THE JOINT DIRECTOR OF AUDIT  
(DEFENCE SERVICES)

Bombay-400039, the 19th October 1981

Notice of termination of services issued under Rule 5(1) of C.C.S. (Ty. Service) Rules 1965

No. 1875/E.3/RJM.—In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5 of C.C.S. (Ty. Services) Rule 1965, I. R. A. BORKAR, Joint Director of Audit, Defence Services, Bombay hereby give notice to Shri R. J. More that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on, or as the case may be tendered to him.

To

Shri R. J. More,  
Barrack No. 1397, Section 32,  
Ulhasnagar-4,  
Thane District

The 22nd October 1981

Notice of termination of service issued under Rule 5(1) of C.C.S. (Ty. Service) Rules 1965

No. 1878/E.3/SCS.—In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5 of C.C.S. (Ty. Services) Rules 1965, I. R. A. Borkar, Joint Director of Audit, Defence Services, Bombay hereby give notice to Shri S.C. Sharma that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on, or as the case may be tendered to him.

To

Shri S. C. Sharma,  
C/o H. P. Sharma,  
V. Kherli Hafizapur,  
P.O. Gurukul Sikandarabad,  
Dist. Bulundshahr (U.P.)  
Pin-203 202.

R. A. BORKAR  
Joint Director of Audit,  
Defence Services, Bombay

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
(OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS)

New Delhi-110022, the 12th November 1981

AMENDMENT TO NOTIFICATION

No. AN-II/2603/81-I.—In partial modification of this office Notification bearing No. AN-II/2603/81-I dated 26th October, 1981, the name of the Officer shown against Serial No. 74 may be amended to read as Sohan Singh Nanda instead of Sohan Lal Nanda as already notified.

A. K. GHOSH  
Dy. Controller Genl. of Defence Accts. (Prof)

MINISTRY OF COMMERCE  
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF  
IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 20th November 1981

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/723/64-Admn. (G)/6449-A.—On attaining the age of superannuation, Shri D. D'Souza Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay is permitted to retire from

Government service with effect from the 31st October, 1981 afternoon.

A. N. KAUL  
Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 25th November 1981

No. A-19018/448/79-Admn. (G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri K. C. Varghese, Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation) Small Industries Service Institute, Trichur as Asstt. Director (Gr. II) (Economic Investigation) on ad-hoc basis at S.I.S.I., Bangalore with effect from the forenoon of 12th October, 1981, Until further orders.

C. C. ROY  
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS  
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 25th November 1981

No. A-1/1(1066).—The President has been pleased to appoint the following Assistant Directors of Supplies (Grade II) to officiate as Assistant Directors (Grade I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 7-11-1981 for a period of six months or till the UPSC nominees become available, whichever is earlier :—

1. Shri G. M. Rao
2. Shri S. Ganapathy

2. The above officers relinquished charge of the post of Assistant Directors of Supplies (Grade II) and assumed charge of the post of Assistant Director (Grade I) in the office of Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from the forenoon of 7-11-81.

No. A-1/1(1185)/81.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri S. B. Punde, J.F.O. in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta to officiate on Local and ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the same office with effect from the afternoon of 9-11-81 and until further orders.

2. The ad-hoc appointment of Shri Punde as Assistant Director (Gr. II) will not bestow on him any claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

The 30th November 1981

No. A-1/1(1058).—The President has been pleased to appoint the following Assistant Directors of Supplies (Grade II) to officiate as Assistant Directors (Gr. I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') on ad-hoc basis with effect from the dates mentioned against their names, for a period of six months or till the UPSC nominees become available, whichever is earlier :—

- (1) Shri M. L. R. Ramakrishnan—6-11-81 (FN).
- (2) Shri C. Arumugam—6-11-81 (FN).
- (3) Shri L. Lakshminarayan—10-11-81 (FN).

2. The above officers relinquished charge of the post of Assistant Director of Supplies (Grade II) and assumed charge of the post of Assistant Director (Grade I) in the Directorate of Supplies & Disposals, Madras with effect from the dates mentioned against their names.

S. J. KAPOOR  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals

(ADMN. SECTION A—6)

New Delhi-110001, the 17th November 1981

No. A-32013/9/80-A6.—The President is pleased to appoint S/Shri D. Ramanujam and S. Sengupta as Assistant Directors of Inspection (Met.) in the Metallurgical Branch of Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' on regular basis w.e.f. the forenoon of 22-9-1981.

S/Shri Ramanujam & Sengupta will be on probation for a period of 2 years from 22-9-1981.

P. D. SETH  
Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
(FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 21st November 1981

No. 3/4/62-E(I).—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri N. Narasingha Rao, permanent cameraman Films Division, Bombay to officiate as Chief Cameraman in the same office with effect from 2-11-1981 (FN) until further orders vice Shri M. M. Valdivya, Permanent Chief Cameraman on deputation to Film and Television Institute of India, Pune.

The 23rd November 1981

No. 5/30/60-E(I).—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri B. V. Krishnan officiating Maintenance Engineer in the Films Division, New Delhi to officiate as Laboratory Engineer, in the same office w.e.f. 1-10-1981 (FN) vice Shri Y. J. Kenny, Laboratory Engineer retired.

The 25th November 1981

(CORRIGENDUM)

No. A-12026/5/81-Est. I.—In partial modification of this office notification of even number dated the 19th October, 1981 the name of the Accounts Officer may please be read as AJIT KUMAR DATTA CHAUDHURY and not Ajit Kumar Dutta Chaudhary as mentioned therein.

S. K. ROY  
Assistant Administrative Officer  
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 14th October 1981

No. A-32013/1/80 (HQ) Admn-I.—The President is pleased to appoint Kum. L. M. Rebello to the post of Deputy Assistant Director General (DHE) in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services New Delhi with effect from the forenoon of 5th June, 1981 in a temporary capacity until further orders.

2. Consequent upon her appointment as Deputy Assistant Director General (DHE), Kum. L. M. Rebello relinquished the charge of the post of Deputy Assistant Director General (R) in the Central Health Education Bureau with effect from 5-6-81 (forenoon).

O. P. BALI  
Deputy Director Administration (PH)

New Delhi, the 27th November 1981

No. A. 12025/25/80(NMEP)/Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri K. K. Mathur to the post of Assistant Director (Entomology) in the National Malaria Eradication Programme in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 14th October, 1981 and until further orders.

Consequent on his appointment to the post of Assistant Director (Entomology) under the National Malaria Eradication Programme Directorate, Shri K. K. Mathur relinquished the charge of the post of Deputy Assistant Director (Entomology) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, with effect from 13-10-1981 (A.N.).

No. A. 31014/6/80(NICD)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. L. Wadhwa in a substantive capacity to the permanent post of

Administrative Officer at National Institute of Communicable Diseases, Delhi, with effect from the 1st September, 1979.

No. A.31013/4/81-Admn.I.—The President is pleased to appoint M. V. Singh in the post of Director, Child Guidance Clinic, Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi in a substantive capacity with effect from 14th February, 1980.

The 30th November 1981

No. A. 32014/4/80(JIP)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri L. Navaneeth Krishnan to the post of Assistant Administrative Officer at the Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education & Research, Pondicherry, from the afternoon of 19th October, 1981, on a purely *ad-hoc* basis and until further orders.

Consequent on his appointment as Assistant Administrative Officer Shri L. Navaneeth Krishnan relinquished charge of the post of Assistant Accounts Officer at Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education & Research, Pondicherry, on the afternoon of 19th October, 1981.

No. A. 32014/4/80(JIP)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri T. Vangadasamy to the post of Assistant Accounts Officer at the Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education & Research, Pondicherry, from the forenoon of 21st October, 1981, on a purely *ad-hoc* basis and until further orders.

No. A. 32014/4/80(JIP)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. Gnanaswamy to the post of Assistant Administrative Officer at the Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education & Research, Pondicherry, from the afternoon of 19th October, 1981, on a purely *ad-hoc* basis and until further orders.

T. C. JAIN,

Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE  
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND  
COOPERATION)

DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 23rd November, 1981

No. F. 2-10/81-Estt.(I).—Shri H. S. Gautam, Supdt. (Gr. I) is appointed to work as Hindi Officer Group 'B' (G.C.S.) (Gazetted) (Ministerial) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture (Deptt. of Agriculture & Cooperation) purely on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 12th November 1981 until further orders.

K. G. KRISHNA MOORTHY  
Director (Admn.).

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Fardiabhad, the 18th November 1981

No. A-19023/9/81-A.III.—The *ad-hoc* appointment of Shri N. J. Pillai to the post of Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Bombay has been extended upto 31-12-1981 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

B. L. MANIHAR  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser  
to the Govt. of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 21st November 1981

No. Ref. PA/79(4)/80-RIII.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints to the following officials to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on *ad-hoc* basis for the period indicated against each:

S. No.	Name	Present designation	Period From To
1.	Shri J. A. Lasne	Assistant	5-10-81—13-11-81
2.	Shri S. R. Pinge	SGC	12-10-81 13-11-81

The 23rd November 1981

No. PA/76(3)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Navnilal Mansukhdas Shah, Section Officer from Western Railway, Bombay on deputation as Assistant Accounts Officer in BARC in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from November 13, 1981 (FN), to November 12, 1983 (AN), or until further orders, whichever is earlier.

The 30th November 1981

No. PA/73(13)/81-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Pradmod Jagdishchandra Sharma as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of October 21, 1981 to the afternoon of November 22, 1981.

A. SANTHAKUMARA MENON,  
Dy. Establishment Officer.

Bombay-400 085, the 26th November 1981

No. J-425/Estt.II/4615.—Shri Cherumood Puthanveed James, a permanent Assistant and officiating Asstt. Personnel Officer in this Research Centre voluntarily retired from Government service under FR 56(k) on the afternoon of August 4, 1981.

KUM. H. B. VIJAYAKAR,  
Dy. Establishment Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 18th November 1981

No. DPS/21/1(2)/78-Est./22558.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Damodar Devappa Nayak, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from November 16, 1981 (FN), in the same Directorate until further orders.

K. P. JOSEPH, Administrative Officer.

ATOMIC MINERALS DIVISION

Begumpet, Hyderabad-500 016, the 24th November 1981

No. AMD-1/37/80-Recdt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Jugal Kumar Dash as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of November 23, 1981 until further orders.

The 25th November 1981

No. AMD-1/1/81-Recdt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Satya Deo Rai as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from afternoon of November 18, 1981 until further orders.

The 27th November 1981

No. AMD-1/1/81-Recdt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Raiender Prasad Balwan as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of November 13, 1981 until further orders.

The 28th November 1981

No. AMD-1/7/79-Adm.—In continuation of this Office Notification of even number dated August 21, 1980, Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri J. K. Sharma, permanent Upper Division Clerk and officiating Accountant in the Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division on *ad-hoc* basis with effect from 10-2-1981 to 29-3-1981.

No. AMD-4, 2/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri Dinesh Kumar Gupta, permanent Draftsman 'C', as Scientific Officer/Engineer 'SB' in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1981 until further orders.

The 30th November 1981

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Abhiram Singh Sachan as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of November 19, 1981 until further orders.

M. S. RAO  
Sr. (Admn.) & Accounts Officer

#### REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603 102, the 2nd November 1981

No. A.32013/13/81/11988.—The Director, Reactor Research Centre hereby appoints the under mentioned officials of this Centre as temporary Scientific Officers/Engineers Grade SB in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from August 1, 1981 until further orders.

Sl. No.	Name	Present status
---------	------	----------------

1. Shri A. D. Varadhan, Quasi-permanent Assistant Foreman and Officiating Foreman.
2. Shri A. L. Palaniappan, Quasi-permanent Assistant Foreman and Officiating Foreman.
3. Shri R. Veluswamy, Permanent Scientific Assistant (B), and Officiating Foreman.
4. Shri N. Easwaran, Quasi-permanent Assistant Foreman and Officiating Foreman.

S. PADMANABHAN,  
Administrative Officer,

#### DEPARTMENT OF SPACE

##### CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560009, the 24th November 1981

No. 9/58/81-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to appoint on deputation from the State Public Works Department, Government of Tamil Nadu, Shri P. Mydeen Maluk Mohamed, Assistant Engineer of that Office as Engineer SB in an officiating capacity with effect from the forenoon of November 9, 1981 and until further orders.

M. P. R. PANICKER  
Administrative Officer-II  
for Chief Engineer.

Bangalore-560 009, the 12th November 1981

No. 6/2/81-CED(H)/9428.—The Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, is pleased to promote Shri S. K. Abdul Jaleel, Technical Assistant-C, Civil Engineering Division, Department of Space as Engineer-SB in an officiating capacity in the same Division with effect from the forenoon of October 1, 1981 and until further orders.

M. P. R. PANICKER  
Administrative Officer-II

#### ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560 058, the 13th November 1981

No. 020/3(061)/A/81.—As per ISRO Headquarters Office Order No. HQ-ADMN : 420(5)-3 dated April 15, 1981 and on transfer from Vikram Sarabhai Space Centre, Trivandrum Shri K. Sreenivasan has assumed charge as Assistant Accounts Officer in the ISRO Satellite Centre, Bangalore with effect from the forenoon of May 8, 1981.

S. SUBRAMANYAM  
Administrative Officer-II

#### MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

##### INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 30th November 1981

No. A. 32014/4/81-E.I.—The Director General of Meteorology hereby appoints the undermentioned Professional Assistants, India Meteorological Department, as Assistant Meteorologists, in an officiating capacity in the same Department with effect from the dates mentioned against their names and until further orders.

1. Shri T. K. Basu, 27-4-1981.
2. Shri H. L. Chakraborty, 15-4-1981 allowed to officiate as Assistant Meteorologist on short term basis w.e.f. 4-3-81.
3. Shri Vishnu Sahai, 1-10-1981.
4. Shri Rabindra Mohan, 8-6-1981.
5. Shri I. C. Ganda, 1-10-1981.
6. Shri P. C. Datta, 15-4-1981 allowed to officiate as Assistant Meteorologist on short term basis w.e.f. 3-3-81.
7. Shri P. B. Majumder, 1-10-1981.
8. Shri Rangi Lal, 11-6-1981.
9. Shri S. R. Halder, 1-10-1981.
10. Shri Moti Lal Sarkar, 1-7-1981.
11. Shri S. R. Roy, 29-6-1981.
12. Shri Bhajan Lal, 13-8-1981.

K. MUKHERJEE,  
(Meteorologist (Establishment))  
for Director General of Meteorology.

New Delhi-3, the 26th November 1981

No. A. 12040/181-E.I.—The President is pleased to appoint Shri L. R. Meena as Meteorologist Grade II in the India Meteorological Department in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th September, 1981 and until further orders.

No. A. 12040/1/81-E.I.—The President is pleased to appoint the following as Meteorologist Grade II in the India Meteorological Department in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th September, 1981 and until further orders:—

1. Shri L. S. Rathore.
2. Shri R. P. Samui.
3. Shri S. Krishnaiah.
4. Shri Brij Bhushan.
5. Shri B. Mukhopadhyay.
6. Dr. S. R. H. Rizvi.
7. Shri B. S. Jadaun.
8. Dr. O. P. Singh.
9. Shri Y. E. A. Raj.

S. K. DAS,  
Additional Director General of Meteorology.

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 26th November 1981

No. A. 32014/5/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri V. M. Kattermal, Technical Assistant, Aero. Comm. Sqn., Washim to the grade of Assistant Technical Officer on regular basis w.e.f. 5-11-81 (AN), and to post him in the same station.

No. A. 38013/1/81.—Shri M. K. Gore, Assistant Technical Officer in the office of the Director of Communication, Aeronautical Communication Station, Bombay Airport, Bombay relinquished charge of his office on 31-10-81 (AN) on retirement on attaining the age of superannuation.

PREM CHAND  
Assistant Director (Admn.)

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bhubaneswar, the 25th November 1981

C. No. 12/81.—Shri Purusottam, Sahu, Superintendent, Central Excise & Customs Group 'B' posted at Collectorate Hdqrs. Office, Bhubaneswar retired from Government Ser-

vice from this Department on Superannuation in the afternoon of 31st October, 1981.

C. No. 13/81.—Shree Ramakanta Naik, Superintendent, Central Excise and Customs, Group 'B' posted at Balasore Range under Cuttack Division retired from Government Service from this Department on Superannuation in the afternoon of the 31st October, 1981.

P. N. SARANGI,  
Assistant Collector (HDQRS)  
Central Excise & Customs Bhaubaneswar

**MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT  
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING**

Bombay-1, the 28th November 1981

No. 2-SH(1)/80.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Mahendra Singh, as Engineer & Ship Surveyor, in the Mercantile Marine Department, Bombay, in a temporary capacity with effect from 8th July, 1981 (F.N.) until further orders.

S. M. OCHANEY  
Sr. Dy. Director General of Shipping

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD  
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES**

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Pioneer Savings Private Limited*

Shillong, the 14th October 1981

No. 1504(560)(3)/2197-98.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of M/s. Pioneer Savings Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 as of  
M/s. Phono Panacea Private Limited.*

Shillong, the 14th October 1981

No. 1600/560(3)/2201-02.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of M/s. Phono Panacea Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. R. KOM  
Registrar of Companies  
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,  
Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Rammohan Films Private Limited.*

Pondicherry-1, the 26th November 1981

No. 95/(560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the "RAM MOHAN FILMS PRIVATE LIMITED" has this day been struck off and the said Company dissolved.

B. KOTESWARA RAO  
Registrar of Companies  
Pondicherry

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Ramakrishna Agencies Private Limited.*

Hyderabad, the 30th November 1981

No. 422/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Ramakrishna Agencies Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU  
Registrar of Companies  
Andhra Pradesh, Hyderabad



FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
H' BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/3-81/7587.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3480, situated at Nicholson Road, Mori Gate Delhi (3/10) undivided shares) (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Radhey Sham s/o  
Late Pandit Siri Narain Sharma,  
r/o N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Kumar, and  
(2) Sh. Tarvinder Kumar  
ss/o Shri Bodh Raj,  
r/o 3489, Nicholson Road, Mori Gate,  
Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/10 undivided share of built property bearing No. 3480, situated in Nicholson Road, Mori Gate, Delhi, with the 3/10 share of the land measuring 1,403 sq. yds. under the said share of the said property.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

H-Block, Vikas Bhavan,  
I.P. Estate, New Delhi

Date : 26-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
'H' BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st December 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-1/3-81/7510.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHTbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 7976, situated at Mohalla Sheikhan, Bara Hindu Rao,  
Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
on March, 1981for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—(1) Hafeez Ullah, Shafiqullah, Jamilulrehman,  
ss/o Shariat Ullah,  
and others,  
r/o 6544, 7974, 7983, Bara Hindu Rao,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Mohd. Nafeez s/o Hafeez Ullah,  
7976, Mohalla Sheikhan, Bara Hindu Rao,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 7976, Mohalla Sheikhan, Bara Hindu Rao,  
Delhi.SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
H-Block, Vikas Bhavan,  
I.P. Estate, New DelhiDate : 1-12-1981  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-II/3-81/4283.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 62, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Kishan Handa s/o  
L. Boota Mal, r/o  
J-5/62, Rajouri Garden,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Harkishan Lal Sabharwal s/o  
Lachhman Dass, r/o  
16/1022, Main Arya Samaj Road, Karol Bagh,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 62, Block J-5, Rajouri Garden, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
H Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,  
New Delhi.

Date : 19-11-1981

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-II/3-81/4296.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land, situated at Village Holumbi Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Om Parkash, Hari Parkash & Jai Bhagwan,  
s/o Malkhan,  
r/o Village & P.O. Holumbi Kalan,  
Delhi.  
(Transferor)
- (2) Ch. Kchar Singh s/o Salig Ram,  
r/o Village Shahpur Garhi, P.O. Narela,  
Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land Village Holumbi Kalan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
H-Block, Vikas Bhavan,  
I. P. Estate, New Delhi

Date : 19-11-1981  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-II/3-81/4301.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land,

situated at Block Alipur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
19—376GI/81

(1) Shri Sacha Nand  
s/o Shri Maya jemi  
R/o 4/12, East Patel Nagar, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Sham Lal Goel, s/o  
Shri Bansi Ram, r/o  
17/16, Shakti Nagar, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land, Block Alipur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
H-Block, Vikas Bhavan,  
I. P. Estate, New Delhi

Date : 19-11-1981

Seal :

FORM U.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-II/3-81/4312.—Whereas, **J. VIMAL VASISHT**,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-13/A, situated at New Multan Nagar,  
Main Rohtak Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Devi Dass Sardana w/o  
Shri Nathu Ram Sardana,  
r/o No. 963, Farash Khana,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jai Kumar Goel s/o Moji Ram,  
r/o 7055, Gali Tanki Wadi,  
Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. C-13/A, New Multan Nagar, Main Rohtak Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
H-Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,  
New Delhi.

Date : 19-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/3-81/7633.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 622 (old) 1863 New situated at Chirakhana, Maliwara, Ward V, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Surinder Kumar alias Surendra Singh, alias Munna Babu alias Kanti Kumar s/o L. Sardar Singh, r/o Indra Spinning & Weaving Mills Jeoni Mandi, Agra.

(Transferor)

- (2) Smt. Shalini Rakya, w/o Shanti Kumar Rakyan, r/o 1863, Chira Khanna, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property No. 662(old), 1863(New) at Chirakhana, Maliwara, Ward V, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
H-Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,  
New Delhi.

Date : 19-11-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II,****H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI**

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-1/3-81/7690.—Whereas **I, VIMAL VASISHT**,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3618, situated at Chawri Bazar, Ward No. VI, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pawan Kumar s/o Suman Chand, and others,  
r/o Roshan Mahal, Moholla Sapatuwalan, Panipat, Distt. Karnal.  
(Transferor)
- (2) Shri Lal Chand s/o Kanshi Ram Khurana, and others,  
r/o H. No. 2, Silver Park, Shivpuri, Krishan Nagar, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property No. 3618 Chawri Bazar, Ward No. VI, Delhi.

**SMT. VIMAL VASISHT**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
H-Block, Vikas Bhavan  
I. P. Estate, New Delhi

Date : 19-11-1981  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
'H' BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/3-81/7626.—Whereas J. VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 981-982, situated at Raja Wali Gali, Farash Khana, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) L. Shri Krishan Gupta, s/o  
Piare Lal Gupta & others,  
r/o 982, Raja Wali Gali,  
Farash Khana, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Makhan Lal Piare Lal  
HUF Karta Ram Avtar Gupta,  
& Others,  
r/o 981, Raja Wali Gali,  
Farash Khana,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 981-982, Raja Wali Gali, Farash Khana, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
H-Block, Vikas Bhavan,  
I. P. Estate, New Delhi

Date : 19-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-II,'H' BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/3-81/7615.—Whereas 1, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000.- 13A, situated at 1st Floor, Qutab Road Flat, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Surinder K. Paul,  
s/o Ram Dass Paul,  
r/o 2-C/29, New Rohtak Road,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jain Kumar Jain,  
s/o Chhottey Lal,  
r/o 4799, Deputy Ganj, Sadar Bazar,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 13A, 1st Floor, Qutab Road Flat, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II,  
H-Block, Vikas Bhavan,  
I. P. Estate, New Delhi

Date : 19-11-1981  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

H' BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/3-81/7809.—Whereas J. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 2453, situated at Ward No. 5 Mohalla Nai Wara, Chawri Bazar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Veer Singh s/o Jeeta Singh,  
H/o 2564, Mohalla Nai Wara, Chawri Bazar,  
Delhi (Transferor)
- (2) Shri Tara Chand Jha, & other sons of  
Sh. Ram Parshad Jha,  
H. No. 2453, Mohalla Nai Wara,  
Chawri Bazar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 2453, Ward No. 5, Mohalla Nai Wara, Chawri Bazar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
H-Block, Vikas Bhavan,  
I. P. Estate, New Delhi

Date : 19-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
'H' BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/3-81/7555.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

843-44, situated at Kt. Ghee, Nohar Sadat Khan, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vijay Kumar Jaipuria  
s/o L. Chiranjil Lal,  
r/o 340 Naya Katra,  
Chadni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Maya Devi w/o Suraj Bhan,  
and others,  
r/o 1938, Katra Subedar Khan, Lal Kuan,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 843-44, Katra Ghee, Naya Sadat Khan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II,  
H-Block, Vikas Bhavan,  
I. P. Estate, New Delhi

Date : 19-11-1981  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
'H' BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/3-81/7490.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 841-842, situated at Ward III, Katra Ghee, Nahar Sadat Khan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
20—376GI/81

- (1) Shri Vijay Kumar Jaipuria,  
s/o Seth Chiranji Lal Jaipuria,  
r/o 340 Naya Katra,  
Chadni Chowk, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Suraj Bhan s/o Radha Kishan,  
r/o 1038, Lal Kuan Katra Subedar Khan,  
Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Nos. 841-842 Ward III, Katra Ghee, Nahar Sadat Khan.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
H-Block, Vikas Bhavan,  
I. P. Estate, New Delhi

Date : 19-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
'H' BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/3-81/7617.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

309 &amp; 309A situated at Karta Gouri Shanker, Chandani Chowk Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Banarsi Dass s/o Kanhya Lal,  
r/o 421, Haveli Haider Kuli,  
Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kiran Mala, w/o  
Tanu Lal, r/o  
2/5, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 309 & 309A, Kt. Munshi Gouri Shanker,  
Chandni Chowk, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
H-Block, Vikas Bhavan,  
I.P. Estate, New Delhi

Date : 19-11-1981  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II,  
ACQUISITION RANGE-II,  
'H' BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/3-81/7507.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11568, situated at Shakti Nagar, Delhi

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri R. P. Sharma s/o Pt. Ram Chand,  
r/o 36, Sri Nagar Colony,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jai Ram Sharma,  
s/o Pt. Udev Singh,  
& others,  
r/o Village Kharka, Distt. Rohtak,  
Haryana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 11568, Shakti Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
H-Block, Vikas Bhavan,  
I.P. Estate, New Delhi

Date : 19-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Kirti Parshad  
R/o 51, Friends Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sukhbir Saran Aggarwal HUF  
R/o 2003, Kt. Lachhu Singh,  
Dr. Sen Road, Fountain,  
Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/ACQII/SR-I/3-81/7575.—Whereas I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. Mpl. 1892 situated at Chandani Chowk, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe, that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mpl. No. 1892, Chandani Chowk, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range II,  
H-Block, Vikas Bhavan,  
I.P. Estate, New Delhi.  
New Delhi

Dated : 12-11-1981  
Seal :



FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7498.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHT

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mpl. No. 5005 to 5008 situated at Ward No. 41, Kucha Rehman, Ch. Ch. Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Abdul Mojeed 5412 Kucha Rehman,  
Chandani Chowk Delhi.

(Transferor)

(2) Mst. Logioli Bi, Mehfabuddin Suladdin  
2351, Sraraj Masjid, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mpl. No. 5005 to 5008, Ward No. 41, Kucha Rehman,  
Ch. Ch. Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range II,

H-Block, Vikas Bhavan,

I.P. Estate, New Delhi.

Dated : 19-11-1981

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7577.—Whereas, I,  
VIMAL VASISTH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Mpl. 1892 situated at Chandani Chowk, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Annpoorna Devi  
W/o Shri Ram Parshad  
R/o 81, Friends Colony, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sukhbir Saran Aggarwal HUF  
R/o 2003, Kt. Lachhu Singh,  
Dr. Sen Road, Fountain,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mpl. No. 1892, Chandani Chowk, Delhi.

SMT. VIMAL VASISTH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
H-Block, Vikas Bhavan,  
I.P. Estate, New Delhi.

Dated : 12-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/3-81/7608.—Whereas, I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mpl. No. 437/487 situated at Katra Ishwar Bhawan, Khari Baoli, Ward No. III, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kashi Ram adopted s/o Shri Nandu Mal & others  
r/o 185, Ward No. 10,  
Mohalla Damdama, Jhajjar,  
Distt. Rohtak, Haryana.

(Transferor)

- (2) Shri Suresh Kumar Gupta  
s/o Shri Begraj Gupta  
r/o 27/26, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mpl. No. 437/487 Kt. Ishwar Bhawan at Khari Baoli, Ward No. III, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
New Delhi

Dated : 16-11-1981  
Seal :

~~FORM ITNS~~

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7578.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mpl. 1892 situated at Chandani Chowk, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rajni Parshad  
R/o 51, Friends Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sukhbir Saran Aggarwal HUF  
R/o 2003, Kt. Lachhu Singh,  
Dr. Sen Road, Purnima,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mpl. No. 1892, Chandani Chowk, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II,  
New Delhi

Dated: 12-11-1981  
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7616.—Whereas, I,  
SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. XI/2805 situated at Kucha Chelan, Daryan Ganj, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—376GI/81

(1) Shri Ramsaran Dass  
s/o Shri Dula Ram  
R/o 2804 Kucha Chelan,  
Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Prem Lata Tripathi  
w/o Shri Raj Kishore Tripathi  
r/o 2805 Kucha Chelan, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. XI/2805, Kucha Chelan, Darya Ganj, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II,  
New Delhi

Dated : 19-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/4310.—Whereas, I,  
SMT VIMAL VASISHTbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. H-93/1 situated at Shivaji Park, Vill. Madipur, Delhi  
State, Delhi(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at  
New Delhi on March, 1981for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

- (1) Shri Sardari Lal Mehra  
s/o Shri Sham Dass Mehra  
C/o Central Bank of India,  
Pathankot, Punjab.

(Transferor)

- (2) Smt. Kamla Wati Sachdeva  
w/o Shri Krishan Chand Sachdeva  
R/o H-93/1, Shivaji Park,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. H-93/1, Shivaji Park, Vill. Madipur, Delhi State.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range-II,  
New Delhi

Dated : 19-11-1981

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Maharaji Devi  
w/o Shri Hanuman Giri  
R/o No. D-43, Kamla Nagar, Delhi. (Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Joginder Singh  
s/o Shri Sarup Singh  
R/o 8/5 Singh Sabha Road, Delhi. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7542.—Whereas, I,  
SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Mpl. 6187 to 6189 situated at Ward No. XXII, on plot No. 3, Block F, Kamala Nagar, S/Mandi, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Mpl. No. 6187 to 6189 Ward No. XII, on plot No. 3 Block F Kamla Nagar, S/Mandi, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
New Delhi

Dated : 19-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7538.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3/7 situated at West Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ram Piari Sehgal  
wd/o Shri Chuni Lal Sehgal  
lessee of property No. 3/7  
West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Chand  
s/o Shri Chhango Mal  
R/o C-37, West Patel Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 3/7, West Patel Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II,  
New Delhi

Dated : 19-11-1981

Seal :



FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.I4/SR-I/3-81/7567.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3499 situated at Faiz Bazar, Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. K. Sharma alias Kishan Kumar  
s/o Shri Om Parkash  
R/o 3491, Kucha Lalman,  
Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Radha Devi  
w/o Shri Kirpa Shanker Shastri  
R/o 255, Delhi Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3499, Kucha Man, Faiz Bazar, Darya Ganj, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
New Delhi

Dated : 19-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7554.—Whereas, I,  
SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mpl. Nos. 2115, 2116-17 situated at Chan Indara, Jubilee Cinema, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Siri Ram Sharma  
R/o DCM Qr. No. 5, Bara Hindu Rao,  
Delhi. (Transferor)
- (2) Miss. Asha Kumari Aggarwal  
R/o 2003, Katra Lachhu Singh,  
Fountain, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mpl. Nos. 2115 to 2117, Chan Indara, Jubilee Cinema  
Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
New Delhi

Dated : 19-11-1981  
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7649-A.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 90/100 situated at Plot No. B-82, Wazirpur Industrial Area, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Iqbal Nath  
s/o Shri Dina Nath  
R/o B-82, Wazirpur Industrial Area,  
Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Shakuntla Devi  
w/o Shri Suraj Bhan  
R/o Kothi No. 15, on Road No. 6,  
Punjabi Bagh, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

90/100 on Plot No. B-82, Wazirpur Industrial Area, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I,  
New Delhi

Dated : 12-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-81/4323.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Holambi Khurd, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Ram Pat & Munshi  
ss/o Shri Jit Ram,  
R/o Vill. Holambi Khurd, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Jit Kaur  
w/o Mahipal Singh  
R/o Vill. Ali Pur, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land. Vill. Holambi Khurd, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition RangeII,  
New Delhi

Dated : 19-11-1981  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Padma Punjabi  
w/o Shri Om Parkash Punjabi  
R/o 1870-B, Tri Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SH.I/3-81/7597.—Whereas, I,  
SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
Shop No. 2 situated at property No. 6514 in ward No. XII,  
Kamla Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceed the apparent consideration therefor by more than fif-  
teen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—  
22—376GI/81

(2) Shri Rajendera Kumar  
s/o Shri Hari Shanker  
R/o 88-A, Kamla Nagar, Delhi & other

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later.

(b) by any other persons interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 2, Property No. 6514 in ward No. XII, Kamla  
Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II,  
New Delhi

Dated : 19-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Parshad  
R/o 51, Friends Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sukhbir Saran Aggarwal, HUF  
R/o 2003, Kt. Lachhu Singh Fountain,  
Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SH-I/3-81/7576.—Whereas, I,  
SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. 1892 Chandani Chowk, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has  
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at  
New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective per-  
sons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mpl. No. 1892, Chandani Chowk, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
New Delhi

Dated : 12-11-1981  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SH-I/3-81/4336.—Whereas, I,  
SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Agri. land situated at Killa Nos. 3 & 4, Vill. Palam,  
New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) S/Shri Jug Lal and Jai Lal  
s/o Shri Goverdhan  
R/o Vill. Palam, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Ranjit Kumar Dey  
s/o L. C. H. Dey  
R/o 11/6, Malviya Extn.  
New Delhi & others

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Killa Nos. 3 and 4, Vill. Palam, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
New Delhi

Dated : 19-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-81/4376.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Dhari  
s/o Shri Jat Ram  
R/o V&PO Tikri Kalan, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Sita Devi  
w/o Shri Ishwar Singh  
R/o WZ 1817, Multani Mohalla, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Tikri Kalan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
New Delhi

Dated : 19-11-1981  
Seal :



FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/3-81/4324.—Whereas, I,  
SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Holambi Khurd, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Ram Pal & Munshi  
s/o Shri Jit Ram  
r/o Vill. Holambi Khurd, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Mahipal Singh  
s/o Shri Dharam Singh  
r/o Vill. Alipur, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Holambi Khurd, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
New Delhi

Dated : 19-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-81/4325.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Holambi Khurd, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Ram Pat and Munshi  
s/o Shri Jit Ram  
r/o Vill. Holambi Khurd, Delhi.

(Transferor)

(2) S. Joginder Singh  
s/o Shri Ram Pat and  
Shri Rohtash Singh  
r/o Shri Munshi Rani  
r/o Holambi Khurd, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Holambi Khurd, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
New Delhi

Dated : 19-11-1981  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-81/4367.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. WZ-125-A situated at Naraina, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Mehar Chand  
s/o Shri Binda Mal  
R/o Shere Punjab Market,  
Patiala.

(Transferor)

(2) Shri G. S. Bhatia  
s/o Shri H. S. Bhatia  
R/o D-26, Narain Vihar  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. WZ-125-A, Naraina, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II,  
New Delhi

Dated : 19-11-1981  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-81/4358.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 25/6 situated at Tilak Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Chaman Lal  
as GA Smt. Sita Rani Sethi R/o  
23/768, Tilak Nagar,  
New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Usha Rani, W/o  
Shri Subhash Chander, R/o  
17/41A Tilak Nagar,  
New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 25/6 Tilak Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I,  
New Delhi

Dated : 19-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-81/4364.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Holambi Khurd, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

23—376GI/81

(1) Shri Sher Singh alias Sherr, s/o  
Shri Jaggan, r/o  
Vill. Holambi Khurd,  
Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Munshi Ram and Ram Pat s/o  
Shri Jit Ram R/o  
Vill. Holambi Khurd,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, Vill. Holambi Khurd, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
New Delhi

Dated : 19-11-1981  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Aboobaker, s/o Moideen, Anjikkath House, Thrikkakara, B.M. College P.O., Cochin-21.  
(Transferors)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jikku Issac, Palathinkal, Palarivattom, Cochin-25.  
(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 16th November 1981

Ref. L.C. 544/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Thrikkakara Theku (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Edappally on 26-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

19.229 cents of land in Survey No. 637/5 of Puthappalliprum Kara, Thrikkakara Thekkum Pakutty of Kanayannoor Taluk.

T. Z. MANI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated 16-11-1981  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 16th November 1981

Ref. L.C. 545/81-82.—Whereas, I. T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Thrikkakkaratheku (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at Edappally on 26-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) A. M. Kareem, S/o Moideen, Anjikathu House, Thrikkakara, B.M. College P.O., Cochin-21.  
(Transferor)

(2) Jikku Issac, "Palathinkal", Palarivattom, Cochin-25.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

20 cents of land in Survey No. 637/5 of Puthupallipuram kara, Thrikkakara thekkumpakuthy of Kanayannoor Taluk.

T. Z. MANI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated : 16-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR. PATNA-800 001

Patna-800 001, the 20th November 1981

Ref. No. III 524/Acq./81-82.—Whereas, I,  
H. NARAIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

bearing Tauzi No. 5854 Thana No. 17 Khata No. 174 No. 414, situated at Sikendarpur Mahal Rustampur Sahpur P. S. Dinapore Dist. Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dinapore on 19-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bimla Jaiswal W/o Sri Lalji Jaiswal R/O Gavtal Dinapore Dist. Patna.  
(Transferor)
- (2) Shri Gupta Traders through one of the Director Shri Krishna Bhagwan Gupta S/O Shri Sohanlalji Gupta, R/O 210 Patliputra Colony P.O. Patliputra Colony Dist. Patna.  
(Transferee)
- (3) SHRI  
(Person in occupation of the property)
- (4) SHRI  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 22 decimals at Mouza Sikendarpur Mahal Rustampur Sahpur PS. Dinapore Dist. Patna morefully described in deed No. 1144 dated 19-3-1981 registered with Sub-registrar Dinapore.

H. NARAIN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Dated : 20-11-1981  
Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 20th Novmber 1981

Ref. No. III-523/Aiq./81-82.—Whereas, I,  
H. NARAIN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Khesara No. 414, situated at Sikendarpur Mahal Rustampur  
Sahpur P. S. Dinapore Dist. Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Dinapore on 3-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefore by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys of other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Shanker Das Mahta S/O Late Narain Mahta  
R/O Gavtal Tarkaria Bazar Dinapore P.O. Digha  
Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Gupta Traders through one of the Director  
Shri Krishna Bhagwan Gupta S/O Shri Sohanlalji  
Gupta R/O 210 Patliputra Colony P.O. Patilputra  
Colony Dist. Patna.

(Transferee)

(3) SHRI

(Person in occupation of the property)

(4) SHRI

(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 22 decimals at mouza Sikendarpur Mahal Rustampur  
Sahpur P. S. Dinapore Dist. Patna morefully described in  
deed No. 924 dated 3-3-1981 registered with Sub-registrar  
Dinapore.

H. NARAIN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Dated : 20-11-1981

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th November 1981

Ref. No. A.P. No./2829.—Whereas, I,  
J. S. AHLUWALIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated Vill. Uggi Teh. Nakodar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagdiswar Sahai S/o Jowala Sahai R/O Vill. Uggi Teh. Naodar.  
(Transferor)
- (2) Shri Bachan Singh S/O Sudagar Singh R/O Vill. Uggi Teh. Nakodar.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3143 of March, 1981 of the Registering Authority, Nakodar.

J. S. AHLUWALIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 16-11-1981  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2830.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harbir Singh, Rajbir Singh S/o Joginder Singh and Joginder Singh S/o Bishan Singh and Beant Kaur W/O Joginder Singh, R/O Garden Colony, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Harminder Gill W/O Gurdit Singh and Gurdip Singh Gill S/O Shingara Singh, R/O 429, Mota Singh Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 8054 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2831.—Whereas, I,  
J. S. AHLUWALIA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No., As per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harbir Singh, Rajbir Singh Ss/o Joginder Singh and Joginder Singh S/O Bishan Singh and Meant Kaur W/O Joginder Singh, R/O Garden Colony, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Vijey Kumar Dhir S/O Dewan Gurcharan Dass, Agya Singh S/O Hukam Singh, 429, Mota Singh Nagar, Jullundur and Udham Chand S/O Mangat Ram R/O 104/5, Preetnagar, Ladowali Road, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 8241 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2832.—Whereas, I,  
J. S. AHLUWALIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—376GI/81

(1) Shri Harbir Singh, Rajbir Singh S/o Joginder Singh and Joginder Singh S/O Bishan Singh and Beant Kaur W/O Joginder Singh R/O Garden Colony, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Raj Krishan Puri S/O Hari Kishan R/O Shalimar Road, Kapurthala and Smt. Gurbachan Kaur W/O Gurdial Singh R/O Navin Haweli, Kakiman Gate, Amritsar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 8119, of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

... Ref. No. A.P. No./2833.—Whereas, I,  
J. S. AHLUWALIA,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No As per schedule situated at Partap Colony, Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Pritam Singh S/O Batten Singh R/O Village Jandiara Teh. & Distt. Jullundur.  
(Transferor)
- (2) Shri Satish Kumar Dutta S/O Shri Piara Lal R/O Village Hadaibad, Tehsil Phagwara.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7583 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981  
Seal :

FORM ITN6

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2834.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Partap Colony, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pritara Singh S/O Batten Singh R/O Village Jandiala Teh. & Distt. Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Satish Kumar Dutta S/O Sh. Piara Lal R/O V. Hadiabad Teh. Phagwara. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made, in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 149 of April, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2835.—Whereas, I,  
J. S. AHLUWALIA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. As per schedule situated at V. Singh  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Jullundur on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Shri Ghasita Singh alias Balvinder Singh and Buta  
Singh alias Joginder Singh Ss/O Sh. Bhagat Singh  
R/O V. Singh, Tehsil Jullundur.  
(Transferor)
- (2) Shri Surinder Singh, Sukhvinder Singh Ss/o Mukh-  
tiar Singh R/O V. Singh Teh. Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to  
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days, from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immova-  
ble property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale  
deed No. 7910 of March, 1981 of the Registering Authority,  
Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981

Seal :



**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,**

**ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2836.—Whereas, I,  
**J. S. AHLUWALIA,**

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Village Singh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ghasita Singh alias Balvinder Singh and Buta Singh alias Joginder Singh Ss/o Sh. Bhagat Singh R/O Village Singh, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Surinder Kaur Wife of Sh. Kultar Singh R/O Village Singh Tehsil Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 8095 of March, 1981 of the Registration Authority, Jullundur.

**J. S. AHLUWALIA,**  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981

Seal :

FORM FINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2837.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at New Vijay Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kailash Chander s/o Hari Kishan r/o 230, Adarsh Nagar, Jullundur.  
(Transferor)
- (2) Shri Avtar Singh s/o Shri Amir Singh c/o B. R. Industries, Dada Colony, Industrial Area, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration, sale deed No. 7652 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2838.—Whereas, I,

J. S. AHLUWALIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situate at V. Pragpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Charan Singh s/o Jawand Singh r/o V. Pragpur Teh. & Distt. Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Nazar Singh s/o Shri Sohan Singh r/o V. Pragpur Teh. & Distt. Jullundur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7419, of March, 81 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2839.—Whereas, I,

J. S. AHLUWALIA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at V. Pragpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly, stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Charan Singh s/o Shri Jawand Singh r/o V. Pragpur Teh. & Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Sh. Jarnail Singh, Bhajan Singh & Avtar Singh s/o Shri Nazar Singh r/o V. Pragpur Teh. Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7588 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981

Seal :

**FORM ITNS.—**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2840.—Whereas, I,  
J. S. AHLUWALIA,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act) have reason to believe  
that the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. As per schedule situated at Basti Pir Dad Khan,  
Jullundur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Jullundur on March 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
25—376GI/81

- (1) Shri Chaman Lal, Sohan Lal Ss/o Shri Beli Ram r/o  
Basti Pir Dad Khan, Jullundur.  
(Transferor)
- (2) M/s Vijay Rubber Industries, Basti Nau, Jullundur  
through Shri Om Parkash Partner of the firm.  
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter XXXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property & Persons as mentioned in the registration sale  
deed No. 8319 of March, 81 of the Registering Authority,  
Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**  
**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2841.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Basti Sheikh, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Surrinder Kaur Wife of Sh. Umrao Singh R/O Village Wadala, Teh. Jullundur.  
(Transferor)
- (2) Smt. Ranjit Kaur wife of Sh. Manmohan Singh and Manmohan Singh S/O Sh. Sobha Singh R/O W.Q. 143, Basti Sheikh, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 8020 of March, 1981 of the Registration Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 13-11-1981  
 Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2842.—Whereas, I,  
J. S. AHLUWALIA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
As per schedule situated at Basti Sheikh, Jullundur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Jullundur on March 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefore by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Smt. Surrinder Kaur Wife of Sh. Umrao Singh r/o  
Village Wadala Teh. Jullundur;  
(Transferor)
- (2) Smt. Harbir Kaur w/o Sh. Mohinder Singh r/o  
Basti Sheikh, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale  
deed No. 7422 of March, 1981 of the Registering Authority,  
Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981  
Seal :

**FORM FIVE****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2843.—Whereas, I,  
J. S. AHLUWALLA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
As per schedule situated at Basti Sheikh, Jullundur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Jullundur on March 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Sh. Bakhtawar Singh s/o Sh. Satnam Singh and  
Smt. Surrinder Kaur Wife of Sh. Umrao Singh and  
Amarjit Singh s/o Sh. Umrao Singh r/o Village  
Wadala Teh. Jullundur.  
(Transferor)
- (2) Sh. Bikramjit Singh s/o Jot Singh and Smt. Sat-  
want Kaur d/o Sh. Jot Singh, r/o 413, Model  
House, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property & Persons as mentioned in the registration sale  
deed No. 7423 of March, 1981 of the Registering Authority,  
Jullundur.

J. S. AHLUWALLA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981  
Seal :



FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 21st November 1981

Ref. No. A.P. No./2844.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Basti Sheikh, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Sh. Bakhtawar Singh s/o Sh. Satnam Singh & Surrinder Kaur w/o Sh. Umrao Singh, and Amarjit Singh s/o Sh. Umrao Singh r/o Village Wadala, Tgh. Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Satnam Kaur Wife of Sh. Harbhajan Singh r/o W.P. 156, Basti Sheikh, Jullundur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7424 of March, 81 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2845.—Whereas, I,  
J. S. AHLUWALIA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. As per schedule situated at Basti Sheikh, Jullundur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Jullundur on March 1981

for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property, and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-  
sideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Sh. Umrao Singh s/o Sh. Bakhtawar Singh and  
Smt. Surrinder Kaur w/o Sh. Umrao Singh r/o  
Village Wadala Tehsil Jullundur.  
(Transferor)
- (2) Sh. Balbir Singh, Inder Mohan Singh s/o Sh. Sajan  
Singh r/o WS-65, Basti Sheikh, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale  
deed No. 7421 of March, 1981 of the Registering Authority,  
Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981  
Seal :

**FORM ITN—**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2846.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Basti Sheikh Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Umrao Singh S/o Sh. Bakhtawar Singh  
R/o Village Wadala Teh. Jullundur. (Transferor)
- (2) Sh. Charanjit Singh & Ravinder Jit Singh Ss/o Shri Harbhajan Singh R/O W.P. 156, Basti Sheikh, Jullundur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7463 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd November 1981

Ref. No. A.P. No./2847.—Whereas, I, **R. GIRDHAR**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Rup Lal S/O Baij Nath R/O Gita Mandir, Nai Abadi, Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Sh. Baldev Kumar S/O Kharati Ram C/o M/S Nathu Ram Kharati Ram Dal Bazar, Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4908 of March, 1981 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

**R. GIRDHAR**,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 23-11-1981  
Sent :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Sherjang S/O Ram Narain Vill. Dutaram Wali, Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Sh. Jai Kishan S/O Chanan Lal R/O Mandi Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd November 1981

Ref. No. A.P. No./2852.—Whereas, I.

R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Mandi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Abohar on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3878 of March, 1981 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
26—376GI/81

Dated : 23-11-1981

Seal ;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd November 1981

Ref. No. A.P. No./2863.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Mandi Abohar and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Raja Ram, Prithi Raj, Kewal Krishan, Mohan Lal Ss/O Mohkam Chand R/O Fazilka. (Transferor)
- (2) Shri Hans Raj S/O Narain Dass R/O Sukhara Basti, Abohar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4304 of March, 1981 of the Registering Authority, Fazilka.

R. GIRDHAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 23-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd November 1981

Ref. No. A.P. No./2879.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ferozepur on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Shanti Swaroop S/O Faquir Chand Smt. Sudershan Kumari W/O Surinder Kumar R/O Malvia Nagar, New Delhi. Sh. Narinder Nath S/O Shri Faquir Chand, Smt. Usha Rawal D/O Sh. Faquir Chand, Sh. Ramesh Kumar S/O Sh. Faquir Chand R/O Gobindgarh Through Smt. Satya Monga W/O Ramesh Kumar R/O Gobindgarh Teh. Amloh. (Transferor)
- (2) S/Sh. Ashok Monga, Anil Monga Ss/O Sh. Manohar Lal Monga C/O M/S Salamat Rai Manohar Lal. Ferozepur City. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6975 of March, 1981 of the Registering Authority, Ferozepur.

R. GIRDHAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 23-11-1981  
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd November 1981

Ref. No. A.P. No./2880.—Whereas, I,

R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Mandi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Abohar on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act; to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Sopat Rai S/O Kalu Ram R/O Gali No. 7, House No. 1311, Mandi Abohar. (Transferor)
- (2) Shri Bhim Sain Sachdeva S/o Sh. Mukhi Ram R/o Gali No. 2, Thakar Abadi, Abohar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4037 of March, 1981 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 23-11-1981  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-6

MADRAS-6, the 17th November 1981

Ref. No. F. 16263.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20 situated at Puram Prakash Road, Balaji Nagar Extension, Madras-14 (Doc. 451/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Parvathi Ananda Ram  
20, Puram Prakash Rao Road,  
Balaji Nagar Extension,  
MADRAS-14.

(Transferor)

(2) M. G. Rahima Bee.  
30, Nyniappa Maistry St.,  
MADRAS-640 014.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 20, Puram Prakash Rao Road, Balaji Nagar Extension, Madras-14.  
(Doc. 451/81)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 17-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
KANNAMMAI BUILDING, 2ND FLOOR,  
621 MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madrās-600 006, the 17th November 1981

Ref. No. 103/March/1981.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door Nos. 18, 19 and 20, situated at Gollawar Agrahayam Road, Madras-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Royapuram, Madras on 31-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Jeewanlal (1929) Limited,  
No. 23, Brabourne Road,  
Calcutta (West Bengal).

(Transferor)

(2) Annapalam Ammal Charities,  
No. 8, Thiruvotriyur High Road,  
Madrās-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Land and building at Door Nos. 18, 19 and 20, Gollawar Agrahayam Road, Madras-21—Document No. 477/81).

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 17-11-1981  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
KANNAMMAI BUILDING, 2ND FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th November 1981

Ref. No. 88/Mar./81.—Whereas I. R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S.No. 203/1, (Ward No. 13), situated at Mannarkottai Road, Sattur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sattur on 30-3-1981 (Document No. 792/1981)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Timma Narasimma Nagalakshmi Dharma Trust,  
No. 43-A, Manjanakara Street,  
Madurai.

(Transferors)

(2) Shri M. S. Ramachandran,  
No. 15, Harvey Nagar,  
Madurai-16.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site at Ward No. 13, S. No. 203/1, Mannarkottai Road, Sattur—Document No. 792/81).

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 13-11-1981  
Sd/-

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
KANNAMMAI BUILDING, 2ND FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th November 1981

Ref. No. 89/March/1981.—Whereas J. R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 203/1, situated at Ward No. 17, Mannarkottai Road, Sattur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sattur on 26-3-1981

(Document No. 760/1981)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Timma Narasimma Nagalakshmi Dharma Trust,  
No. 43-A, Manjanakara Street,  
Madurai. (Transferor)

- (2) Shri A. S. Sankareswaran,  
S/o Shri Sankara Reddiar,  
Zamin A. Ramalingapuram Village,  
Sattur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Vacant site at Ward No. 17 (S. No. 203/1), Mannarkottai Road, Sattur—Document No. 760/1981).

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 13-11-1981  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1,  
KANNAMMAI BUILDING, 2ND FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th November 1981

Ref. No. 91/March/1981.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 203/1, Ward No. 13,  
situated at Mannarkottai Road, Sattur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sattur on 27-3-1981

(Document No. 729/1981)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27—376GI/81

(1) M/s. Timma Narasimma Nagalakshmi Dharma Trust,  
No. 43-A, Manjanakara Street,  
Madurai.

(Transferor)

(2) M/s. Sri Venkateswara Industries,  
Zamin A. Ramalingapuram,  
Sattur Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Godown and vacant site at S. No. 203/1, Ward No. 13, Mannarkottai Road, Sattur—Document No. 729/81).

R. RAVICHANDRAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 13-11-1981

Seal:

FORM I.T.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMAI BUILDING, 2ND FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th November 1981

Ref. No. 92/March/1981.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 203/1, situated at Ward No. 13, Mannarkottai Road, Sattur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sattur on 28-3-1981 (Document No. 753/1981)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Timma Narasimma Nagalakshmi Dharma Trust,  
No. 43A, Manjanakara Street,  
Madurai.

(Transferor)

(2) M/s. Sri Venkateswara Industries,  
Zamin A. Ramalingapuram,  
Sattur Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Vacant site at S. No. 203/1, Ward No. 13, Mannarkottai Road, Sattur—Document No. 753/1981).

R. RAVICHANDRAN

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 13-11-1981  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 12th November 1981

Ref. No. C.R. No. 62/30407/80-81/ACQ/B.—Whereas I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 150

situated at Infantry Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagar Bangalore, Document No. 4477/80-81 on 20-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ali Asker Mirza,  
Residing at England,  
Rep. by P.A. holder, Mr. K. Rehman Khan,  
Chartered Accountant  
No. 200/C, 7th Main, 3rd Block, Jayanagar,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s. Cyma Exports Pvt. Ltd.,  
No. 135, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay  
Rep. by its Director,  
Mr. Suresh V. Vora.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4477//80-81 Dated 20-3-1981]

Property bearing No. 150, having land with a dwelling house Cottages, Servants quarters, Out buildings and other constructions. Situated at Infantry Road, Bangalore.

Division No. 59.

Bounded on :

North by : Infantry Road  
South by : Raj Bhavan Road  
East by : Premises No. 149  
West by : Corporation Road.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 12-11-1981

Seal :

## FORM I.T.N.S.-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 18th November 1981

Ref. No. G.I.R. No. O-15/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12/13, situated at Civil Lines, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 25-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Kr. Om Prakash, and  
Smt. Prabha Rani.  
(Transferor)
- (2) M/s. Dhampur Sugar Mills Limited  
13, Civil Lines, Bareilly,  
Through its Director,  
Shri Ashok Kumar Goel.  
(Transferee)
- (3) Above transferee.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 12/13, measuring 2300 sq. ft. situated at Civil Lines, Bareilly and all that description of the property which is mentioned in form 37G No. 1986 and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 25-3-1981.

A. S. BISEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 18-11-1981  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Reverend Mother M. Margarate Selmeiner.  
I.B.M.B.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sushil Solomon.

(Transferee)

(3) Shri Sushil Solomon.  
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 18th November 1981

Ref. No. G.I.R. No. S-223/Acq.—Whereas I, A. S. BIŞEN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land—550 sq. mtrs.  
situated at in the south of Ramney State, Nainital  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Nainital on 11-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 550 sq. mtrs. situated in the  
extreme south of Ramney State, Nainital, and all that des-  
cription of the property which is mentioned in the sale deed  
and form 37G No. 107 which have duly been registered in  
the office of the Sub-Registrar, Nainital, on 11-3-1981.

A. S. BIŞEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 20-11-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/361/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 205, situated at Sector 36A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Col. Mohinder Singh, c/o  
170 MC/MF Detachment,  
c/o 56 A.P.O. (Transferor)
- (2) Dr. (Mrs.) Shanta Kishore,  
S-28, Greater Kailash-II,  
New Delhi. . . (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 205, Sector 36A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 2063 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,

Date : 19-11-1981  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/351/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No 2370, Sector 23-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per-cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Roshan Lal Jain s/o Jangi Lal,  
r/o H. No. 1167, Sector 21-B, Chandigarh  
through Shri Shivdev Singh,  
r/o 274, Sector 10-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Manohar Lal Gakhar s/o  
Shri Roshan Lal, c/o  
M/S Emm Ell Departmental Store,  
SCO No. 7, Sector 17-F,  
Chandigarh.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2370, situated in Sector 23-C, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1987 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-11-1981  
Seal:

FROM I.T.N.S.-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/357/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 253, Sector 37-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri J. S. Bhullar,  
s/o Shri Bachittar Singh,  
through Shri Ghanshyam Dass,  
s/o Shri Jammuna Parshad,  
r/o SCF No. 25, Sector 7-C,

(Transferor)

(2) Mrs. Kavita Marriya, w/o  
Shri Subash Marriya,  
r/o 519, Sector 15-A,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 253, situated at Sector 37-A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the Registered deed No. 2024 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. LDH/576/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House No. B. II 1745 (1745), situated at Chaura Bazar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—376GI/81

(1) Smt. Prem Parkash Kaur,  
Wd/o S. Jaswant Singh,  
7, Gurdev Nagar,  
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Deepak Kapoor, s/o  
Shri Shammi Kapoor, c/o  
M/s Raj Footwear, Chaura Bazar,  
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. B. II. 1745, Chaura Bazar, Ludhiana.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 7296 of March, 1981 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. LDH/583/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of House No. B.II. 1745, situated at Chaura Bazar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Prem Parkash Kaur,  
Wd/o Shri Jaswant Singh,  
7, Gurdev Nagar,  
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Deepak Kapoor, s/o  
Shri Shammi Kapoor, c/o  
M/s Raj Footwears,  
Chaura Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House No. B. II. 1745, Chaura Bazar, Ludhiana  
(The property as mentioned in the sale deed No. 7346 of March, 1981 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-11-1981  
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/358/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 269, Sector 35-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kewal Singh,  
s/o Jai Ram,  
through Shri Gurbachan Singh,  
s/o Deva Singh  
r/o VPO Purnapur,  
Distt. Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Satbir Singh Kohli,  
s/o Shri Tirlochan Singh Kohli, and  
Smt. Joginder Kohli, w/o  
Shri Satbir Singh Kohli,  
r/o H. No. 1025, Sector 21-B,  
Chandigarh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 269, situated at Sector 35-A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the registered deed No. 2025 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-11-1981

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

R.C. No. CHD/366/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 share in House No. 556, situated at Sector 16D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Vimla Verma, w/o  
Shri M. L. Verma,  
r/o 556, Sector 16D,  
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Dharamvir Sabharwal &  
Mrs. Urmilla Sabharwal,  
r/o 556, Sector 16D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1 share in House No. 556, Sector 16D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 2093 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-11-1981  
Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/350/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Incomplete House No. 1603, situated at Sector 33D, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sqn. Ldr. A. S. Guglani  
a/o Shri J. D. Guglani  
R/o House No. 1604, Sector 33D,  
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Amarjit Markan Advocate, &  
Mrs. Brij Mohini,  
r/o 1603, Sector 33D,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Incomplete House No. 1603, Sector 33D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1963 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-11-1981  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/362/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1533/34-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Col. S. K. Vij s/o Sh. Inder Datt Vij  
r/o 4201, Sirhind Gate,  
Patiala through Sh. Vinod Vij  
s/o Sh. I. D. Vij.

(Transferor)

- (2) Smt. Kamla Rani w/o Shri Rattan Chand  
r/o House No. 121, Sector 23-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1533, situated in Sector 34-D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the Registered deed No 2084 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-11-1981  
Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 2669D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/356/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 3363, Sector 32-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Urmila Rani w/o Sh. Roshan Lal Sood through Sh. Kuldip Kuthala r/o 105, Sector 27-A, Chandigarh (Transferor)
- (2) Sh. Tarlok Chand Sood s/o Sh. Kirpa Ram Sood through Sh. Harish Kumar Sood r/o 3363, Sector 32-D Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 3363, situated in Sector 32-D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in registered deed No. 2022 of March, 81 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/354/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1060 situated at Sector 36C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Wg. Cdr. C. S. Sandhu S/o Brig Pritam Singh through attorney Sh. Jagpal Singh R/o 1061, Sector 36C, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Mrs. Jaswinder Kaur w/o Sh. Jagpal Singh Chahil R/o 1061, Sector 36C, Chandigarh (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1060, Sector 36C, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1993 of March, 81 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-11-1981  
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref: No. CHD/368/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 share of SCF No. 9, Sector 27-C situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

29—376GI/81

- (1) (i) Sh. Ram Saran Dass s/o Sh. Dhul Chand  
(ii) Smt. Promila Bhateja w/o Shri Ram Saran Dass  
r/o H. No. 212, Sector 18-A,  
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Smt. Harbhajan Kaur w/o Shri Joga Singh Sandhu  
c/o & through Shri Sham Lal Aggarwal  
r/o H. No. 3454, Sector 27-D, Chandigarh.

(Transferee)

- (3) (1) M/s. New India Assurance Co. Ltd.  
(2) Sh. Subash Chander  
(3) Sh. Davinder Kumar  
(4) Sh. Shiv Pal  
(5) Sh. Mohinder Singh

all r/o SCF No. 9, Sector 27-C, Chandigarh.  
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 share of SCF No. 9, situated in Sector 27-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 2094 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-11-1981

Seal:

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Lt. Col. Kirpal Singh Bindra s/o Dr. C. S. Bindra, A-3/153, Janakpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Pal Bhandari &amp; Mrs. Veena Bhandari, R/o 1170/Sec. 15B, Chandigarh.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXCENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/353/80-81 —Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 185, situated at Sector 33A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 185, Sector 33A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1992 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-11-1981  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/349/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 317, Sector 33-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Brig. Bawan Ishar Singh Bhalla S/o Bawa Kahan Singh R/o H. No. B91-A, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Gurdev Singh s/o Sh. Nazar Singh & Smt. Dalbir Kaur w/o Sh. Gurdev Singh through Sh. Narinder Singh H. No. 214-215, New Jawahar Nagar, Jullundur City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 317, situated in Sector 33-A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the registered deed No. 1961 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Kamlesh Kumar Malhotra  
S/o Sh. Bal Mukhand,  
R/o 1176, Sector 8C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Bhagwan Dass & Krishan Lal  
Ss/o Shri Lachhman Dass,  
R/o 35, Indl. Area, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/348/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 1176, situated at Sector 8C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

House No. 1176, Sector 8C, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1959 of March, 81 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-11-1981  
Seal:



## FORM TENS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,CENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. GHD/352/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 3023, situated at Sector 35D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

- (1) Shri Manohar Singh Aulakh s/o Sh. Harnam Singh through his attorney Sh. Sohan Singh S/o Sh. Gurdial Singh, Watch Maker, Booth No. 3, Sector 19D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Inder Singh S/o Shri Hari Chand C/o M/s, Khalsa Boot House, Ganj Bazar, Simla. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 3023, Sector 35D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1988 of March, 81 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-11-1981  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. SHD/370/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 1608, situated at Sector 18D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Niranjan Singh Golar  
S/o Sh. Singh,  
R/o 1608, Sector 18D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Harpal Singh S/o Shri Niranjan Singh,  
R/o House No. 1246, Sector 20B,  
Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 1608, Sector 18-D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1943 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-11-1981  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq/1070.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 25-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Guman Singh Rathore, Asstt. Secretary,  
Vidhya Pracharini Sabha,  
Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Gopal Singh Ji,  
Ranawal Poultry Farm,  
Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 70 x 105 sq. ft. at Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S R., Udaipur vide his registration No. 724 dated 25-3-81.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 12-11-81

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th November 1981

Ref No. IAC/Acq/1071.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding:

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 475 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 27-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act; I hereby initiate proceedings for the acquisition of the tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-section, namely :—

(1) Shri Guman Singh Rathore, Asstt. Secretary,  
Vidhya Pracharini Sabha, Udaipur.  
(Transferor)

(2) Shri Rami Bhanwar Singh Ranawat,  
Ranawat Poultry Farm,  
Udaipur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 475 at Hiran Magari Sector No. 4, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 723 dated 27-3-81.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 12-11-81  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd November 1981

Ref. No. IAC/Acq./1072.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 477 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Udaipur on 27-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
30—376GI/81

- (1) Sh. Guman Singh Rathore, Asstt. Secretary, Vidhya Pracharini Sabha, Udaipur. (Transferor)  
(2) Shri Aml Kumar Singh Ranawat, Ranawat Poultry Farm, Udaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 477, Hiran Magri, Sector No. 4, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 722 dated 27-3-81.

M. L. CHAUHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 2-11-81  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd November 1981

Ref. No. IAC Acq./1073.—Whereas, I,  
M. L. CHAUHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 476 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Officer at Udaipur on 28-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

- (1) Shri Guman Singh Rathore, Asstt. Secretary, Vidhya Pracharini Sabha, Udaipur. (Transferor)  
(2) Kumari Prabha Kumari, Ranawat Poultry Farm, Udaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 476, Hiranmagri Sector No. 4, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 725 dated 28-3-81.

M. L. CHAUHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 2-11-81  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd November 1981

Ref. No. IAC/Acq./1066.—Whereas, I,  
M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. 15 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Udaipur on 4-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Devi Lal S/o Poonam Chand Ji Kothari,  
Maldas Store, Udaipur.

(Transferor)

(2) Sh. Suresh Chand Jain and Sons, Hiran Magari  
Sector No. 11, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15, at Hiranmagri Sector No. 11, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 534 dated 4-3-81.

M. L. CHAUHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 12-11-1981  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Kalyan Mal S/O Nanak Ram Ji, R/O Jaipur.  
(Transferor)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Sh. Prakash Chand, Suresh Chand, Kailash Chand  
sons of Kanhiya Lal Jain, R/o Kakroli.  
(Transferee)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq./1067.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Plot No. 3 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 4-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 3 at Sunder Vas, Gelda Colony, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide registration No. 521 dated 4-3-81.

M. L. CHAUHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 12-11-1981  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Smt. Pushpa Sharma W/O Bhagwati Dayal Ji  
Sharma R/O Udaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Gouri Shankar S/O Ram Swaroop Bansal R/O  
Udaipur.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq./1068.—Whereas, I,  
M. L. CHAUHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the  
'said Act'), have reason to believe that the immovable pro-  
perty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and  
bearing  
Plot No. 36B situated at Udaipur  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer  
at Udaipur on 6-3-1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the aforesaid property,  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 36B at Ambawgarh Yojana, Udaipur measuring  
9079 sq. ft. & more fully described in the sale deed regis-  
tered by S.R., Udaipur vide his registration No. 553 dated  
6-3-81.

M. L. CHAUHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Dated : 12-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq./1060.—Whereas, I,  
M. L. CHAUHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
Plot No. 36 situated at Udaipur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Udaipur on 7-4-1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in res-  
pect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

- (1) Smt. Rajmata Vishnu Kunwar Ji W/O late Shri  
Bhoopal Singh Ji, Udaipur.  
(Transferor)
- (2) Sh. Jagannath Singh S/O Malam Singh Ji Galundia  
R/o Mogara Bari.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-  
ble property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 36 at Srvaritu Vilas, Udaipur & more fully des-  
cribed in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his  
registration No. 813 dated 7-4-81.

M. L. CHAUHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Seal :  
Dated : 12-11-1981

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Girish S/O Shri Prop. Sultan Singh Ji Jain  
R/O Kundigaron Bhenro Ka Rasta, Johari Bazar,  
Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Vandana W/O Dr. Chandra Kumar Sacheti  
at present R/O America, B-121 Mangal Marg,  
Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq./1097.—Whereas, I,  
M. L. CHAUHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. S19 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering  
Officer at Jaipur on 28-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. S-19, Bhawani Singh Marg, C-Scheme, Jaipur &  
more fully described in the sale deed registered by S.R., Jai-  
pur vide his registration No. 1010 dated 28-4-81.

M. L. CHAUHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 12-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. TR-592/80-81/Sl.597/IAC/Acq.R-I/Cal.—

Whereas, I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2 and 1/1 situated at Sheriff Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Hari Narayan Tandon & ors. (Transferor)
- (2) The Calcutta Muslim Orphanage. (Transferee)
- (3) The Calcutta Muslim Orphanage. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Premises No. 2 Sheriff Lane, Calcutta on land measuring 1 bigha 4 cottacks 15 chittacks and Premises No. 1/1, Sheriff Lane, Calcutta on land measuring 2 cottah 2 chittacks together with structure registered vide Deed No. 3215 dated 14-3-81 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-700016

Date : 6-11-1981  
Seal :

**FORM ITNS**

- (1) Mr. Dharendra Nath Bose & ors. (Transferor)  
(2) Mr. Jagannath Agarwala & ors. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA**

Calcutta, the 13th November 1981

Ref. No. TR-614/80-81/598/IAC.Acq.R-I/Cal.—  
Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26A situated at Park Lane, Calcutta.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—376GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Two storied building with land area of 6 cottahs more or less behind premises No. 26A, Park Lane, Calcutta registered vide Deed No. I-2692 dated 28-3-81 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-700016

Date : 13-11-1981  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Banl Dutt.

(Transferor)

(2) Sm. Joly Saha

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th November 1981

Ref. No. 970/Acq/R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 149 situated at Sri Arabindu Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 27-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided half share of premises No. 149, Sri Arabindu Sarani, Calcutta on land admeasuring 4 Cottahs 7 ch. 22 sft. registered before the Registrar of Assurance, Calcutta, vide deed No. 2618, dt. 27-3-81.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-700016

Date : 9-11-81  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th November 1981

Ref. No. 969/Acq./R-III/81-82.—

Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 149 situated at Sri Arabindu Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bani Dutt.

(Transferor)

(2) 1. Sri Benu Lal Das &  
2. Sri Ranjit Kumar Das

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share of premises No. 149, Sri Arabindu Sarani, Calcutta on land admeasuring 4 Cottahs 7 ch. 22 sft. registered before the Registrar of Assurance, Calcutta, vide deed No. 2617 dt. 27-3-81.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-700016

Date : 10-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Sm. Purnima Sarkar (Transferor)  
 (2) Sri Amal Kumar Roy (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th November 1981

Rer. No. 968/Acq.R-III/81-82/Cal.—  
 Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 171/A situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of the house property being premises No. 171/A, Sarat Bose Road, Calcutta, containing an area of 2K 3Ch. 37 Sq. ft.

I. V. S. JUNEJA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I,  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
 Calcutta-700016

Date : 9-11-1981  
 Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA  
Calcutta, the 9th November 1981

Ref. No. 967/Acq.R-III/81-82/Cal.—

Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269b of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 171/A situated at Sarat Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calcutta on 28-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sm. Purnima Sarker  
(Transferor)  
(2) Shri Kamal Kumar Roy.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of the house property being premises No. 171/A, Sarat Bose Road, Calcutta, containing an area of 2K 3Ch. 37 Sq. ft.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-700016

Date : 9-11-1981  
Seal :

FORM ITNS

(1) Kartick Chandra Pyne

(Transferor)

(2) Ranjit Rai Pun &  
Chandra Sekhar Pun.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. TR-607/80-81/Sl.594/IAC[Acq.R-I]Cal —  
Whereas, I, I. V. S. JUNEJAbeing the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingNo. 2, situated at Madge Lane, Calcutta-16,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at Calcutta on 6-3-1981for an apparent consideration which is less than the  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share of a two storeyed building situated  
at 2, Madge Lane, Calcutta-16 on land measuring 12K 8Ch.  
registered vide deed No. I-1773 dt. 6-3-81 before Registrar  
of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-700016

Date : 6-11-1981  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Ajit Kumar Bhuwalka.

(Transferor)

(2) M/s. Kothari & Co. (P) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. 966/Acq.R-III/81-82.—

Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 50B(FI. 16) situated at Gariahat Rd, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Calcutta on 25-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 16 on the 8th Floor of the building known as "Gagandeep" at premises No. 50B Gariahat Road, Calcutta, vide deed No. 2523 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta on 25-3-81.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-700016

Date : 6-11-1981  
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Solani Ownership Flats Schemes Pvt. Ltd.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Ruma Ghosh.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. 965/Acq.R-III/81-82/Cal.---

Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
Rs. 25,000/- and bearing No.Flat No. C situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has  
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)  
in the office of the Registering Officer at  
Calcutta on 18-3-1981for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. C on 11th floor of the building known as 'Jay  
Jayanti' situate, lying at and being portion of premises No.  
2, Mandeville Gardens, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-700016

Date . 6-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Solani Ownership Flats Schemes Pvt. Ltd.  
(Transferor)(2) Smt. Anita Biswas.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. 964/Acq.R-III/81-82/Cal.—

Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. F situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—376GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. F on 5th floor of the building known as 'Jay-Jayanti' situate, lying at and being portion of premises No. 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-III,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-700016

Date : 6-11-1981

Seal :

**FORM ITNS**(1) Solani Ownership Flats Schemes Pvt. Ltd.  
(Transferor)(2) Sri Mrinal Kanti Biswas.  
(Transferee)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA**

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. 963/Acq.R-III/81-82/Cal.—

Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. D, situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. D on 5th floor of the building known as 'Jay Jayanti' situate, lying at and being portion of premises No. 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-700 016.

Date: 6-11-1981  
Seal:

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. TR-608/80-81/Sl.595 IAC/Acq.R-I/Cal.—  
Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2 situated at Madge Lane, Calcutta-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sandhya Rani Borat  
(Transferor)
- (2) Shri Ranjit Rai Pun &  
Chandra Sekhar Pun.  
(Transferee)
- (3) M. A. Shah & ors.  
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share of a two storeyed building situated at 2, Madge Lane, Calcutta-16 on land measuring 12K 8Ch registered vide Deed No. I-1774 dt. 6-3-81 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-700016

Date : 6-11-1981  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA**

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. TR-615/80-81/Sl.596 IAC/Acq.R-I/Cal.—  
Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2 situated at Madge Lane, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Radha Rani Pyne &amp; ors.

(Transferor)

(2) Ranjit Rai Pun &  
Chandra Sekhar Pun,

(Transferee)

(3) M. A. Shah &amp; ors.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Undivided 1/5th share of a two storeyed building situated at 2, Madge Lane, Calcutta-16 on land measuring 12K 8Ch registered vide deed No. I-1956 dt. 11-3-81 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-700016

Date : 6-11-1981  
Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. TR-605/80-81/Sl.592 IAC/Acq.R-I/Cal.—

Whereas, I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2 situated at Madge Lane, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Lall Chand Pyne, (Transferor)  
(2) Ranjit Rai Pun & Chandra Sekhar Pun, (Transferee)  
(3) M. A. Shah & ors. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share of a two storeyed building situated at 2, Madge Lane, Calcutta-16 on land measuring 12K 8Ch registered vide deed No. I-1771 dt. 6-3-81 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-700016

Date : 6-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. TR-606/80-81/Sl.593.IAC/Acq.R-I[Cal.—  
Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2 situated at Madge Lane, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- |                                             |                                         |
|---------------------------------------------|-----------------------------------------|
| (1) Lakshmi Rani Mullick.                   | (Transferor)                            |
| (2) Ranjit Rai Pun &<br>Chandra Sekhar Pun, | (Transferee)                            |
| (3) M. A. Shah & ors.                       | (Persons in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share of a two storeyed building situated at 2, Madge Lane, Calcutta-16 on land measuring 12K 8Ch registered vide deed No. 1-1772 dt. 6-3-81 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-700016

Date : 6-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1981

Ref. No. AR-III/1971-4/81-82.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 274, Hissa No. 1(pt) CTS No. 18 (part with Chawl L-749(3) 100 situated at Quaraushi Nagar, Kurla (East) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-3-1981 Document No. S-918/80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mohamed Masood Badal Quereshi (Transferor)
- (2) 1. Haji Mukhtiar Ahmed,  
2. Jamil Ahmed  
3. Mustaq Ahmed  
4. Mumtaz Ahmed  
5. Iftikhar Ahmed  
6. Shakil Ahmed  
7. Aqil Ahmed and 8. Vakil Ahmed. (Transferee)
- (3) 1. Abdul Baboo  
2. M. B. Fero.  
3. Habibulla Khan.  
4. Peerzada Rasul Mian  
5. Samiulla Khan  
6. Fahimunnisa.  
7. Mohd. Khan Majid Khan  
8. Ahmed Abdul Shaikh.  
9. Moosa Khan  
10. Abdul Qayum. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-918/80 and registered with the Sub-Registrar, Bombay, on 26-3-1981.

SUDHAKAR VARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 13-11-81  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Khivraj Motors Ltd.  
623, Mount Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) Bank of Thanjavur Ltd.,  
Thanjavur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras, the 10th November 1981

Ref. No. F.16250.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 477 to 482 situated at Mount Road, Madras  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Madras South on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property, and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publications of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

5339/36550th undivided share in land at 477 to 482,  
Mount Road, Madras-6.  
(Doc. 734/81)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 10-11-81  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 20th October 1981

Ref. No. RAC 170/81-82 —S. GOVINDARAJAN  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the said Act), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 14/55A situated at Uppal Hyderabad 39  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Hyderabad on March 81  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
23—376GI/81

(1) M/s. Sri Lakshmi Oil Mills  
Solvent extraction plant  
Industrial area Plot No. 9,  
Block No. 3 Uppal Hyderabad-29.  
Rep. By Sri M. Venkata Surya Laxmi Narsimha  
Rao & others No 92 West Maredpally 3rd lane  
Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s L. V. R. Oil & fats Pvt. Ltd.  
Reg. Office L-2, Tha Tha-muthiappan Street,  
Madras-600001  
Factory : Plot No. 9 Block No. 3  
Industrial area Uppal Hyderabad-39.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, and shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building and godown bearing No. 14/55 A built on plot  
of land bearing No. B-9 Block No. 3 Industrial Develop-  
ment area Uppal Hyderabad 39 (22050 sq. ft. built up  
area) total area 4.798 Acres registered with Sub-Registrar  
Hyderabad vide Document No. 963/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-Hyderabad

Date : 20-10-1981.  
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 23rd October 1981

Ref. No. RAC 171/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 117 situated at Sagarview Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Swastik Builders  
1-2-524/3 Domalguda,  
Hyderabad,

(Transferor)

(2) M/s. Suman Chit Funds  
5-4-32/2 11nd Floor,  
Jawaharlal Nehru Road,  
Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 117 first floor Sagarview Domalguda, Hyderabad area 1112 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1056/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 23-10-1981  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 23rd October 1981

Ref. No. RAC.172/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at Bandalaguda village, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Mrs. Aley Varghese  
W/o Mr. K. M. Varghese  
5-9-347 Hyderguda  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri Nandlal Sarda S/o Sri Jainarayan Sarda  
2. Sri Sitaram Sarda S/o Sri Jainarayan Sarda  
3. Sri Kacharulal, Sarda S/o Late Ramkrishna Sarda  
4. Sri Narayandas Asawa S/o Sri Chunnilal Asawa  
5. Sri Srinivas Asawa S/o Sri Narayandas,  
C/o M/s. Vishnu Oil Industries 5-2-936 osmangunj  
Hyderabad (H. No. 18-4-538/1 Shamsheergunj,  
Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 240, 241, 242 & 244 area 8 acres 7 guntas at Bandalaguda village, Hyderabad on Chandrayangutta, Mahboobnagar Road registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1110/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 23-10-1981  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 28th October 1981

Ref. No. RAC-173/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1-2-412/12 situated at Gaganmahal Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sri Narshi Vishram S/o. Late Vishram Nathoo.  
(2) Sri Manoharlal Vishram S/o Late Vishram Nathoo.  
67-A Kingsway Secunderabad. (Transferee)
- (2) Sri Rajaram S/o Sri Ishwardas,  
5-9-42/6 New M.L.A. Quarters lane Bashceerbagh, Hyderabad. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land M. No. 1-2-412/12 (No. A-9) area 800 sq. yards at Gaganmahal Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1301/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 28-10-1981

Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 28th October 1981

Ref. No. RAC-174/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agil. Land situated at Chinna Thokatta Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Maredpally on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sri K. Bal Reddy S/o Shri K. Muthyam Reddy.  
(2) Sri K. Malla Reddy S/o Late Venkat Reddy.  
(3) Sri M. K. Malla Reddy S/o Shri K. Muthyam Reddy.  
Bownepally Secunderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. The Amar Jyothi Weaker section Co-operative Housing Society Ltd. (TAB. 38).  
Office No. 11-4-322/20/34 Chilkalguda, Secunderabad, President Sri P. Pandu Rao S/o Late R. Pentaiah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 1 Acre in Survey No. 86, 87 and 92 at Chinna Thokatta Bownipally Secunderabad registered with Sub-Registrar Maredpally vide Doc. No. 453/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 28-10-1981  
Seal:

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st October 1981

Ref. No. RAC-175/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-2-135/1, 136, 137 situated at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Ravindra Kumar Rathi S/o Shri Lakshminarayan Rathi,  
R/o 61, Mahatma Gandhi Road, Secunderabad,  
(158 C Railway Lines Sholapur-413001).  
(Transferor)

(2) M/s. Kabra & Co.,  
61, M.G. Road, Secunderabad,  
By Managing Partner Sri Shankarlal Kabra S/o Late  
Mohanlal Kabra,  
H. No. 3-2-853, Chitrakoot Bldg. Kachiguda Hyder-  
abad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Old house and structures M. No. 2-2-135/1, 136, 137 Mahatma Gandhi Road, Secunderabad area 778 sq. yards registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Document No. 147/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 31-10-1981  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st October 1981

Ref. No. 'RAC-176/81-82.—Whereas, 1. S. GOVINDA-RAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-2-136/1, 137/1, 138, 139 situated at M.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Mohini Bai Rathi W/o Shri Ravindra Kumar Rathi, 61, Mahatma Gandhi Road, Secunderabad (158 C Railway Lines Sholapur-413001).  
(Transferor)
- (2) M/s. Kabra & Co.,  
61, M.G. Road, Secunderabad.  
By Managing partner Sri Shankarlal Kabra S/o Late Mohanlal Kabra,  
H. No. 3-2-853 Chitrakoot Bldg. Kachigula, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old House and structure M. No. 2-2-136/1, 137/1, 138 and 139 Mahatma Gandhi Road, Secunderabad area 870 sq. yds. registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 148/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 31-10-1981  
Seal :

## FORM LT.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd November 1981

Ref. No. RAC-177/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 6-3-1186 situated at Begumpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M s. Dhanalakshmi Co-operative Housing Society Ltd. TAB 109 Shop No. 16 Indoor Stadium Fathemaiddan Hyderabad,  
By Secretary D. Ramakrishna Reddy S/o D Pulla Reddy.

(Transferor)

(2) M/s. Indo Swing Limited.  
Narsapur Road, Balanagar, Hyderabad-37.  
Rep. By Sri Y. Rama Sarma S/o Late Y. D. Sastry,  
R/o 36-A MIGH Sanjeevreddy Nagar Hyderabad-38.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land M. No. 6-3-1186 Begumpet Hyderabad area 1,000 sq. yds. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1266/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-11-1981  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd November 1981

Ref. No RAC-178/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-  
RAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-4-1005/5/1 situated at Barkatpura Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Chikadpally on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have aforesaid  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer.  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) Sri P. Raghuram Reddy S/o Sri P. Ramaachandra  
Reddy.  
H. No. 3-3-76 Kutbiguda, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Smt. Sampath Devi Sataliya W/o Poonamchand,  
H. No. 3-4-16 Dr. Bhoomanna Marg Lingampally,  
Hyderabad-27.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immova-  
ble property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land M. No. 3-4-1005/5/1 situated at Barkatpura  
locality Hyderabad area 265 sq. yards registered with Sub-  
Registrar Chikadpally vide Doc. No. 207/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 3-11-1981  
Seal :

